MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINI SO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । सोमवार, 02 नवंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-300

वोट चोरी पर हुंकार

रामलीला मैदान में राहुल गांधी का केंद्र और चुनाव आयोग पर हमला, बोले- ज्ञानेश कुमार को जेल जाना होगा, अखिलेश और ममता ने भी साधा निशाना

नई दिल्ली, 1 नवंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित इंडिया गठबंधन की महारैली में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार तथा चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला। उन्होंने देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संविधान की रक्षा का मुद्दा उठाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ भी कड़े तेवर दिखाए। रैली में उमड़ी भीड़ का धन्यवाद करते हुए राहुल गांधी ने कहा, आप सब यहां दूर-दूर से चलकर आए हैं। आपने देश को, नरेंद्र मोदी, अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को एक स्पष्ट संदेश दे दिया है। यह किसी एक राजनीतिक दल या केवल नेताओं की आवाज नहीं है। यह भारत के युवाओं, किसानों और मजदूरों की सम्मिलित आवाज है।

उन्होंने आगे कहा, यह आवाज साफ कह रही है कि हम हिंदुस्तान में लोकतंत्र को खत्म नहीं होने देंगे और संविधान को नष्ट नहीं होने देंगे। आपके पास कितना भी पैसा या ताकत क्यों न हो, आप संविधान से बड़े नहीं हो सकते।



2024 के बाद 11.53 करोड़ मतदाताओं के नाम काटने का दावा

चुनावी निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए राहुल गांधी ने दावा किया कि देश में वर्षों से वोट चोरी हो रही है। उन्होंने कहा, ममता बनर्जी ने बंगाल का उदाहरण दिया, लेकिन मध्य प्रदेश, हरियाणा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, कर्नाटक और 2024 के लोकसभा चुनाव में भी वोट चोरी हुई है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के अलावा मतदाता सूची से नाम हटाकर और नए नाम जोड़कर यह गड़बड़ी की गई है।

आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि 2024 के चुनाव के बाद 11.53 करोड़ (13 करोड़) मतदाताओं को सूची से बाहर कर दिया गया। यानी हर सात में से एक मतदाता (लगभग 15 प्रतिशत) का नाम सूची से हटा दिया गया। चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और विपक्ष के बीच महज 3 प्रतिशत का अंतर था, जबकि उसके बाद 15 प्रतिशत मतदाताओं को हटा दिया गया। राहुल गांधी ने इसे चुनावी प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर धांधली बताया।

ज्ञानेश कुमार पर तीखा हमला

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा, ज्ञानेश कुमार को अपने पद से हटना होगा और उन्हें जेल जाना पड़ेगा। यह कोई छोटी-मोटी चोरी नहीं है, बल्कि देश के हर नागरिक की आवाज और लोकतांत्रिक अधिकारों की चोरी है।

▶10पर

भाजपा ने उठाए सवाल



दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित इंडिया गठबंधन की रैली को लेकर भाजपा ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा। भाजपा नेता संबित पात्रा ने प्रेस वार्ता में रामलीला मैदान की तस्वीरें और वीडियो दिखाते हुए कांग्रेस के 10 लाख लोगों के जुटने के दावे पर सवाल उठाए।उन्होंने कहा कि कांग्रेस की ओर से केसी वेणुगोपाल और पवन खेड़ा ने बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की बात कही थी, लेकिन रामलीला मैदान की तस्वीरें कुछ और ही स्थिति दिखा रही थीं।संबित पात्रा ने कहा कि रामलीला मैदान करीब 10 से 12 एकड़ में फैला है। उनके मुताबिक, मैदान का करीब 15 प्रतिशत हिस्सा मंच और उसके आगे बनाए गए घेरे में इस्तेमाल हुआ था। इसके बाद मैदान का करीब 40 प्रतिशत हिस्सा खाली दिखाई दे रहा था। उन्होंने कहा कि इस हिस्से में न तो कुर्सियां थीं और न ही लोग मौजूद थे।

संबित पात्रा ने कांग्रेस के 10 लाख लोगों के जुटने के दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस की ओर से इतनी बड़ी संख्या में लोगों के आने की बात कही गई थी। उन्होंने पूछा कि अगर 10 लाख लोग आने वाले थे तो रामलीला मैदान में वे दिखाई क्यों नहीं दिए।

सौरभ का प्रत्यर्पण

सट्टेबाजी सिंडिकेट का प्रमुख ओमान से भारत लाया गया



नई दिल्ली, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

महादेव ऐप के जरिए चलाए जा रहे अवैध सट्टेबाजी सिंडिकेट के प्रमुख सौरभ चंद्राकर को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ओमान से भारत ले आई है। सीबीआई ने केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर चंद्राकर के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद सीबीआई की विशेष टीम उसे लेकर भारत पहुंची। अब उसे रायपुर की सीबीआई विशेष अदालत में पेश किया जाएगा।

सौरभ चंद्राकर दो सीबीआई मामलों में आरोपी है, जिनमें आरोपपत्र पहले ही दाखिल किए जा चुके हैं। इसके अलावा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक मामले में भी अभियोजन शिकायत दाखिल की जा चुकी है। प्रत्यर्पण के बाद आरोपी की चिकित्सकीय जांच कराई जाएगी और पारगमन रिमांड मिलने के बाद उसे रायपुर ले जाया जाएगा। उसे सोमवार को रायपुर की सीबीआई विशेष अदालत में पेश किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ सरकार के अनुरोध पर सीबीआई ने महादेव ऑनलाइन बुक से जुड़े मामलों की जांच अपने हाथ में ली थी। जांच में सामने आया कि महादेव ऑनलाइन बुक देश के बड़े अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी सिंडिकेट में से एक था और इसे भारत के बाहर से संचालित किया जा रहा था।

जांच के मुताबिक, इस नेटवर्क के जरिए क्रिकेट, फुटबॉल, ताश के खेल और अन्य आयोजनों पर अवैध सट्टा लगाया जाता था। इसके लिए भारत के अलग-अलग हिस्सों में मपैनलफ और मशाखाओंफका नेटवर्क बनाया गया था। इन पैनलों के जरिए लोगों को जोड़ा जाता था और उनसे सट्टे की रकम जमा कराई जाती थी।

▶10पर

हमारे वाले सीधे तुम्हारे वाले टेढ़े

धीरेंद्र शास्त्री की भगवान श्रीकृष्ण पर कथित टिप्पणी से विवाद



नई दिल्ली, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

हिंदू राष्ट्र बनाने की बात करने वाले बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री के एक कथित बयान को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। आरोप है कि धीरेंद्र शास्त्री ने भगवान राम से तुलना करते हुए भगवान श्रीकृष्ण का अपमान किया है। इतना ही नहीं, उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के खड़े होने के अंदाज, बांसुरी बजाने और उनके वृंदावन धाम पर भी कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की है।

बागेश्वर बाबा का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि हिंदू एकता की बात करने वाले किसी कथावाचक की ऐसी भाषा कितनी उचित है। हालांकि, इस वीडियो को लेकर अभी तक धीरेंद्र शास्त्री की ओर से कोई स्पष्टीकरण नहीं आया है। भगवान श्रीकृष्ण पर टिप्पणी करते हुए धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, ...तुम्हारे ठाकुर जी हर तस्वीर में इधर-उधर देखते नजर आते हैं। खड़े भी होते हैं तो तीन जगह से टेढ़े। पांव के ऊपर पांव। कमर कहीं लचकाएं। फिर टेढ़ी गर्दन करके बंसी बजाते हैं।

जबकि हमारे वाले तो खड़े भी एकदम सीधे होते हैं। उनका नाम भी सीधा, दिखते भी सीधे और चलते भी सीधे। तुम्हारे वाले का नाम भी टेढ़ा, दिखते भी टेढ़े और चलते भी टेढ़े।धीरेंद्र शास्त्री ने आगे कहा कि हमारे भगवान का धाम भी एकदम सीधा- अयोध्या और तुम्हारे वाले का वृंदावन। वृंदावन शब्द पर जोर देते हुए उन्होंने अपने दोनों हाथ फैला दिए।

▶10पर





ब्राजील से भागने में किसने की मदद : फ्लावियो बोल्सोनारो अमेरिका पहुंचे, मार्को रूबियो ने दिया ये जवाब

अटलांटा

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद देश छोड़कर अमेरिका पहुंचे फ्लावियो बोल्सोनारो की यात्रा में कोई मदद नहीं की थी।

ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के खिलाफ चुनाव हारने के बाद फ्लावियो बोल्सोनारो बुधवार को मियामी पहुंचे थे। इससे एक दिन पहले अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा था कि चुनाव में हार के बाद बोल्सोनारो और उनके परिवार को अमेरिकी वीजा दिया जाएगा। यह चुनाव कड़ा मुकाबला था और लैटिन अमेरिका में रूढ़िवादी दलों की चुनावी सफलता के रुझान से अलग रहा।

रूबियो बोले- राष्ट्रपति ने दी देश में प्रवेश की अनुमति - जी-20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए अटलांटा पहुंचे रूबियो ने पत्रकारों से कहा, हमने किसी भी तरह की मदद नहीं की। उन्होंने कहा, हमें जानकारी मिली थी कि वह अमेरिका पहुंच गए हैं। उनके पास पहले से वीजा था और राष्ट्रपति ने उन्हें देश में प्रवेश की अनुमति देने का फैसला किया। रूबियो ने स्पष्ट किया कि अमेरिकी सरकार उनकी यात्रा से जुड़े किसी भी कदम में सीधे तौर पर शामिल नहीं थी।

रूबियो ने बताया कि अटलांटा में शुक्रवार और शनिवार को उनकी ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा से मुलाकात हुई। उन्होंने कहा कि नवंबर में फ्रांस में होने वाली विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान भी उनकी ब्राजील के अधिकारियों से बातचीत होने की उम्मीद है।

फ्लावियो बोल्सोनारो ने क्यों छोड़ा ब्राजील - फ्लावियो बोल्सोनारो ने चुनाव में हार स्वीकार नहीं की है। उन्होंने बिना कोई सबूत दिए चुनाव में धांधली का आरोप लगाया है। उनके पिता और ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो ने भी 2022 में लूला से मिली हार को स्वीकार नहीं किया था। तख्तापलट की कोशिश के मामले में वह 27 साल की सजा काट रहे हैं।

चुनाव में फ्लावियो को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का अप्रत्यक्ष समर्थन हासिल था। ब्राजील में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार, मनी लान्ड्रिंग और कर चोरी के मामलों की जांच चल रही है। पुलिस ने उन्हें देश छोड़कर भागने का जोखिम मानते हुए पासपोर्ट जमा करने का आदेश दिया था।

खुद को बताया ब्राजील का असली निर्वाचित राष्ट्रपति - रियो डी जेनेरियो से सीनेटर फ्लावियो बोल्सोनारो ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर लाइव प्रसारण के दौरान फिर दावा किया कि उन्हें राजनीतिक रूप से निशाना बनाया जा रहा है। ब्राजील की नई संसद का कार्यकाल एक फरवरी से शुरू होगा और इसके बाद वह अपनी सीनेटर की सीट गंवा देंगे। 45 वर्षीय बोल्सोनारो ने बुधवार को लिखे एक पत्र में खुद को ब्राजील का वास्तविक निर्वाचित राष्ट्रपति बताया था। हालांकि, बाद में उन्होंने इस दावे को नरम करते हुए खुद को नेता कहा। उन्होंने अपनी तुलना कई अन्य हस्तियों के साथ फ्रांस के चार्ल्स डी गाल से भी की। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान डी गाल ने लंदन से फ्रांस में नाजी कब्जे के खिलाफ प्रतिरोध का नेतृत्व किया था।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में बस हादसा, राहगीर की मौत, जमात के 30 कार्यकर्ता घायल



ढाका (बांग्लादेश)। देश के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से के खुलना अंतर्गत सतखीरा के पाटकेलगहाटा में हुए बस हादसे में एक राहगीर की मौत हो गई और जमात-ए-इस्लामी के कम से कम 30 कार्यकर्ता घायल हो गए। बस में सवार ये कार्यकर्ता सड़क किनारे एक खाई में जा गिरे। यह हादसा करीब 8:30 बजे खुलना-सतखीरा राजमार्ग के चाराबोतोला इलाके में हुआ। जमात कार्यकर्ता खुलना से 11 दलीय गठबंधन के रोड मार्च से लौट रहे थे। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, मृतक की पहचान 65 वर्षीय अब्दुल खालिक मोल्लाह के रूप में हुई है। वह पाटकेलगहाटा के काशियाडांगा गांव में रहते थे। उनके पड़ोसी रिपन मुल्ला ने बताया कि खुलना में रोड मार्च में शामिल होने के बाद जमात कार्यकर्ता बस से सतखीरा लौट रहे थे। जब अब्दुल खालिक चाराबोतोला चौराहे के पास सड़क पार कर रहे थे तभी बस ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद बस सड़क किनारे एक खाई में जा गिरी। सतखीरा जमात के महासचिव अजीजुर रहमान ने कहा कि जब बस रोड मार्च से लौट रही थी, तो बुजुर्ग अचानक बस के सामने आ गए। उन्होंने कहा, उन्हें बचाने की कोशिश में हमारे नेताओं और कार्यकर्ताओं को ले जा रही बस सड़क से उतरकर किनारे की खाई में जा गिरी, जिससे कम से कम 30 कार्यकर्ता घायल हो गए।

नेपाल के डोल्पा में भारी बर्फबारी, 6 भारतीय पर्यटक लापता



काठमांडू। नेपाल के डोल्पा जिले में भारी बर्फबारी के बीच शे-फोक्सुंडो झील की ओर जा रहे छह भारतीय पर्यटक लापता हो गए हैं। लापता पर्यटकों में दो महिला और चार पुरुष शामिल हैं। । नुमला पास और बगला पास के इलाके में उनसे संपर्क टूट गया । ये दोनों दर्रे शे-फोक्सुंडो के वार्ड नंबर 4 और 8 के बीच स्थित हैं। डोल्पा की मुख्य जिला अधिकारी जुनु हमाल ने बताया कि पर्यटक धो से फोक्सुंडो झील की ओर लौट रहे थे, तभी वे बर्फ में फंस गए। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों ने उन्हें पहाड़ पार करने में होने वाली कठिनाइयों के बारे में आगाह किया था, लेकिन वे आगे बढ़ गए और अब उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है। शे-फोक्सुंडो गांवपालिका के अध्यक्ष धावा साम्दुक गुरूग के अनुसार, वार्ड नंबर 4 और 8 के बीच स्थित दर्रों में मोबाइल नेटवर्क बिल्कुल नहीं है। संचार सुविधा नहीं होने के कारण पर्यटकों की स्थिति के बारे में जानकारी जुटाना मुश्किल हो रहा है। डोल्पा के पुलिस उपाधीक्षक अनिल राज गिरी ने बताया कि इन पर्यटकों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। उन्होंने कहा कि तलाश और बचाव अभियान के लिए संबंधित निकायों से हेलीकाप्टर की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया है।

पाकिस्तान ने चेताया- आतंकवाद पर अफगानिस्तान की निष्क्रियता बर्दाश्त नहीं



इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। संघीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने काबुल कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि तालिबान नेतृत्व अपनी जिम्मेदारी से पीछे भाग रहा है। वह तनावपूर्ण संबंधों के असल कारण यानी अफगानिस्तान से चल रहे आतंकवादियों के ठिकानों को खत्म करने के बजाय इस्लामाबाद की नीतियों को दोष दे रहा है। मंत्रालय ने चेतावनी दी, आतंकवाद पर अफगानिस्तान की निष्क्रियता अब और बर्दाश्त नहीं की जाएगी। द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय ने कहा, पाकिस्तान का रुख एकदम साफ है। आतंकवाद अस्वीकार्य है। अपने नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता।इस्लामाबाद सीमा पार मौजूद उन आतंकवादी ठिकानों को बर्दाश्त नहीं करेगा, जो उसकी सुरक्षा के लिए खतरा हैं।पाकिस्तान अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए पैदा होने वाले खतरों को खत्म करने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार सभी जरूरी कदम उठाने का अधिकार रखता है, चाहे ये खतरे कहीं से भी आ रहे हों। मंत्रालय ने कहा, इस स्थिति के लिए अफगान तालिबान शासन जिम्मेदार है। मंत्रालय ने काबुल के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि अफगान तालिबान अपनी जिम्मेदारियों से बच नहीं सकता। मंत्रालय ने कहा, पाकिस्तान की सुरक्षा को अफगान तालिबान की निष्क्रियता, टालमटोल या गलत प्राथमिकताओं का बंधक नहीं बनने दिया जाएगा।

एस.जयशंकर : क्वाड देशों में चुनने की आजादी जरूरी, सप्लाई चेन और आर्थिक सुरक्षा पर विदेश मंत्री

अटलांटा

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने क्वाड के लिए चुनने की स्वतंत्रता, मजबूत सप्लाई चेन और गैर-बाजार प्रथाओं के खिलाफ कार्रवाई को मुख्य प्राथमिकता बताया। इसके साथ ही, उन्होंने इस समूह के एजेंडे के लिए एक अधिक समकालीन और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने की वकालत की।



अटलांटा में क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद, एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में जयशंकर ने उन प्रमुख मुद्दों का जिक्र किया, जिन पर उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, जापानी विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी और आस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ चर्चा की थी।

जयशंकर ने कहा समूह की प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखना, समृद्धि को बढ़ावा देना और पसंद की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना हमारी निरंतर प्रतिबद्धताएं हैं। उन्होंने टेक्नोलाजी, महत्वपूर्ण खनिजों और ऊर्जा क्षेत्रों में मजबूत सप्लाई चेन बनाने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बेहतर सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।

गैर-बाजार प्रथाओं का भी किया जिक्र

जयशंकर ने चर्चा के दौरान उठाई गई प्राथमिकताओं में इंडो-पैसिफिक में गैर-बाजार प्रथाओं का मुकाबला करने और बढ़ते आर्थिक दबावों को भी शामिल किया। हालांकि, उनकी पोस्ट में किसी देश का नाम नहीं लिया गया और न ही यह बताया गया कि किन विशिष्ट प्रथाओं की बात हो रही है।

क्षेत्रीय सुरक्षा के संदर्भ में, उन्होंने आतंकवाद-रोधी, समुद्री सुरक्षा और क्षमता निर्माण से जुड़े मौजूदा समझौतों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया, ताकि मजबूती बढ़ाई जा सके और शांति व स्थिरता को समर्थन मिले।

एआई को लेकर क्या चर्चा हुई

मंत्रियों ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भरोसेमंद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तक पहुंच बेहतर बनाने के लिए 85 मिलियन अमेरिकी डालर से अधिक की तकनीकी और वित्तीय सहायता देने की इच्छा जताई। इसमें क्वाड एआई एक्सेलेरेटर के माध्यम से दी जाने वाली मदद भी शामिल है। विज्ञप्ति में सुपर इंटेलिजेंस का भी जिक्र किया गया है, जिसके साथ एक फुटनोट में स्पष्ट किया गया है कि यह शब्द भारत, आस्ट्रेलिया और जापान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संबंधित है।

मंत्रियों ने भारत और आसियान देशों में कचरे से महत्वपूर्ण खनिज निकालने की सुविधाओं के लिए वाशिंगटन द्वारा 10 मिलियन अमेरिकी डालर देने के वादे का स्वागत किया। यह राशि केवल भारत के लिए नहीं है।

ये चारों साझेदार देश, इलेक्ट्रानिक कचरे और कबाड़ से खनिज निकालने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि किसी एक आपूर्तिकर्ता पर निर्भरता कम की जा सके। वे रीसाइकल होने वाली सामग्रियों को एक देश से दूसरे देश भेजने की प्रक्रिया को और सरल बनाने के तरीकों पर भी विचार करेंगे। समुद्री सहयोग के तहत, चारों देशों के प्रतिनिधियों ने 25 सितंबर से 7 अक्तूबर के बीच चेन्नई से पर्थ तक भारतीय तटरक्षक बल के एक गश्ती जहाज पर यात्रा की।

क्या है क्वाड

क्वाड में भारत, अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया शामिल हैं। इनका सहयोग समुद्री और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक समृद्धि, महत्वपूर्ण व उभरती प्रौद्योगिकियों, तथा मानवीय सहायता और आपातकालीन प्रतिक्रिया जैसे क्षेत्रों में फैला हुआ है।

इसके साथ ही विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि भारत ने जी20 को बताया कि ऊर्जा आपूर्ति का राजनीतिकरण बहुत हानिकारक है। ऊर्जा की कमी का सबसे बुरा असर ग्लोबल साउथ (विकासशील देशों) पर पड़ रहा है। उन्होंने जी20 समूह से इस समस्या को समझने और स्वीकार करने का आग्रह किया। अटलांटा में जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद, भारतीय पत्रकारों के एक समूह से बात करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने इस बैठक को बहुत ही सार्थक, बहुत खुली और काफी जीवंत जी20 बैठक बताया।

ईरान की होर्मुज को खोलने पर कतर से वार्ता, कहा- अमेरिका पहले शर्त माने



तेहरान (ईरान)

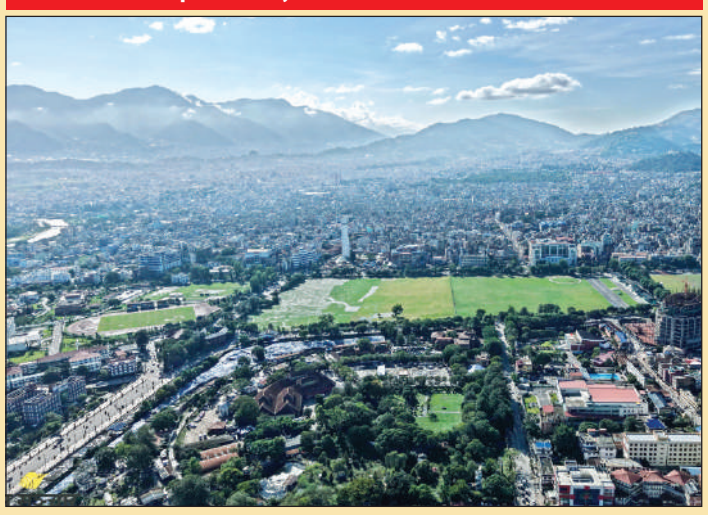
मध्य पूर्व में तनाव का प्रमुख कारण बन चुके होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने को लेकर कतर के मध्यस्थों के साथ ईरान के शीर्ष नेताओं की बातचीत चल रही है।

ईरान ने कतर को साफ कर दिया है कि अमेरिका को पहले उसकी शर्तें मानने को तैयार होना होगा। ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अगर अमेरिका अगर शर्तें मान लेता है तो होर्मुज जलडमरूमध्य को दो दिन में फिर से खोल दिया जाएगा।

अल जजीरा और इरना की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची ने कतरी मध्यस्थों के चल रही बातचीत की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को दो दिन में फिर से खोलने की योजना को अंतिम रूप दे दिया गया है। इसके लिए सिर्फ एक शर्त है कि अमेरिका को उनकी सभी मांगें माननी होंगी। उधर, ईरान के सुरक्षा प्रमुख मोहसेन रेजाई का कहना है कि उन्होंने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के पत्र को देखा है। इसके अध्ययन से साफ है कि वाशिंगटन के रुख में पूरी तरह से बदलाव आया है। उन्होंने इस बदलाव को एक सकारात्मक संकेत बताया है।

इस बीच ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अपने सैन्य कमांडरों को निर्देश दिया है कि वे अमेरिका और इजराइल की ओर से आने वाले किसी भी संभावित खतरे का बिना किसी भौगोलिक सीमा के, तत्काल और प्रभावी जवाब दें। सशस्त्र बलों के चीफ आफ स्टाफ मेजर जनरल अली अब्दुल्लाही ने कहा कि खामेनेई के निर्देश के बाद ईरानी बल तैयार हैं। मेजर जनरल अब्दुल्लाही ने बताया कि कमांडर-इन-चीफ अयातुल्ला सैयद मोजतबा हुसैनी खामेनेई के वरिष्ठ सैन्य कमांडरों को दिए गए आदेश के बाद ईरानी सशस्त्र बलों ने अपने एजेंडे में दुश्मन के ठिकानों और संपत्तियों की एक नई सूची शामिल की है। उन्होंने कहा कि इस्लामिक क्रांति के नेता का समझदारी भरा और निर्णायक नेतृत्व सशस्त्र बलों के कमांडरों और सभी सदस्यों के लिए एक मार्गदर्शक की तरह है। अब्दुल्लाही ने कहा कि सशस्त्र बल किसी भी तरह की आक्रामकता का सामना करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अपने कमांडर-इन-चीफ और देश को भरोसा दिलाया कि वे अंतिम सांस तक देश की रक्षा के लिए अडिग खड़े रहेंगे।

चक्रवात अर्नब पड़ा कमजोर, नेपाल में मौसम धीरे-धीरे हो रहा सामान्य



काठमांडू। पश्चिमी नेपाल के आसपास स्थित कम दबाव वाले क्षेत्र का प्रभाव कमजोर पड़ रहा है। यह क्षेत्र चक्रवात अर्नब का अवशेष है। इसके प्रभाव में कमी आने के साथ ही मौसम में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। मौसम पूर्वानुमान महाशाखा के अनुसार, फिलहाल लुम्बिनी प्रदेश सहित देश के पहाड़ी और हिमालयी क्षेत्रों में आमतौर पर बादल छाए हुए हैं, जबकि देश के बाकी हिस्सों में आंशिक रूप से बादल लगे हैं। बागमती, गंडकी, लुम्बिनी और कर्णाली प्रदेश के कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो रही है। महाशाखा के मुताबिक, देशभर में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। हिमालयी और पहाड़ी क्षेत्रों के एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है। देशभर में मौसम आंशिक रूप से बादलयुक्त रहेगा। गंडकी, कर्णाली और सुदूरपश्चिम प्रदेश के हिमालयी और पहाड़ी क्षेत्रों के एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश और बर्फबारी होने की संभावना है।

इस्राइल जनादेश : पीएम चुनने का विधेयक ला सकता है विपक्षी दल, बदू महिलाओं ने कैसे पलटा नेतन्याहू का चुनावी पासा

यरूशलम



उम्म खालिद फतून पिछले साल युद्ध पीड़ितों के लिए बने एक यहूदी-अरब सहायता केंद्र में स्वयंसेवा करके लौटीं तो उन्होंने देखा कि बुलडोजर अजारनुग गांव में उनके बेटे के घर को ढहा रहे थे। पुलिस की निगरानी में आई टीम ने घर पर बुलडोजर चलाने से पहले फर्नीचर या सोलर पैनल तक हटाने का मौका नहीं दिया।

अब, इस हफ्ते जब फतून को मौका मिला तो उन्होंने अपनी नाराजगी का जवाब इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सत्तारूढ़ गठबंधन के खिलाफ मतदान करके दिया। उनका सीधा निशाना राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री बेन-ग्विर थे जिन्होंने फलस्तीनी और अरब समुदाय के लोगों के घरों को व्यापक स्तर पर ढहाने का आदेश दिया था। फतून कहती हैं, बेन-ग्विर को सत्ता से बाहर करना ही मेरा एकमात्र मकसद था। बदू समुदाय में ऐसा एक भी परिवार नहीं है जो हमारे खिलाफ उसके अभियानों से पीड़ित न हुआ हो। चुनाव से कुछ हफ्ते पहले फतून ने बदू महिलाओं को उनके अधिकारों और राजनीतिक ताकत के प्रति जागरूक करने के लिए जमीनी स्तर पर बाकायादा अभियान शुरू किया। इसके शानदार नतीजे भी दिखे, और चुनाव में दक्षिणी नेगेव इलाके के कुछ बदू गांवों में मतदान प्रतिशत तीन गुना तक बढ़ गया।

हमें अपने हर वोट की ताकत झोंकनी होगी - अल-नश्मियात अभियान का नेतृत्व करने वाली वकील हनान अलसनाह ने कहा, वर्षों के हिंसक शासन ने इस रूढ़िवादी समुदाय में बदलाव का दरवाजा खोल दिया है। हमने महिलाओं से कहा कि भले सभी पुरुष वोट दें फिर भी समुदाय का आधा हिस्सा ही होंगे। आपको अपने हर वोट की ताकत चाहिए, क्योंकि बेन-ग्विर के पास बहुत ताकत है।

62% से 93% तक दर्ज की गईवोटिंग - बदू समुदाय इस्राइली संसद नेसेट में अरब पार्टियों को 19 सीटें दिलाकर किंगमेकर की भूमिका में ला दिया। बदू समुदाय में सबसे कम मतदान 62% रहा, जबकि सबसे ज्यादा मतदान 93% दर्ज किया गया। उनके उत्साह से ही रअाम पार्टी को चुनावी अनुमानों से काफी अधिक सफलता मिली।

विपक्षी दल सीधे पीएम चुनने का ला सकता है विधेयक - इस्राइल में सरकार गठन में राजनीतिक गतिरोध को तोड़ने के लिए विपक्षी गुट अरब पार्टियों के समर्थन पर निर्भर रहे बिना अल्पमत सरकार बनाने के लिए सीधे प्रधानमंत्री चुनने से संबंधित विधेयक लाने पर विचार कर रहा है। टाइम्स आफ इस्राइल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह प्रस्ताव लागू होने पर मतदाता सरकार से अलग सीधे पीएम पद के लिए वोट डाल सकेंगे।

ईरान पर नए सैन्य हमले की तैयारी: डोनाल्ड ट्रंप ने नेतन्याहू से फोन पर की बात, संभावित कार्रवाई की चर्चा

वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बातचीत की। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है, जब वाशिंगटन ईरान के खिलाफ नए सिरे से सैन्य कार्रवाई की संभावनाओं का आकलन कर रहा है। द वाल स्ट्रीट जर्नल ने इस बातचीत से परिचित सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है।

क्या ईरान पर हमला करेगा अमेरिका - अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, इस सप्ताह की शुरुआत में व्हाइट हाउस में हुई एक बैठक के बाद दोनों नेताओं के बीच यह बातचीत हुई। इस बैठक में ट्रंप ने वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान दोबारा शुरू करने के संभावित विकल्पों पर चर्चा की थी। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर विभिन्न रणनीतिक विकल्पों पर विचार कर रहा है। हालांकि, बातचीत में किन मुद्दों पर विस्तार से



चर्चा हुई और किसी सैन्य कार्रवाई को लेकर क्या फैसला लिया गया, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ईरान के साथ कूटनीतिक बातचीत लगातार जारी है और इसमें कोई रुकावट नहीं आई है। हालांकि, उन्होंने बातचीत की समयसीमा या अब तक हुई प्रगति के बारे में कुछ भी बताने से इनकार किया। रुबियो ने यह भी स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ आगे सैन्य कार्रवाई को लेकर अभी कोई फैसला नहीं लिया है।

विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने क्या कहा - जार्जिया में जी-20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के समापन पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए रुबियो ने कहा कि अमेरिका अब भी ऐसे कूटनीतिक समाधान के लिए तैयार है, जो उसकी बुनियादी सुरक्षा चिंताओं को दूर कर सके। उन्होंने ईरान पर वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाकर समुद्री क्षेत्र में आक्रामक गतिविधियां करने और मध्य पूर्व में अस्थिरता फैलाने वाले सशस्त्र समूहों का समर्थन करने का आरोप भी लगाया।

रुबियो ने कहा, कई स्तरों पर बातचीत चल रही है और यह कभी रुकी ही नहीं। कुछ मामलों में सीधे तौर पर, जबकि ज्यादातर मामलों में मध्यस्थों के जरिए सक्रिय बातचीत हो रही है। अमेरिकी विदेश मंत्री से पूछा गया था कि सैन्य अभियान दोबारा शुरू करने से पहले वाशिंगटन कूटनीतिक प्रयासों को कितना समय देना चाहता है। इस पर उन्होंने कहा कि बातचीत की समयसीमा तय करने का अधिकार केवल राष्ट्रपति के पास है। उन्होंने यह बताने से भी परहेज किया कि किसी अंतिम समझौते के करीब पहुंचा जा चुका है या नहीं। रुबियो ने कहा, मैं न तो इन वार्ताओं की प्रगति पर कोई टिप्पणी करूंगा और न ही इनकी समयसीमा बताऊंगा। हालांकि, इतना जरूर कह सकता हूं कि अगर कोई कूटनीतिक समाधान निकलता है तो अमेरिका इसके लिए तैयार रहेगा।

राष्ट्रीय सुरक्षा हितों पर क्या बोला अमेरिका - रुबियो ने जोर देकर कहा कि किसी भी समझौते में अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा हितों की रक्षा होनी चाहिए। साथ ही, उन चिंताओं का समाधान भी जरूरी है, जिनकी वजह से मौजूदा संकट पैदा हुआ है। उन्होंने ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं और क्षेत्रीय सशस्त्र समूहों को उसके समर्थन को अमेरिका की प्रमुख चिंताओं में शामिल बताया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने जीवन-साथी की उपलब्धियों की सराहना करें और उसकी सफलता और ख़ुशक़िस्मती का जश्न मनाएँ। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं , काम के बाद आपके सहकर्मी आपको किसी छोटे घरेलू उत्सव पर आमंत्रित कर सकते हैं। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं। लेकिन फिर आपको महसूस होगा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। जीवनसाथी के साथ अपने रिश्तों में तनाव दूर करने के लिए अच्छा दिन है। हालात ठीक करने की ज़िम्मेदारी अपने कंधों पर लें और सकारात्मक तौर पर पहल करें। आपका आत्मविश्वास आपकी पेशेवर ज़िंदगी में ख़ास असर छोड़ेगा। यह दूसरों को आपका नज़रिया समझाने और उनकी मदद हासिल करने में कारगर रहेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं- लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं- या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। बच्चे आपको घरेलू काम-काज निबटाने में मदद करेंगे। आपका प्रेमी आज आपकी बातों को सुनने से ज्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा जिसकी वजह से आप थोड़े खिन्न हो सकते हैं। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। ऑफिस से जल्दी घर जाने का प्लान आज आप ऑफिस पहुंचकर ही कर सकते हैं। घर पहुंचकर आप किसी पार्क में परिवार के लोगों के साथ जाने का प्लान बना सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। अपने प्रिय की छोटी-मोटी भूल को अनदेखा करें। किसी के साथ नयी परियोजना या भागीदारी वाले व्यवसाय को शुरू करने से बचें। किसी भी स्थिति में आपको अपने समय का ख्याल रखना चाहिए , वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस-पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी-कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते रोमांस को दरकिनार होना पड़ सकता है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन किए गए दान-पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा ख़ासा धन खर्च करना पड़ सकता है। अपने प्रिय के लिए बदले की भावना से कुछ हासिल नहीं होगा- बजाय इसके आपको दिमाग़ शांत रखना चाहिए और अपने प्रिय को अपनी सच्चे जज़्बात से परिचित कराना चाहिए। प्रतिस्पर्धा के चलते काम-काज की अधिकता थकावट भरी हो सकती है। इस राशि के छात्र-छात्राएं आज अपने क़ीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। परिवार के लोगों से अपनी परेशानियां साझा करके आप हल्का महसूस करते हैं, लेकिन कई बार आप अपने अहम को आगे रखकर घर वालों को जरुरी बातें नहीं बताते। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए ऐसा करके परेशानी और भी बढ़ेगी कम नहीं होगी। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। देर शाम तक आपको कहीं दूर से कोई अच्छी ख़बर सुनने को मिल सकती है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शारीरिक तौर पर तंदुरुस्त रहने के लिए धूम्रपान की आदत छोड़ दें। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। दिल के करीबी लोगों के साथ आपका वक्त बिताने का मन करेगा लेकिन आप ऐसा कर पाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे। आप परिवार के साथ घूमने जा सकते हैं परिवार मे खुशी का माहौल रहेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली-भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। अपने जीवनसाथी के साथ आप आज एक शानदार शाम गुज़ार सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए अतिरिक्त सावधान रहने का दिन है। अगर आप लोन लेने वाले थे और काफी दिनों से इस काम में लगे थे तो आज के दिन आपको लोन मिल सकता है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं- साथ ही अपने साथी को अपना नज़रिया समझाने में भी तकलीफ़ महसूस होगी। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी - जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज किसी विपरीत लिंगी की मदद से आपको करोबार या नौकरी में आर्थिक लाभ होने की संभावना है। पारिवारिक सदस्य या जीवन-साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवनसाथी की ओर से जानबूझ कर भावनात्मक चोट मिल सकती है, जिसके चलते आप उदास हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार घर आ सकते हैं। आज किए गए निवेश काफ़ी फ़ायदेमन्द साबित होंगे, लेकिन आपको भागीदारों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद उत्साहवर्धक रहने वाला है।

आज का पंचांग

दिनांक : 02 नवंबर 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2083
मास : कार्तिक ,कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी दोपहर 01:12 तक
नक्षत्र : आश्लेषा रात्रि 03:47 तक
योग : शुभ दोपहर 12:06 तक
करण : कौलव दोपहर 01:12 तक
चन्द्रराशि : कर्क रात्रि 03:47 तक
सूर्योदय : 06:14 ,सूर्यास्त 05:44 (हैदराबाद)
सूर्योदय :06:13 , सूर्यास्त 05:52 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 05:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:05, सूर्यास्त 05:36 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

निजामाबाद में आईसीएआई शाखा का उद्घाटन

सीए सदस्यों और विद्यार्थियों को मिलेगी व्यावसायिक प्रशिक्षण, कौशल विकास एवं सतत शिक्षा की सुविधा

निजामाबाद, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रगति नगर, निजामाबाद स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की निजामाबाद शाखा का औपचारिक उद्घाटन 1 नवंबर 2026 को आईसीएआई के अखिल भारतीय अध्यक्ष सीए प्रसन्न कुमार डी द्वारा किया गया। यह अवसर निजामाबाद और आसपास के जिलों के चार्टर्ड अकाउंटेंसी समुदाय के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि साबित हुआ।



सीए समुदाय के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि

इस अवसर पर मीडिया को संबोधित करते हुए निजामाबाद शाखा के अध्यक्ष सीए फणी चक्रवर्ती ने कहा कि क्षेत्र में आईसीएआई की समर्पित शाखा की स्थापना चार्टर्ड अकाउंटेंट्स और सीए विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह शाखा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, ऑडिटिंग एवं टैक्सेशन पेशेवरों के साथ-साथ सीए विद्यार्थियों के लिए सतत व्यावसायिक शिक्षा, ज्ञान के आदान-प्रदान, कौशल विकास और व्यावसायिक उन्नति का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगी।

भविष्य में बनेगा स्वयं का भवन

सभा को संबोधित करते हुए आईसीएआई के अध्यक्ष सीए प्रसन्न कुमार डी ने शाखा के विकास और बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि निरंतर विकास और निर्धारित शर्तों को पूरा करने के साथ शाखा भविष्य में अपनी जमीन हासिल कर एक समर्पित भवन के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ सकती है।

उन्होंने बताया कि एक विकसित शाखा सीए सदस्यों और विद्यार्थियों को कई अवसर एवं सुविधाएं प्रदान करेगी। इनमें आईटीटी प्रशिक्षण कार्यक्रम, जीएमसीएस प्रशिक्षण, सतत व्यावसायिक शिक्षा (सीपीई) कार्यक्रम, व्यावसायिक विकास संबंधी पहल तथा विभिन्न विशेष पाठ्यक्रम शामिल हैं। इन सुविधाओं से व्यावसायिक दक्षता बढ़ाने, विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देने और क्षेत्र के सीए समुदाय के लिए बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

विशिष्ट अतिथियों का सम्मान

इस अवसर पर आईसीएआई अध्यक्ष सीए प्रसन्न कुमार डी तथा विशिष्ट अतिथियों सीए सुब्बा राव मुप्पाला, सीए भानु नारायण, सीए वाई. तिरुपतैया, सीए सुनील मंडावा और सीए दीपक लड्ढा को उनकी गरिमामयी उपस्थिति एवं पेशे के प्रति मूल्यवान योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में निजामाबाद शाखा की आईसीएआई प्रबंध समिति के सदस्य सीए राजेश बांग, सीए महेश जाजू, सीए श्रीकांत झावर, सीए गोविंद मुंदड़ा, सीए प्रवीण और सीए विनोद उपस्थित थे। सीए शैलेश एवं सीए स्मिता शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

कई जिलों के सीए हुए शामिल

उद्घाटन समारोह में निजामाबाद, करीमनगर, आर्मूर और कामारेड्डी के वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने भी भाग लिया। इससे यह आयोजन सीए समुदाय के एक यादगार समागम के रूप में सामने आया।

निजामाबाद चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, टैक्स बार एसोसिएशन के सदस्यों के साथ-साथ विभिन्न व्यावसायिक, व्यापारिक एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी समारोह में शामिल होकर अपना समर्थन दिया। उनकी उपस्थिति स्थानीय व्यावसायिक एवं व्यापारिक समुदाय के उत्साह और सहयोग को दर्शाती है।

व्यावसायिक विकास को मिलेगी नई दिशा

निजामाबाद आईसीएआई शाखा का उद्घाटन क्षेत्र के चार्टर्ड अकाउंटेंसी समुदाय के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत है। इस शाखा से व्यावसायिक उत्कृष्टता को बढ़ावा मिलने, विद्यार्थियों के विकास को मजबूती मिलने, सतत शिक्षा को प्रोत्साहन मिलने तथा भावी चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के लिए नए अवसर सृजित होने की उम्मीद है।

श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाई गई श्री गुरु रामदासजी महाराज की 492वीं जयंती

हैदराबाद, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिख धर्म के चौथे गुरु श्री गुरु रामदासजी महाराज की 492वीं पावन जयंती रविवार को रहमत नगर स्थित महमूद फंक्शन हॉल में श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम सुबह 11 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक आयोजित किया गया।



इस पावन अवसर पर भाजपा तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष श्री एन. रामचंदर राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और संगत को संबोधित किया। उनके साथ समाज के अनेक गणमान्य नागरिक, धार्मिक प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।समारोह में श्री गुरु रामदासजी महाराज के जीवन, शिक्षाओं एवं आध्यात्मिक विरासत पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि गुरुजी ने मानव समाज को करुणा, समानता, विनम्रता, निस्वार्थ सेवा और मानवता के शाश्वत मूल्यों का मार्ग दिखाया। उनके डरा स्थापित अमृतसर और हरमंदिर साहिब आज भी सेवा, समर्पण और आध्यात्मिकता के प्रतीक हैं।

समारोह का शुभारंभ भक्तिमय शबद कीर्तन से हुआ, जिससे पूरा वातावरण गुरुभक्ति से सराबोर हो गया। इसके पश्चात धार्मिक प्रवचनों के माध्यम से गुरुजी की शिक्षाओं एवं उपदेशों को वर्तमान जीवन में अपनाने पर बल दिया गया।

दोपहर 4:30 बजे गुरुद्वारा साहिब श्री गुरु रामदासजी, रहमत नगर से भव्य नगर कीर्तन निकाला गया। पांच प्यारों की अगुवाई में निकले इस नगर कीर्तन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस दौरान मबोले सो निहाल, सत श्री अकालफके जयकारों से वातावरण गूंज उठा। नगर कीर्तन के मार्ग में जगह-जगह संगत की ओर से लंगर एवं शरबत की सेवा की गई।इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, तेलंगाना के अध्यक्ष श्री जगमोहन सिंहजी ने कहा कि श्री गुरु रामदासजी महाराज का जीवन हमें सिखाता है कि सच्ची भक्ति सेवा में निहित है। उनका संदेश आज भी प्रासंगिक है और हमें भाईचारे, शांति एवं सामाजिक समरसता की ओर प्रेरित करता है।उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में एकता, सद्भाव और आपसी सम्मान की भावना को मजबूत करते हैं। नई पीढ़ी को गुरुजी के आदर्शों एवं शिक्षाओं से जोड़ना आवश्यक है।कार्यक्रम में उपस्थित संगत ने सामूहिक अरदास कर देश, समाज और समस्त मानवता की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। पूरे आयोजन में आस्था, भाईचारे और सांप्रदायिक सद्भाव की भावना देखने को मिली। समारोह के अंत में सभी श्रद्धालुओं के लिए गुरु का लंगर आयोजित किया गया।

सामूहिक प्रयासों से मिट रही भूख, चेहरों पर लौट रही मुस्कान : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में रविवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि सामूहिक प्रयास और सेवा भावना से आज जरूरतमंद एवं भूखे लोगों की भूख मिटाने का पुनीत कार्य निरंतर किया जा रहा है। हमारा छोटा-सा प्रयास जब किसी भूखे व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराता है, तो उसके चेहरे पर आने वाली मुस्कान ही हमारे लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है। उन्होंने कहा कि सेवा का वास्तविक आनंद दूसरों के जीवन में खुशियां लाने में है। समाज में अनेक ऐसे लोग हैं, जिन्हें दो वक्त का भोजन भी सहजता से उपलब्ध नहीं हो पाता। ऐसे जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुंचाना केवल सामाजिक दायित्व ही नहीं, बल्कि मानवता के प्रति हमारी सच्ची जिम्मेदारी भी है। जब समाज के लोग मिलकर निस्वार्थ भाव से सेवा का संकल्प लेते हैं, तो छोटा-सा प्रयास भी बड़े बदलाव का माध्यम बन जाता है।उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल अन्नसेवा करना ही नहीं, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और समर्पण की भावना को मजबूत करना है। मानव सेवा ही ईश्वर की सच्ची आराधना है और किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाना ही सेवा की सबसे बड़ी सार्थकता है।



कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, कमल मूंदड़ा एवं बजरंग लाल शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। सभी ने सेवा कार्य में सहयोग करते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प व्यक्त किया।

जलैया के परिवार को न्याय दिलाने की मांग

दुर्घटना में मौत पर तेलंगाना राज्याधिकारी पार्टी ने जताया शोक



मदनूर, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुक्कल निर्वाचन क्षेत्र के जुक्कल मंडल अंतर्गत बसवापुर गांव निवासी जलैया गारू की मोहम्मदाबाद के पास रेत से भरे ट्रैक्टर की चपेट में आने से हुई सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई। इस दुखद घटना पर तेलंगाना राज्याधिकारी पार्टी के नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत जलैया के परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं।

घटना की जानकारी मिलते ही तेलंगाना राज्याधिकारी पार्टी के संस्थापक नेता एवं विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) तीनमार मल्लाना के निर्देशानुसार पार्टी के नेताओं ने जलैया के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और परिवार के दुख में शामिल हुए। इस अवसर पर राजू मुदिराजु गारू ने मांग की कि जुक्कल निर्वाचन क्षेत्र के विधायक पीड़ित परिवार के हित में तत्काल आवश्यक कार्रवाई करें। उन्होंने राज्य सरकार से पीड़ित परिवार को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, एक इंदिराम्मा आवास तथा अन्य आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करने का अनुरोध किया।

राजू मुदिराजु गारू ने कहा कि यदि पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिला और सरकार की ओर से उचित सहायता प्रदान नहीं की गई, तो आने वाले दिनों में जुक्कल की जनता क्षेत्र के विधायक को सबक सिखाएगी। उन्होंने इस घटना को बेहद दुखद बताते हुए पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की। पार्टी नेताओं ने दिवंगत जलैया के परिवार को भरोसा दिलाया कि इस कठिन समय में वे उनके साथ खड़े हैं और परिवार को उचित न्याय एवं सरकारी सहायता दिलाने के लिए प्रयास जारी रखेंगे।

मतदान धांधली के विरोध में रामलीला मैदान पहुंचे पेद्दापल्ली संसदीय क्षेत्र के कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता



पेद्दापल्ली, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली संसदीय क्षेत्र के कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि मतदान में कथित धांधली के विरोध तथा लोकतंत्र की रक्षा के लिए दिल्ली पहुंच गए। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आह्वान पर 1 नवंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित विशाल विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के लिए चेन्नूर, बेल्लमपल्ली और पेद्दापल्ली क्षेत्रों के कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

इस अवसर पर पेद्दापल्ली के सांसद गद्दम वामसी कृष्णा के आवास पर तेलंगाना के राज्य मंत्री डॉ. गद्दाम विवेक वेंकटस्वामी, बेल्लमपल्ली के विधायक गद्दाम विनोद वेंकटस्वामी और सांसद गद्दाम वामसी कृष्णा ने मुलाकात की। इसके बाद सांसद वामसी कृष्णा के आवास से मंत्री गद्दाम विवेक वेंकटस्वामी, विधायक गद्दाम विनोद वेंकटस्वामी और सांसद वामसी कृष्णा के साथ चेन्नूर एवं बेल्लमपल्ली निर्वाचन क्षेत्रों के कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि विशाल रैली के रूप में रामलीला मैदान के लिए रवाना हुए। मुख्यमंत्री एनुमुला रेवंत रेड्डी तथा तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य महेश कुमार गौड़ के नेतृत्व में आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।कांग्रेस पार्टी जनता के मताधिकार की रक्षा, संवैधानिक मूल्यों की सुरक्षा और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से अपना संघर्ष जारी रखे हुए है। पार्टी कार्यकर्ता दिल्ली में मतदान के अधिकार एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए अपनी आवाज बुलंद करेंगे।कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मताधिकार की रक्षा, संविधान की सुरक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनता के मतदान के अधिकार एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए संघर्ष जारी रहेगा।

जोगिनी की हत्या कर सोना, 10 लाख नकद और कार लूटी



पेद्दापल्ली, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। यादाद्री भुवनगिरी जिले के चौटुप्पल में आधी रात को अज्ञात हमलावरों ने रॉड्बांडी सुधाकर की बेरहमी से हत्या कर दी। सुधाकर को जोगिनी के नाम से जाना जाता था। हत्या के बाद हमलावरों ने घर में बड़े पैमाने पर लूटपाट की और कीमती सामान लेकर फरार हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हमलावरों ने घर से लगभग 60 तोला सोना और 10 लाख रुपये नकद चुरा लिए। इसके अलावा सुधाकर की कार भी अपने साथ ले गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। जांच टीम घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य जुटा रही है। पुलिस अज्ञात हमलावरों की तलाश में जुटी हुई है।

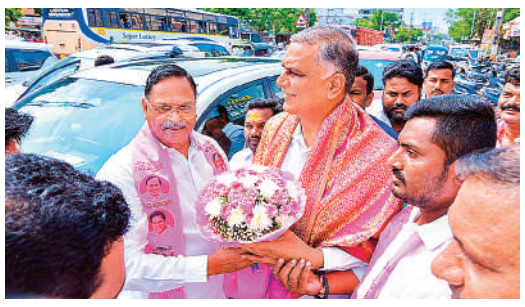
सांसद वमसी कृष्णा ने धरने में लिया हिस्सा



पेद्दापल्ली, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली के सांसद गद्दाम वामसी कृष्णा ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित विशाल धरने में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस दौरान पूरा मैदान वोट चोर-गद्दी चोर के नारों से गूंज उठा।

सांसद गद्दाम वामसी कृष्णा ने देशभर के विभिन्न राज्यों से पहुंचे सांसदों, मंत्रियों, विधायकों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश के सभी राज्यों से जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में रामलीला मैदान पहुंचे हैं और केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ एकजुट होकर धरने में भाग ले रहे हैं। उन्होंने अन्य नेताओं के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया तथा लोकतंत्र की रक्षा के उद्देश्य से वोट चोर-गद्दी चोर जैसे नारे लगाए। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में नेताओं और लोगों का सड़कों पर उतरना देशभर में जनविरोधी नीतियों के खिलाफ फैले आक्रोश का प्रमाण है। सांसद गद्दाम वामसी कृष्णा ने स्पष्ट किया कि लोगों के मतदान के अधिकार और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए उनका संघर्ष जारी रहेगा।

पेद्दापल्ली में हरीश राव का बीआरएस नेताओं ने किया भव्य अभिनंदन



पेद्दापल्ली, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली बस स्टैंड पर रविवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पार्टी के उपनेता एवं पूर्व मंत्री तन्निरु हरीश राव का पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया।

बीआरएस के पेद्दापल्ली विधानसभा क्षेत्र प्रभारी एवं पूर्व विधायक दासारी मनोहर रेड्डी के नेतृत्व में पार्टी नेताओं ने हरीश राव का गर्मजोशी से अभिनंदन किया। इस अवसर पर उन्हें शॉल ओढ़ाकर एवं फूलों का गुलदस्ता भेंटकर सम्मानित किया गया।

इसके बाद हरीश राव ने स्थानीय बीआरएस नेताओं का नाम लेकर अभिवादन किया और उनका हालचाल जाना। उनसे मिलने पहुंचे पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने भी उत्साहपूर्वक उनका अभिनंदन किया।

इस कार्यक्रम में बीआरएस के स्थानीय नेता, जनप्रतिनिधि, पार्टी कार्यकर्ता एवं अन्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

समृद्धिदात्री मां श्री लक्ष्मी

मां लक्ष्मी भौतिक और आंतरिक सुखों को देने वाली देवी हैं। उनकी कृपा होने पर किसी प्रकार का कष्ट शेष नहीं रहता...



लक्ष्मी विष्णु भगवान की माया हैं तथा सदैव उनके चरणों में ही विराजती हैं। बिना विष्णु भगवान के लक्ष्मी का वास नहीं हो सकता। अतः लक्ष्मी जी का पूजन सदैव विष्णु के साथ ही करना चाहिए।



मां लक्ष्मी के एक मुख व चार हाथ है। वह एक लक्ष्य और चार प्रकृतियों (दूरदर्शिता, दृढ़ संकल्प, श्रमशीलता एवं व्यवस्था शक्ति) की प्रतीक हैं।

लक्ष्मी माता जहां भौतिक सम्पत्ति प्रदान करने वाली देवी हैं, वहीं आंतरिक सम्पत्ति जैसे सौहार्द, उत्साह, प्रेम, करुणा, रसिकता और सौन्दर्य की भी अधिष्ठात्री देवी हैं। देवताओं और असुरों ने जब सागर मंथन किया, तो चौदह रत्नों में से एक लक्ष्मी भी प्राप्त हुईं। उनके अनुपम गुणों, सौन्दर्य और कान्ति के कारण सुरासुर सभी लक्ष्मी जी पर मोहित हो गए। उन्होंने लक्ष्मी को विविध प्रकार की भेंट दीं। परंतु लक्ष्मी ने सर्वगुण संपन्न विष्णु का वरण किया। अत: वह हरिप्रिया, विष्णुप्रिया, श्री, इंदिरा आदि नामों से प्रसिद्ध हुईं। उमा, राधा और तुलसी के रूप में भी लक्ष्मी के अवतार क्रमश: शिव, कृष्ण और शालिग्राम की अर्धांगिनी के रूप में हुए। लक्ष्मी परमतत्व परमात्मा की एक विलक्षण शक्ति हैं। परमात्मा की सत, रज और तम रूपा तीन शक्तियां क्रमश: सरस्वती, महालक्ष्मी और महाकाली के रूपों में हैं। महालक्ष्मी प्रवर्तक शक्ति है। अत: प्राणियों में आकर्षण, लोभ और आसक्ति उत्पन्न करती हैं।

महालक्ष्मी का स्वरूप

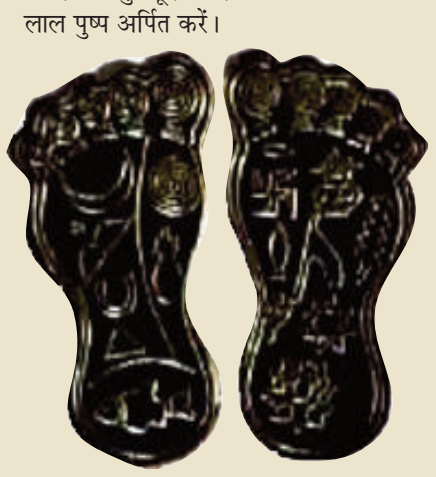
महालक्ष्मी कंचनवर्ण, अतिसुंदरी और अक्षत भग (चिरयौवना) हैं। लक्ष्मी जी को प्रतिमाओं में भी द्विभुजी और चर्तुभुजी स्वरूप में दिखाया गया है। द्विभुजा लक्ष्मी के हाथों में शंख, पद्म तथा चतुर्भुजा लक्ष्मी के हाथों में शंख, पदम, घट और बिल्वफल रहते हैं, जो क्रमश: जयघोष, पदम सौंदर्य अनासक्ति का, घट आनन्द का तथा बिल्वफल भोग का प्रतीक माना गया है। लक्ष्मी जी कमल के पुष्प पर बैठती हैं, जो कोमलता व सुंदरता का प्रतीक है। इनके वाहन गरुड़ तथा उलूक हैं। सम्पूर्ण जगत लक्ष्मी जी द्वारा ही चलायमान है। जिन पर लक्ष्मी माता की कृपा होती है, वह दरिद्र, दुर्बल, असंतुष्ट नहीं रहता। लक्ष्मी को स्वच्छता व सुव्यवस्था प्रिय है। अपवित्र स्थानों पर लक्ष्मी कदापि वास नहीं करतीं। लक्ष्मी के एक मुख व चार हाथ हैं। वह एक लक्ष्य और चार प्रकृतियों (दूरदर्शिता, दृढ़ संकल्प, श्रमशीलता एवं व्यवस्था शक्ति) की प्रतीक हैं। वाहन उलूक निर्भीकता एवं रात्रि में भी देखने की क्षमता का प्रतीक है। लक्ष्मी का जल अभिषेक करने वाले गजराजों को परिश्रम और मनोयोग कहते हैं। उनका लक्ष्मी के साथ अविच्छिन्न संबंध है। यह युग्म जहां भी रहेगा, वहां वैभव की कमी नहीं रहेगी।

लक्ष्मी-इन्द्र-कुबेर-योग

लक्ष्मी जी चंचल रूपा हैं। एक स्थान पर ज्यादा समय तक नहीं टिकतीं। ज्योतिष के अनुसार, इनके स्थिर वास के लिए लक्ष्मी-इंद्र-कुबेर योग में इनकी आराधना करनी चाहिए। कोई भी महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न करवाने के लिए यह शुभ समय माना जाता है। लक्ष्मी-इन्द्र-कुबेर-योग कार्तिक मास की अमावस्या तिथि को बनता है।

कैसे करें मां को प्रसन्न

- लक्ष्मी समुद्र से उत्पन्न हैं। समुद्र से उत्पन्न दक्षिणावर्ती शंख, मोती शंख, कुबेर पात्र, गोमती चक्र आदि उनके भाई-बंधुओं का लक्ष्मी पूजन के साथ पूजन करने से वह अति प्रसन्न होकर साधक पर कृपा करती हैं।
- लक्ष्मी पूजन के पश्चात अन्य देवताओं की भांति इनकी आरती उतारने की बजाय श्रीसूक्त अथवा लक्ष्मी सूक्त का जाप करके अपने घर में स्थिर रूप में वास करने की प्रार्थना करें।
- सदाचार का पालन करें तथा मन में उदारता बनाए रखें। दुराचारी के यहां लक्ष्मी का वास ज़्यादा देर तक नहीं होता। सदाचार का त्याग करने के कारण ही पाताल के राजा बलि के घर से लक्ष्मी स्वर्ग लोक को प्रस्थान कर गई थीं।
- लक्ष्मी के स्थिर वास के लिए अपने ऑफिस में लाल कपड़े में हल्दी की एक गांठ, तांबे का एक सिक्का, सफेद सरसों, एक मुट्ठी चावल बांधकर किसी दीवार पर टांग दें। इससे कारोबार में वृद्धि होती है। कारोबारी मुश्किलों का समाधान होता है।
- लक्ष्मी पूजन करने से पहले शंख बजाएं। पूजन के पश्चात शंख में रखा जल सारे घर में छिड़क दें। थोड़ा चरणामृत भी लें। शंख बजाने से घर में सकारात्मक उर्जा प्रवाहित होती है। इससे रोग, शोक घर से दूर जाते हैं।
- लक्ष्मी विष्णु भगवान की माया हैं तथा सदैव उनके चरणों में ही विराजती हैं। बिना विष्णु भगवान के लक्ष्मी का वास नहीं हो सकता। अत: लक्ष्मी जी का पूजन सदैव विष्णु के साथ ही करना चाहिए।
- लक्ष्मी स्तोत्र का पाठ नित्य करने से घर में लक्ष्मी व सुख सम्पदा का आगमन होता है। लक्ष्मी पूजन के दौरान खुशबूदार पदार्थों का प्रयोग करें तथा लाल पुष्प अर्पित करें।



श्रीयंत्र की पूजा क्यों करते है?

वेदों के अनुसार श्रीयंत्र में तैंतीस करोड़ देवताओं का वास होता है। कलियुग में श्रीयंत्र को कामधेनु के समान माना गया है। इसके मंत्रसिद्ध होने पर सभी प्रकार की श्री अर्थात चारों पुरुषार्थ की प्राप्ति होती है। इस यंत्र में वास्तुदोष निवारण की अद्‌भुत क्षमता है। इसमें ब्रह्मांड की उत्पत्ति और विकास का भी प्रदर्शन है।

सर्वप्रथम गणेश पूजन क्यों?



गणेशजी को विघ्नहर्ता और रिद्धि-सिद्धि का स्वामी माना गया है। इनके स्मरण, ध्यान, जप और पूजन से समस्त कामनाओं की पूर्ति होती है। ये बुद्धि के अधिष्ठाता, साक्षात प्रणव स्वरूप और शीघ्र प्रसन्न होने वाले देवता हैं। यही कारण है कि शुभ कार्यों में सर्वप्रथम गणेशजी का पूजन किया जाता है। इसी आधार पर भारतीय समाज में एक उक्ति भी प्रचलित हो गई। जब किसी कार्य को आरंभ किया जाता है तो प्राय: कहा जाता है कि 'कार्य का श्रीगणेश हो गया है।' किसी भी शुभ कार्य को शुरू करते समय 'श्री गणेशाय नम:' का उच्चारण करते हुए निम्न मंत्र का उच्चारण किया जाता है- **वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ:। निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्व कार्येषु सर्वदा।**

कब चमकेंगे सफलता के सितारे

कई बार जीवन में अवसर आते है, चाँस मिलता है मगर बेस्ट परफार्म करने के बाद भी या तो वह मौका हाथ से निकल जाता है या फिर उस कार्य में तकलीफें ही आती-जाती है। ऐसी स्थिति बार-बार उत्पन्न होने पर किसी का भी डिप्रैस होना स्वाभाविक है और युवा जिनके लिए जीवन का एक-एक क्षण कीमती होता है, इस डिफिट के चलते नेगेटिव सोच के शिकार होकर डिप्रेशन के अंधेरे में चले जाते हैं।

आइए देखें, ग्रहों की इसमें क्या भूमिका है।

जब कुंडली में कहीं भी शनि-मंगल, राहु-मंगल, राहु-शनि, शनि-केतु जैसी युति-प्रतियुति हो तो ये जीवन में अनसर्टेनिटी का निर्माण कर देती है। आपके फोकस को कम करती है और कई बार गलत डिसीजन के चलते अच्छे-खासे मौके हाथ से फिसल जाते हैं।

इसके अलावा यदि लग्न का स्वामी ग्रह और चंद्रमा भी कमजोर हो, अस्त हो, शत्रु क्षेत्री हो तो स्थिति विकट हो जाती है। क्या करें : यदि कुंडली में ऐसे कुयोग है तो सबसे पहले स्वभाव में, वाणी में नम्रता व लचीलापन लाएँ। स्वयं को बेहिसाब संघर्ष के लिए तैयार रखें। खूब मेहनत और व्यायाम करने की आदल डालें। बड़ों का व स्त्री का भूल कर भी अपमान न करें। गुरु की शरण में रहें।

इनके अलावा इस कुयोग के उपाय यानि ग्रह-शांति, जप, दान करें। मुख्य ग्रह यानी लग्न के स्वामी और चंद्रमा की मजबूती के उपाय करें। फिर धैर्य के साथ आगे बढ़ते जाएँ।



जन्म नक्षत्र से जानिए कैसे हैं आप

धनवान तथा भाग्यवान होते हैं अश्विनी नक्षत्र वाले आकाश मंडल में तारों के समूह को नक्षत्र कहते हैं। हम देखते हैं कि तारों के समूह से कहीं अश्व, कहीं शकट, सर्प आदि के आकार बन जाते हैं। ये आकृतियां ही नक्षत्र हैं।

जिस प्रकार लोक व्यवहार में एक स्थान से दूसरे स्थान की दूरी मील, कोस या किलोमीटर में नापी जाती है। उसी प्रकार आकाश मंडल की दूसरी नक्षत्रों से ज्ञात की जाती है।

ज्योतिष शास्त्र में समस्त आकाश मंडल को 27 भागों में विभक्त कर प्रत्येक भाग का नाम एक-एक नक्षत्र रखा गया है।

सूक्ष्मता से समझाने के लिए प्रत्येक नक्षत्र के चार भाग किए गए हैं जो चरण कहलाते हैं। अभिजित को 28वां नक्षत्र माना गया है और इसका स्वामी ब्रह्मा को कहा गया है।

ज्योर्तिविदों का अभिमत है कि उत्तराषाढ़ा की अंतिम 15 घड़ीयां और श्रावण के प्रारंभ की चार घड़ीयां, इस प्रकार 19 घड़ीयों के मान वाला अभिजित नक्षत्र होता है। यह समस्त कार्यों में शुभ माना गया है।

आइए जानते हैं कैसे होते हैं अश्विनी नक्षत्र वाले :

शास्त्रों के अनुसार अश्विनी नक्षत्र में जन्म होने से मनुष्य सुंदर स्वरूप, स्थूल शरीर, अति बुद्धिमान, अति प्रज्ञा वाला, नम्रता सहित, सत्ययुक्त, सेवाभावी, कार्यों में पटु, सर्वजन प्रिय, धनवान तथा भाग्यवान होता है। यह संपूर्ण प्रकार की संपत्तियों को प्राप्त करने वाला, स्त्री और आभूषण तथा पुत्रादिर से संतोष प्राप्त करता है।

अश्विनी नक्षत्र में जन्म होने से जातक ईश्वर भक्त, चतुर, बुद्धिमानीपूर्ण कार्यों में प्रतिष्ठित, साम्यवादी, आभूषण एवं रत्नों का प्रेमी, जायदाद संबंधी मामलों से चिंताग्रस्त, क्रोधी, बड़े भाई न हों या भाई रोगग्रस्त हों, नेतृत्व प्रधान कार्यों में अभिरूचि, ज्योतिष, वैद्य, शास्त्रों में रुचि रखने वाले, भ्रमणप्रिय, चंचल प्रकृति तथा महत्वाकांक्षी विचारों के होते हैं।

इस नक्षत्र में जन्म होने पर जन्म राशि मेष तथा राशि स्वामी मंगल होगा। अवकहड़ा चक्र के अनुसार जातक का वर्ण क्षत्रिय, वश्य चतुष्पद, योनि अश्व, महावैर योनि महिष, गण देव तथा नाड़ी आदि है।

सातवें भाव में छुपा है जीवनसाथी का राज

किसी भी कन्या कीकुंडली के सातवें भाव से उसके होने वाले जीवनसाथी का विचार किया जा सकता है। युवतियों में अक्सर यह जिज्ञासा रहती है कि उनकी शादी कैसे होगी, उनका पति कैसा होगा और उसके साथ उनका तालमेल कैसा रहेगा? यहां पेश है कुछ मूलभूत जानकारी कुंडली के सातवें भाव (जीवनसाथी भाव) के बारे में:

- सप्तम भाव का स्वामी राहु से पीड़ित हो तो उसका पति व्यसनी होगा।
- सप्तमेश लग्न में हो तो ऐसी कन्या स्वविवेक से विवाह करती है।
- सप्तम भाव का स्वामी नीच का होकर बैठ जाए तो उसे अपने पति से लाभ की गुंजाइश नहीं रहेगी।
- सप्तम भाव का स्वामी दशम भाव में उच्च का हो तो ऐसी कन्या का भावी जीवनसाथी व्यापारी या राजनीतिज्ञ भी हो सकता है, लेकिन मोटे शरीर वाला होगा।
- सप्तम भाव में सूर्य, बुध, शुक्र हो तो ऐसी कन्या का पति किसी भी योग्य न होगा।
- सप्तमेश अष्टम भाव में हो तो विवाह देर से होगा व पति का सामान्य रंग-रूप का परिश्रमी होगा।
- सप्तमेश षष्ट भाव में हो तो ऐसी कन्या का विवाह देरी से होगा व अनेक बाधाएं आ सकती है।
- सप्तमेश, पंचमेश व लग्नेश की युति हो तो वह कन्या प्रेम विवाह करेगी।
- सप्तमेश शनि चंद्र युति हो तो विवाह बहुत उम्र में होगा या विवाह नहीं भी हो सकता है।
- सप्तमेश केतु मंगल के साथ हो तो संबंध विच्छेद होने की आशंका अधिक रहेगी।
- सप्तम भाव को शनि देखे व मंगल भी हो तो उसका वर ठीक नहीं होगा। विवाह होने के बाद तनाव रहेगा।



उपरोक्तानुसार जन्म कुंडली में ग्रह हो तो फल उसी प्रकार मिलेंगे। ग्रहों का मार्गी उदय होना उत्तम फलदायी रहेगा। वहीं अशुभ ग्रहों की युति वक्री हो तो फल में न्यूनाधिक फल होगा। इस प्रकार हम जान सकते हैं कि वर कैसा होगा।

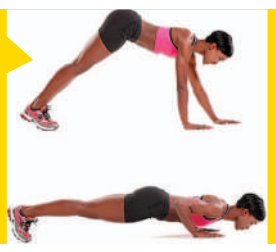
लिवर में सूजन के उपचार का नया तरीका

शोधकर्ताओं ने खून और लिवर में मौजूद ट्राइग्लिसराइड्स (वसा का प्रकार) की खोज की है जो लिवर में स्वतंत्र रूप से इंसुलिन का प्रभाव पैदा करता है। इस खोज से टाइप 2 डायबिटीज (मधुमेह) के सबसे बड़े रहस्यों में से एक से पर्दा उठ गया है और लिवर में सूजन के उपचार का नया तरीका मिला है। टाइप 2 मधुमेह में लिवर द्वारा पैदा ब्लड शुगर को कम करने में इंसुलिन कामयाब नहीं होता है।



स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद कैटरपिलर वॉक

कैटरपिलर वॉक बेहद लाभकारी व्यायाम है इसके लिए जमीन पर पुश-अप पोजीशन में आइए। दोनों हाथ जमीन पर और पैरों का वजन पंजों पर। पहले अपना दायां पैर आगे लेकर आएं, उसके बाद बायां पैर आगे लाएं। याद रहे हथेलियां जमीन पर टिक रहें। इसके बाद हथेलियों के सहारे धीरे-धीरे आगे चलें और बाद में पैरों को भी आगे ले जाएं। फिर पीछे की तरफ मुड़े और दोबारा इस प्रक्रिया को करें।



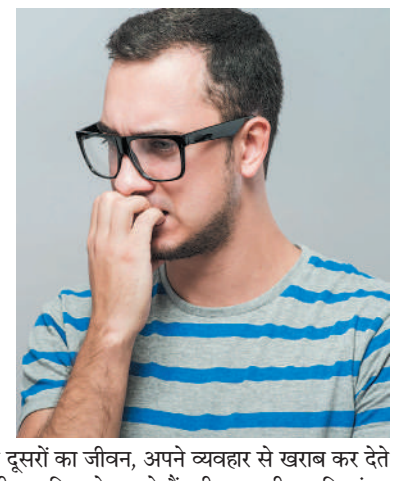
बीमारी नहीं विकार है OCD



ओसीडी को मजबूरी या ऑब्सेशन के रूप में परिभाषित किया जा सकता है क्योंकि कई लोग जब इससे ग्रसित होते हैं तो उनकी स्थिति को दूसरा व्यक्ति आसानी से समझने का प्रयास करता है।

ओसीडी से ग्रसित लोग, उनके जुनूनी आवेगों, विचारों और आग्रहों की अनदेखी करते रहते हैं और खुद को ही सही मानते हैं। उन्हें अंदरूनी भय होता है और वो उससे अकेले ही फाइट करने में जुटे रहते हैं। साधारण शब्दों में कहा जाएं, तो ओसीडी से ग्रसित लोग, साधारण बातों में भी बखेड़ा कर देते हैं और अपनी ही सोच को थोपने का प्रयास करते हैं।

सामान्य तौर पर, ओसीडी से ग्रसित लोग खुद को हर समय अकेला महसूस करते हैं, उन्हें लगता है कि वो असहाय हैं और किसी को भी उनकी परवाह नहीं है। ये व्यवहार उनके मन में दिन में कई बार आ सकता है या वो कुछ-कुछ समय पर इसके शिकार हो जाते हैं। ओसीडी से पीड़ित लोग, अपने मन में सबसे ज्यादा मनगंढत कहानियों को बनाते हैं, वो अलग ही पिक्चर को क्रिएट करते रहते हैं।



इस प्रकार के रोगियों के तर्क बेहद बेकार और बिना सिर पैर के होते हैं। लेकिन वे दूसरों का जीवन, अपने व्यवहार से खराब कर देते हैं। ओसीडी से बच्चे भी प्रभावित हो सकते हैं। टीनएज की लड़कियां या लड़के, अक्सर स्कूली दिनों में इससे ग्रसित हो जाते हैं। ऐसे में बच्चे के माता-पिता को खास ध्यान रखना चाहिए।

पिछले दशक में क्लीनिकल अध्ययन में यह स्पष्ट हो चुका है कि यह मानसिक विकार, दवाईयां और थेरेपी के माध्यम से सही किया जा सकता है। इसके उपचार में कुछ दवाईयों को नियमित रूप से निश्चित समय तक दिया जाता है ताकि व्यक्ति खुद को बैलेंस कर सके और अपने मूड स्वींग पर काबू पा सकें। थेरेपी से उसे सही और गलत के बारे में बताया जाता है। यह कोई शर्मनाक बीमारी नहीं है, जो कि लाइलाज हो। यह एक प्रकार का विकार है, जिसे आसानी से ठीक किया जा सकता है।



बाला के औषधीय गुण



सिडा कोर्डिफोलिया और कंट्री मैलो को ही आयुर्वेद में बाला कहा जाता है। बाला का शाब्दिक अर्थ है ताकत। मतलब यह कि बाला के जरिए हम अपने शरीर को ऊर्जा और ताकत से भर सकते हैं। असल में बाला प्राचीन आयुर्वेदिक जड़ी बूटी है जो हड्डियों को, मसल्स को और जोड़ों को मजबूत, ताकतवर बनाने के काम आती है। बाला का वानस्पतिक नाम ही सिडा कोर्डिफोलिया है। यह माल्वाकी परिवार से ताल्लुक रखता है। कुछ लोग बाला को सिडा रेटुसा भी कहते हैं। हिंदी में बाला को बरियारा या खिरैंती नाम से जाना जाता है। बाला के असंख्य औषधीय गुण हैं। इस लेख में इन तमाम खूबियों पर चर्चा करेंगे।

पित्त से सुरक्षा

पित्त और वात ये दोनों ऐसी समस्या है कब किसे हो जाए, कोई नहीं कह सकता। लेकिन बाला इन दोनों ही बीमारियों के लिए उपयोगी हल है। असल में जो भी बीमारी शारीरिक खराबी के चलते होती है, बाला उन तमाम समस्याओं से लड़ने में मदद करता है। पित्त और वात ऐसी ही दो बीमारियां है जो यकायक हो सकती हैं। आयुर्वेद के मुताबिक ऐसी स्थिति में बाला का उपयोग बेहतर रहता है।

प्रज्वलनरोधी

बाला में प्रज्वलनरोधी गुण भी समाहित है। इसके अलावा बाला का बाहरी इस्तेमाल कर हम तमाम किस्म के घाव को भी भर सकते हैं। यही नहीं आंखों में सूजन या जलन होने पर भी बाला का पेस्ट लगाया जा सकता है जिससे सूजन और जलन में कमी आती है। इतना ही नहीं जिन लोगों अर्थराइटिस सम्बंधी समस्या है, उनके लिए भी बाला बेहतरीन विकल्प है और जो लोग जोड़ों के दर्द से परेशान हैं, वे भी बाला की मदद से जोड़ों के दर्द से पार पा सकते हैं। असल में बाला से बनने वाले तेल को जोड़ों में लगाया जाता है साथ ही जिस अंग विशेष में जलन हो रही है, वहां भी इसका इस्तेमाल किया जाता है। दोनों ही स्थितियों में बाला कारगर है।

नर्व्स के लिए उपयोगी

बाला से बने तेल से यदि आप रोजाना मसाज करते हैं तो यह आपके नर्व्स के लिए उपयोगी है। असल में यह तेल नर्व्स को एक्साइट यानी उत्तेजित करता है। मतलब यह कि जो लोग पैरेलाइज हैं या फिर इस तरह की समस्याओं से ग्रस्त हैं, उनके लिए यह तेल काफी कारगर है। इससे उनके शरीर में उत्तेजना आने की उम्मीद बढ़ जाती है। सवाल है ऐसे में तेल का इस्तेमाल किस प्रकार किया जाए? ऐसे में जरूरी है कि मरीज की अच्छे से मसाज करें। महज तेल लगाकर शरीर न छोड़ें। इसके अलावा सर्विकल स्पोंडिलोसिस, फेशियल पैरालिसिस के मरीजों पर भी यह तेल इस्तेमाल किया जा सकता है।

बड़ी आंत के लिए लाभकरी

सिडा कोर्डिफोलिया बड़ी आंत की गतिशीलता को नियंत्रित करता है। असल में बाला आंत पौष्टिकता और पानी को सोखता है जो कि शरीर के बेहतर स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। इसका मतलब यह है कि यदि आपका पेट खराब है कि बाला का इस्तेमाल अवश्य करें। इससे आपके पेट को राहत मिलेगी और शरीर को आराम।

कार्डियक टानिक



बाला बेहतरीन कार्डियक टानिक है। मतलब यह है कि इसके सेवन से हृदय सम्बंधी बीमारियां हमसे कोसो दूर रहती हैं। यही नहीं आयुर्वेद के मुताबिक यदि इसका नियमित विशेषज्ञों के कहे अनुसार इस्तेमाल किया जाए तो हैमरेज जैसी घातक बीमारी से भी बचा जा सकता है। आयुर्वेदिक आचार्यो का कहना है कि हृदय सम्बंधी बीमारी होने पर या हैमरेज जैसी घातक बीमारी के चपेट में आए मरीजों के लिए बाला के पौधे उपयोगी है। उन्हें इसके पौधों का इस्तेमाल करना चाहिए। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि किसी विशेषज्ञ की सलाह लें।

आंतरिक समस्याओं में फायदेमंद

जिन लोगों को मुत्राशय में जलन हो, वे भी बाला का इस्तेमाल आसानी से कर सकते हैं। असल में आयुर्वेद में बाला को बहुत खास महत्व मिला हुआ है। वास्तव में बाला न सिर्फ सामान्य बीमारियों को ठीक करता है बल्कि आंतरिक समस्याओं में भी इसका योगदान अभिन्न है। मुत्राशय में जलन पानी कम पीने से या अन्य समस्याओं के कारण हो सकता है।

स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं ऑर्थोरेक्सिया



यह बात सही है कि हर कोई स्वस्थ खाद्य पदार्थों के चयन पर अधिक ध्यान देकर इसका फायदा उठाना चाहता है। लेकिन स्वस्थ आहार की जरूरत से ज्यादा खोज भी कई बार बीमारी का कारण बन जाती है। जी हां, ऑर्थोरेक्सिया एक ऐसी ही अवस्था है। इस अवस्था में व्यक्ति स्वस्थ आहार की खोज में जुनूनी व्यवहार करने लगता है। ऑर्थोरेक्सिया से पीड़ित व्यक्ति में तनावग्रस्त हो जाता है, वह अक्सर एनोरेक्सिया नर्वोसा या अन्य खाने संबंधित विकार हो जाते हैं। यह समस्या महिलाओं में ज्यादा देखने को मिलती है। ऑर्थोरेक्सिया से पीड़ित व्यक्ति वजन पर ध्यान न देकर खाने पर अधिक ध्यान देता है, उसका ध्यान सही और स्वस्थ आहार की खोज और उनका सेवन करने में अधिक रहता है न कि फिटनेस में। ऐसे लोग खुद को शुद्ध और स्वस्थ होने की भावना देने वाले खाद्य पदार्थों पर स्थिर कर लेते हैं। आर्थोरेक्सिया से ग्रस्त लोगों के व्यवहार और आदतों के बारे में अधिक जानिए इस लेख में।

ऐसे आहार से बचते हैं: कृत्रिम रंग होता है, कीटनाशक होते हैं, फैट, चीनी या नमक हो, डेयरी उत्पाद।

ऑर्थोरेक्सिया के प्रभाव: ऑर्थोरेक्सिया में स्वस्थ भोजन के प्रति जुनून के बढ़ने पर व्यक्ति समाज और परिवार से दूरी बनाने लगता है। इस समस्या के होने पर ऑर्थोरेक्सिया ईटिंग डिसऑर्डर जैसे एनोरेक्सिया के करीब ले जाता है। ऐसे लोग खुद को दूसरों से बेहतर समझने लगते हैं। ऐसा करना परिवार और दोस्तों के साथ संबंधों पर दबाव डालता है और रिश्ते आहार पैटर्न की तुलना में कम महत्वपूर्ण हो जाते हैं। इस समस्या से लोगों को भरपूर मात्रा में कैलोरी नहीं मिलती है जिसके कारण वे कुपोषण के साथ दिल के मरीज भी हो सकते हैं, इसलिए खुद से अपना डायट चार्ट बनाने की बजाय चिकित्सक की सलाह से बने डायट चार्ट का पालन करें।

ऑर्थोरेक्सिया के लक्षण

- अस्थमा, पाचन समस्याओं, मूड में कमी, चिंता और एलर्जी जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं।
- चिकित्सक की सलाह के बिना, खाद्य एलर्जी से बचने के लिए खाद्य-पदार्थों से बचाव के तरीकों को खोजना।
- हर्बल उपचार या प्रोबायोटिक्स/माइक्रोबायोटिक्स जैसे उत्पाद के इस्तेमाल में वृद्धि करना।
- ऑर्थोरेक्सिया से पीड़ित लोग 10 खाद्य पदार्थों से अधिक का उपभोग नहीं कर सकते।
- भोजन तैयार करने की तकनीक के अलावा अधिक तर्कहीन चिंता, विशेष रूप से खाद्य पदार्थों को धोना या बर्तन को स्टेरलाइज करना।
- स्वस्थ आहार के दिशा निर्देशों से हटने पर अपराध की भावना महसूस करना।
- खाने को लेकर अधिक देर तक सोचना।
- नियमित रूप से अगले दिन के भोजन की योजना बनना।
- स्वस्थ आहार खाने के बाद संतुष्टि, सम्मान या आध्यात्मिक पूर्ति जैसी भावनाओं को महसूस करना।
- स्वस्थ आहार का पालन न करने वालों के प्रति अपेक्षा की भावना रखना।
- घर से दूर होने पर स्वस्थ आहार योजना पालन न रख पाने का डर।
- खाने के बारे इसी तरह के विचार ना रखने वाले दोस्तों या परिवार के सदस्यों से दूरी।
- बाहर के खाने और दूसरों द्वारा पकाए गए खाने से दूरी।
- अवसाद, मिजाज या चिंता का बिगड़ना।

गुलाबी मौसम में रंगों के नए ट्रेंडस से बदलिए अपनी स्टाइल

ब्लैक एंड व्हाइट कलर सर्दियों में रखेगा यंग

ठंड का मौसम सेहत के साथ कपड़ों की नई-नई स्टाइल के लिए भी बेहतरीन माना जाता है। इस गुलाबी मौसम में रंगों का भी अपना महत्व है। सर्दियों में सबसे ज्यादा ब्लैक एंड व्हाइट कलर बॉडी को हॉट, यंग और स्टाइलिश लुक देता है।



रंग हमारे तनावग्रस्त जीवन में राहत पहुंचाते हैं और हमें खुश रखते हैं। विंटर्स में बोल्ड, वाइब्रेंट और ब्राइट कलर्स के आउटफिट्स वार्म लुक देते हैं, लेकिन ब्लैक एंड व्हाइट कलर कॉम्बीनेशन इस हॉट सीज़न में आपका चार्म बढ़ा देगा। यंग दिखने का यह सबसे आसान तरीका है। इस कॉम्बीनेशन से चेहरे पर ग्लो बढ़ जाता है और यह फेमिनिटी और सेंसुएलिटी को भी उभारता है।

अगर आप फ्लावर पैटर्न कॉस्च्यूम्स और कलर-ब्लॉक के ट्रेंड से बोर हो चुके हैं तो ब्लैक-व्हाइट स्टाइल ट्राई करें, यह आपको खूबसूरत अहसास देगा। यह कॉम्बीनेशन आपको रेगुलर ड्रेस से अलग लुक देगा। ब्लैक एंड व्हाइट को पॉप ऑफ कलर भी कहते हैं। यह कभी भी फैशन से बाहर नहीं होता। वूमेन ऑफिसर्स में तो यह ब्लैक एंड व्हाइट सबसे ज्यादा फैमिलियर है, लेकिन इस कॉम्बीनेशन के क्रिएटव डिज़ाइंस की बदौलत अब यंग गर्ल्स भी इसे सबसे ज्यादा चूज़ कर रहे हैं। आप ड्रेसिंग से लेकर एसेसरीज, शूज, ज्वेलरी आदि भी ब्लैक एंड व्हाइट में ट्राई कर सकती हैं। फिर चाहे ब्लैक एंड



व्हाइट स्ट्राइप्स हों, चेक्स या प्रिंट। ब्लैक एंड व्हाइट प्रिंटिड टॉप फार्मल और कैजुअल, दोनों लुक के लिए परफेक्ट है। एक कॉमन कलर कॉम्बीनेशन में होने की वजह से इसके किसी भी सॉलिड कलर के लोअर के साथ पहना जा सकता है। जींस हो या ट्राउज़र या कोई पैंट्स..ये टॉप किसी के भी साथ अच्छा लगेगा। इसके साथ कुछ गोल्ड या सिल्वर एसेसरीज एड करके डे टाइम हाई टी लुक को नाईट आउट लुक में बदल सकती हैं।

मेडिकल लैब टेक्नीशियन में बेहतरीन कॅरियर

मेडिकल लैब टेक्नीशियन, डॉक्टरों के निर्देश पर काम करते हैं। उपकरणों के रख-रखाव और कई तरह के काम इनके जिम्मे होता है। लैबोरेटरी में नमूनों की जांच और विश्लेषण में काम आने वाला घोल भी लैब टेक्नीशियन ही बनाते हैं। इन्हें मेडिकल साइंस के साथ-साथ लैब सुरक्षा नियमों और जरूरतों के बारे में पूरा ज्ञान होता है। लैब टेक्नीशियन के रूप में आप अपने कॅरियर का चुनाव कर सकते हैं। इसकी विदेशों में भी काफी मांग है।

नेचर ऑफ वर्क

नमूनों के परिणामों का विश्लेषण पैथोलॉजिस्ट या लैब टेक्नोलॉजिस्ट ही कर सकता है। जांच के दौरान एमएलटी कुछ सैम्पलों को आगे की जांच या फिर जरूरत के अनुसार उन्हें सुरक्षित भी रख लेता है। एमएलटी का काम बहुत ही जिम्मेदारी और चुनौती भरा होता है। इसमें धैर्य और निपुणता की बड़ी आवश्यकता होती है। जमा किए गए डाटा की सुरक्षा और गोपनीयता की भी जिम्मेदारी उसकी होती है। मेडीकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट में सर्टिफिकेट डिप्लोमा, डिग्री एवं मास्टर्स के दौरान बेसिक फिजियोलॉजी, बेसिक बायोकैमिस्ट्री एंड ब्लड बैंकिंग, एनाटोमी एंड फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, पैथोलॉजी, एनवायरनमेंट एंड बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, मेडिकल लैबोरेटरी टेक्नोलॉजी एवं अस्पताल प्रशिक्षण दिया जाता है।

अपॉर्चुनिटीज

सामान्य तौर पर एक एमएलटी का वेतन 10 हजार से शुरू होता है जबकि पैथोलॉजिस्ट को 30 हजार रुपए से 40 हजार रुपए तक सैलरी मिल जाती है। साथ ही योग्यता और तजुर्बे के आधार पर उनके वेतन में इजाफा होता चला जाता है। देश के साथ-साथ विदेशों में भी इनकी खासी मांग है। आप किसी भी मेडिकल लैबोरेटरी में काम कर सकते हैं। ब्लड बैंक में इनकी खासी मांग रहती है।

स्टडी सेंटर्स...

- डेल्ही पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
- शिवालिक इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल टेक्नोलॉजी, चंडीगढ़
- पैरामेडिकल कॉलेज, दुर्गापुर, बंगाल
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज, लखनऊ
- डिपार्टमेंट ऑफ पैथालॉजी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी

रेसिपी

चॉकलेट इडली केक



सामग्री

एक चौथाई कप मैदा, एक चौथाई कप सूजी, 2 टेबल स्पून कोको पाउडर, आधा कप दही, 4 चम्मच चीनी, एक चौथाई कप दूध, एक चौथाई टी स्पून बेकिंग सोडा, 1 टी स्पून वनीला एसेंस, 2 चम्च रिफाइंड तेल। **सजाने के लिए:** चॉकलेट सॉस, कैडबरी जेम्स

विधि

एक बाउल में दही, चीनी डालकर अच्छी तरह फेंट लें। अब इसमें तेल और वनीला एसेंस भी डाल दें। सूजी और कोको पाउडर डालकर अच्छी तरह मिला लें और 5 मिनट के लिए रख दें। अब इसमें पानी मिलाकर गाढ़ा घोल बना लें। बेकिंग सोडा भी डाल दें। मैदा डालकर हल्के हाथ से मिलाएं। एक इडली स्टैंड में तेल लगा कर चम्मच से सांचों में घोल भर दें। इडली की तरह 5-7 मिनट भाप में पकाएं। सर्विंग प्लेट में निकालकर चॉकलेट सॉस और जेम्स से सजाकर सर्व करें।

ग्रीन पीस् आम्बटी



सामग्री

3 1/4 कप उबाले और आधे कुचले हुए हरे मटर, 2 स्पून तेल, 1/2 कप कटा हुआ प्याज, 2 स्पून कसा हुआ नारीयल, 1 स्पून खड़ा धनिया, 50mm.(2) दालचीनी का टुकड़ा, 1 स्पून ज़ीरा, 3 लौंग, 3 कालीमिर्च, 6 कश्मीरी लाल मिर्च, 6 लहसुन की कलियां, 2 कप कटे हुए टमाटर, नमक स्वादअनुसार, **सजाने के लिए:** 2 स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन मे 1 टेबल-स्पून तेल गरम करें, प्याज़, नारियल, खड़ा धनिया, दालचीनी, ज़ीरा, लौंग, कालीमिर्च और सूखी कश्मीरी लाल मिर्च डालकर मध्यम आंच पर कम से कम 3-4 मिनट भूनें। आंच से हठाकर हल्का ठंडा कर लें। ठंडा करने के बाद, मिक्सर मे पीसकर थोड़े पानी के साथ मुलायम पेस्ट बना लें। एक तरफ रख दें। टमाटर को मिक्सर मे पीसकर मुलायम पल्प बनाकर एक तरफ रख दें। एक गहरी कढ़ाई मे बचा हुआ 1 टेबल-स्पून तेल गरम करें, तैयार किया हुआ पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट भूनें। हरे मटर, टमाटर का पल्प, नमक और 1 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आंच पर लगातार हिलाते हुए 4-5 मिनट तक पकाएं। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

संपादकीय

बेजार हुआ बाजार

वैश्विक बाजार में जारी उथल-पुथल तथा कई युद्धों से बेदम होती अर्थव्यवस्था में स्वदेशी उद्योगों पर कितने गंभीर प्रभाव पड़ रहे हैं, उसकी बानगी देश-दुनिया में विख्यात पानीपत के कंबल उद्योग के खस्ता हालात में दिखती है। देश में कंबल उत्पादन का यह प्रमुख केंद्र फिलहाल गंभीर आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है। अब जब सर्दियों के लिये कंबलों की खरीद का सीजन पीक पर है, यहां घरेलू बिक्री में पचास फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई है। निस्संदेह, यह मंदी उस टेक्सटाइल क्लस्टर की कमजोरी को उजागर करती है, जिसने बड़े पैमाने पर उत्पादन के बूते देश-विदेश में अपनी प्रतिष्ठा बनायी थी। भले ही आर्थिक विकास की तीव्र दर के दावों को लेकर नेता गाल बजाते रहें, लेकिन कंबल उद्योग के आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। यह उद्योग खाड़ी युद्ध, मौसमी उतार-चढ़ाव व विषम आर्थिक परिस्थितियों में उपभोक्ताओं की घटती क्रयशक्ति, बढ़ती लागत आदि अनेक कारकों के प्रति संवेदनशील बना हुआ है। एक बड़ी वजह उत्पादन लागत का बढ़ना भी है। मसलन पॉलिएस्टर धागे की कीमत पिछले साल के मुकाबले काफी बढ़ गई है। कंबल उद्योग से जुड़े उद्यमी बताते हैं कि ऑर्डर कम आने से बिना बिके माल का स्टॉक बढ़ता जा रहा है। जिसके चलते कंबलों के उत्पादन में तीस से पैंतीस प्रतिशत की गिरावट आ गई है। वहीं दूसरी ओर भुगतान शृंखला भी गड़बड़ा गई है। जो भुगतान एक-सवा महीने में आ जाता था, वह औसत समय दो माह का हो चला है। जिससे कार्यशील पूंजी पर दबाव बढ़ रहा है। फलतः उत्पादक खुद को मुश्किल स्थिति में फंसा पा रहे हैं। ऐसे में यदि उद्यमी बढ़ी हुई लागत का बोझ खुद वहन करते हैं तो उनका मुनाफा कम हो जाता है। वहीं दूसरी ओर यदि वे उत्पाद की कीमत बढ़ाते हैं तो कीमत के प्रति संवेदनशील ग्राहक के दूर होने की चिंता बन जाती है। पानीपत का कंबल उद्योग फिलहाल जिस संकट से गुजर रहा है, उसके प्रभाव व्यापक हैं। निस्संदेह, पानीपत के कपड़ा उद्योग से हजारों बुनकरों, श्रमिकों, व्यापारियों, परिवहनकर्ताओं और अन्य सहायक व्यवसायों का जुड़ाव होता है। यदि उद्योग में लंबे समय तक मंदी की स्थिति बनी रहती है, तो हजारों लोगों की जीविका पर असर पड़ेगा। खासकर, कंबलों की घरेलू आपूर्ति से जुड़ा क्षेत्र। इसके अलावा यह पुनर्चक्रण आधारित कपड़ा उद्योग का भी केंद्र है। जहां, अनुपयोगी कपड़ों को व्यावसायिक रूप से उपयोगी बनाने की क्षमता सर्वाधिक है। निस्संदेह, कंबल उद्योग को अविलंब सरकारी मदद की दरकार है। सरकार को तत्काल वे उपाय करने होंगे, जिससे किफायती कार्यशील पूंजी की उपलब्धता सुनिश्चित हो। वहीं समय पर भुगतान को प्रोत्साहित करने के प्रयास हों। लंबे समय तक पानीपत के कंबल उद्योग की अंतर्राष्ट्रीय साख रही है। लेकिन अब इस उद्योग में शामिल कुछ देशों की तरफ से कड़ी चुनौती मिलने लगी है। फलतः इस उद्योग से जुड़ी तकनीकों का अविलंब आधुनिकीकरण किया जाए। इसके साथ ही ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति सुनिश्चित करने और कार्यबल को आधुनिक उत्पादन जरूरत के हिसाब से प्रशिक्षण देने की जरूरत होगी। इस उद्योग के उत्थान के लिये दीर्घकालिक रणनीति तैयार करना भी उतनी ही जरूरी है। वहीं दूसरी ओर कंबल निर्माताओं को भी नई पीढ़ी की रुचि के हिसाब से अपने उत्पादों में विविधता लाने की जरूरत है। इससे जहां पानीपत के ब्रांड को मजबूती मिलेगी, वहीं विदेशी बाजार तक पहुंच बनाने में मदद मिल सकती है। निस्संदेह, पानीपत के कंबल उद्योग की मौजूदा स्थिति हमें यह सबक देती है कि विनिर्माण क्षमता को केवल उत्पादन क्षमता के आधार पर नहीं मापा जा सकता है। हकीकत तो यह है कि एक मजबूत औद्योगिक क्लस्टर को कीमतों में अचानक आने वाले उतार-चढ़ाव, उपभोक्ताओं की बदलती रुचियों और बाजार में पैदा होने वाली अनिश्चतता का सामना करने में भी सक्षम होना ही चाहिए। वक्त की जरूरत है कि सरकार इस स्थिति में अविलंब हस्तक्षेप करे। यदि ऐसा होता है तो एक अस्थायी मंदी को गंभीर संरचनात्मक संकट बनाने से रोका जा सकता है। ऐसे में सरकार के ये प्रयास केवल टेक्सटाइल हब को ही नहीं बचाएंगे, बल्कि रोजगार-उद्यम की रक्षा के साथ ही देश की विनिर्माण आर्थिकी को भी संबल देंगे।

देश में कंबल उत्पादन का यह प्रमुख केंद्र फिलहाल गंभीर आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है। अब जब सर्दियों के लिये कंबलों की खरीद का सीजन पीक पर है, यहां घरेलू बिक्री में पचास फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई है। निस्संदेह, यह मंदी उस टेक्सटाइल क्लस्टर की कमजोरी को उजागर करती है, जिसने बड़े पैमाने पर उत्पादन के बूते देश-विदेश में अपनी प्रतिष्ठा बनायी थी। भले ही आर्थिक विकास की तीव्र दर के दावों को लेकर नेता गाल बजाते रहें, लेकिन कंबल उद्योग के आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। यह उद्योग खाड़ी युद्ध, मौसमी उतार-चढ़ाव व विषम आर्थिक परिस्थितियों में उपभोक्ताओं की घटती क्रयशक्ति, बढ़ती लागत आदि अनेक कारकों के प्रति संवेदनशील बना हुआ है। एक बड़ी वजह उत्पादन लागत का बढ़ना भी है। मसलन पॉलिएस्टर धागे की कीमत पिछले साल के मुकाबले काफी बढ़ गई है। कंबल उद्योग से जुड़े उद्यमी बताते हैं कि ऑर्डर कम आने से बिना बिके माल का स्टॉक बढ़ता जा रहा है। जिसके चलते कंबलों के उत्पादन में तीस से पैंतीस प्रतिशत की गिरावट आ गई है। वहीं दूसरी ओर भुगतान शृंखला भी गड़बड़ा गई है। जो भुगतान एक-सवा महीने में आ जाता था, वह औसत समय दो माह का हो चला है। जिससे कार्यशील पूंजी पर दबाव बढ़ रहा है। फलत : उत्पादक खुद को मुश्किल स्थिति में फंसा पा रहे हैं। ऐसे में यदि उद्यमी बढ़ी हुई लागत का बोझ खुद वहन करते हैं तो उनका मुनाफा कम हो जाता है। वहीं दूसरी ओर यदि वे उत्पाद की कीमत बढ़ाते हैं तो कीमत के प्रति संवेदनशील ग्राहक के दूर होने की चिंता बन जाती है।

कुछ अलग

निडर सत्य

गांधीजी से मिलने वालों का तांता लगा रहता था। वे आश्रम में अत्यंत सादा जीवन व्यतीत करते थे। एक बार साबरमती आश्रम में इंग्लैंड से कुमारी म्यूरियल लेस्टर रहने के लिए वहां पर आई। आश्रम हर समय स्वयंसेवकों से भरा रहता था। जगह की कमी के कारण उन्हें गांधीजी के कमरे के आगे का बरामदा रहने के लिए दिया गया। कुमारी म्यूरियल को अपने सारे काम भोजन से लेकर दैनिक कार्यों तक बरामदे में करने पड़ते थे। इस दौरान असंख्य लोग गांधीजी के कमरे से गुजरते थे और उनसे वार्तालाप करते थे। कई विषय गोपनीय भी होते थे। लेकिन कुमारी म्यूरियल तक अतिथियों की सारी बातें पहुंचती रहती थीं। जब कई लोगों को यह पता चला तो एक दिन एक स्वयंसेवक गांधीजी के पास गया और बोला, 'बापूजी आपको खबर है कि आश्रम में एक जासूस घुस रहा है।' तभी उनकी नजर म्यूरियल पर गई तो वह सब समझ गए और मुस्कराते हुए बोले, 'जासूस को आने दो।

अरुणाचल प्रदेश में बांध परियोजनाओं का विरोध

बांधों को लेकर अरुणाचल में हिंसा को हवा ?

भारत सरकार ने अरुणाचल के अपर सियांग जिले में बहने वाली सियांग नदी पर 11,200 मेगावाट क्षमता की बहुउद्देशीय बांध परियोजना प्रस्तावित की है। इस पर अभी कोई ढांचागत निर्माण शुरू नहीं हुआ है। बांध निर्माण का मकसद चीन से आने वाले पानी को रोकना और बाढ़ के संभावित खतरे को कम करना है। सियांग नदी तिब्बत से उतरती हुई अरुणाचल में आती है। चीन तिब्बत के क्षेत्र में इस नदी पर 60,000 मेगावाट क्षमता का भारी-भरकम बांध बना रहा है। इसका निर्माण भी षुरू हो गया है। इस बांध को भारत के लिए 'जल-बम' का दर्जा युद्ध विषेशज्ञ दे रहे हैं। इसलिए भारत सुरक्षा कवच के रूप में अरुणाचल में बांध निर्माण की परिकल्पना कर रहा है।



अरुणाचल प्रदेष में इस समय दो बड़ी बांध परियोजनाओं सियांग और सुबनसिरी को आकार देने की तैयारी आरंभिक अवस्था में है। बावजूद इनके विरुद्ध स्थानीय जनजातियों और कथित जेन-जी के हिंसक विरोध प्रदर्षन षुरू हो गए हैं। इन जलविद्युत परियोजनाओं के विरोध के चलते भीड़ ने एनएचपीसी के दफ्तर और एक थाने में आग लगा दी। 7-8 पुलिस के वाहन जला दिए। भाजपा के प्रदेष अध्यक्ष कलिंग मेयोंग, विधायक ओनी पनयांग और पूर्व केंद्रीय मंत्री व पासीघाट पष्चिम के विधायक निनोंग एरिंग के घर में भी तोड़फोड़ कर दी। यह सब हिंसक वारदातें सियांग और पासीघाट में 12 घंटे बंद के ऐलान के चलते घटित हुईं। ऐसे में सवाल खड़ा होता है कि जब अभी जमीन पर खाका खींचने की तैयारी ही नहीं हुई, तब इस बड़े हिंसक आंदोलन को हवा कौन दे रहा है ? भारत सरकार ने अरुणाचल के अपर सियांग जिले में बहने वाली सियांग नदी पर 11,200 मेगावाट क्षमता की बहुउद्देशीय बांध परियोजना प्रस्तावित की है। इस पर अभी कोई ढांचागत निर्माण शुरू नहीं हुआ है। बांध निर्माण का मकसद चीन से आने वाले पानी को रोकना और बाढ़ के संभावित खतरे को कम करना है। सियांग नदी तिब्बत से उतरती हुई अरुणाचल में आती है। चीन तिब्बत के क्षेत्र में इस नदी पर 60,000 मेगावाट क्षमता का भारी-भरकम बांध बना रहा है। इसका निर्माण भी षुरू हो गया है। इस बांध को भारत के लिए 'जल-बम' का दर्जा युद्ध विषेशज्ञ दे रहे हैं। इसलिए भारत सुरक्षा कवच के रूप में अरुणाचल में बांध निर्माण की परिकल्पना कर रहा है। चीन ने भारतीय सीमा के निकट तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध को बनाने की षुरूआत कर दी है। इस परियोजना को दुनिया की सबसे बड़ी बांध संरचना बताया जा रहा है। इसकी लागत का अनुमान 137 अरब अमेरिकी डॉलर है। यह जानकारी चीन की सरकारी समाचार एजेंसी षिन्हुआ ने देते हुए कहा था कि 'चीन सरकार ने यारलुंग जांग्बो नदी (ब्रह्मपुत्र नदी का तिब्बती नाम) के निचले क्षेत्रों में एक जल विद्युत परियोजना के निर्माण को मंजूरी दी है। यह बांध हिमालय की एक विषाल घाटी में बनाया जाएगा। यहां ब्रह्मपुत्र नदी एक बड़ा मोड़ लेती हुई अरुणाचल प्रदेष और फिर बांग्लादेष में बहती है। यह सामाचार हांगकांग से प्रकाषित होने वाले साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट में छपा था। ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया की सबसे बड़ा बांध बनाने की मंषा ने भारत और बांग्लादेष की चिंता बढ़ाई है। बताया जा रहा है कि बांध में भरे पानी से चीन प्रतिवर्श 300 अरब किलोवाट प्रतिघंटे बिजली पैदा करेगा। सिंचाई के लिए भी यह जल उपयोग में लाया जाएगा। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए वह विशालकाय बांध के निर्माण में लगा है। आशंका है कि चीन इस बांध में भरे जाने वाले जल का इस्तेमाल भारत के विरुद्ध जल युद्ध के रूप में कर सकता है। इसकी काट के लिए भारत ने अरुणाचल के अपर सियांग क्षेत्र में 11,200 मेगावाट क्षमता की पनबिजली परियोजना पर काम शुरू कर दिया है। 1.10 लाख करोड़ रुपए की इस परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (पीएफआर) भी बन गई है। एक अन्य 9,380 मेगावाट क्षमता की पनबिजली परियोजना अरुणाचल में पहले से ही निर्माणाधीन है। अप्रैल 2022 में जलसक्ति मंत्रालय ने एनएचपीसी को आरंभिक व्यवहार्यता रिपोर्ट बनाने को कहा था। 2025 में जब धरातल पर तकनीकि जांच की गई, तब भी इस प्रयास का विरोध हुआ था। दरअसल इस बांध के निर्माण में 27 ग्राम जलग्रहण क्षेत्र में आ रहे हैं। इन ग्रामों की करीब डेढ़ लाख की आबादी में मुख्य रूप से आदि और गालो जनजतीय समुदाय के लोग रहते हैं। ये लोग सियांग नदी को गंगा की तरह मां मानते हैं। इस कारण 'सियांग इंडिजिनस फार्मर्स फोरम' संस्था इस परियोजना के विरोध में आ खड़ी हुई है। इस संगठन की मांग है कि स्थानीय लोगों की सहमति के बिना सर्वेक्षण की प्रक्रिया को आगे नहीं बढ़ाया जाए। केंद्रीय सुरक्षाबल को हटाने की मांग भी की जा रही है। जबकि भारत का ध्येह इन बांधों के जरिए बाढ़ से बचाव और सिंचाई के लिए जल व बिजली उत्पादन है, जिससे अरुणाचल ही नहीं पूर्वोत्तर के सभी राज्यों को ये सुविधाएं हासिल हो सकें। ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को लेकर चीन का भारत से ही नहीं बांग्लादेश से भी विवाद है। इस नदी पर कई बांध बनाकर चीन ने ऐसे जल प्रबन्ध कर लिये हैं कि वह जब चाहे तब भारत और बांग्लादेश में पानी के प्रवाह को रोक दे और जब चाहे तब ज्यादा पानी छोड़कर ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे बसे इलाकों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न कर दे। चीन ने ऐसी हरकत करते हुए साल 2016 में भारत में जलापूर्ति करने वाली ब्रह्मपुत्र की सहायक नदी जियाबुकू का पानी रोक भी दिया था। लेकिन इसका असर पूर्वोत्तर की कृषि पर देखने में नहीं आया था। ब्रह्मपुत्र एशिया की सबसे लम्बी नदी है। इस नदी की लम्बाई 3000 किमी है। उसी की सहायक नदी जियाबुकू है। जिस पर चीन हाइड्रो प्रोजेक्ट बना रहा है। दुनिया की सबसे लम्बी नदियों में 29वाँ स्थान रखने वाली ब्रह्मपुत्र 1625 किमी तिब्बत क्षेत्र में बहती है। इसके बाद 918 किमी भारत और 363 किमी की लम्बाई में बांग्लादेश में बहती है। समुद्री तट से 3300 मीटर की ऊँचाई पर तिब्बती क्षेत्र में बहने वाली इस नदी पर चीन 12वीं पंचवर्षीय योजना के तहत तीन पनबिजली परियोजनाओं के निर्माण में लगा हैं। चीन इन बांधों का निर्माण अपनी आबादी के लिये व्यापार, सिंचाई, बिजली और पेयजल समस्याओं के निदान के उद्देश्य से कर रहा है, लेकिन उसका इन बांधों और जल सुरंगों के निर्माण की पृष्ठभूमि में छिपा एजेंडा, खासतौर से भारत के खिलाफ जल हथियार के रूप में रणनीतिक इस्तेमाल के रूप में भी देखा जा रहा है। इस काट के लिए भारत अरुणाचल में बांध निर्माण की कल्पना कर रहा है। अरुणाचल में कुल 17 पनबिजली परियोजनाएं प्रस्तावित व निर्माणाधीन हैं। ये परियोजनाएँ पूरी हो जाती हैं और ब्रह्मपुत्र से इन्हें पानी मिलता रहता है तो इनसे कुल 37,827 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा। इस बिजली से पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में बिजली की आपूर्ति तो होगी ही, पश्चिम बंगाल और ओड़ीसा को भी अरुणाचल बिजली बेचने लग जाएगा। चीन अरुणाचल पर जो टेढ़ी निगाह बनाए रखता है, उसका एक बड़ा कारण अरुणाचल में ब्रह्मपुत्र की जलधारा ऐसे पहाड़ व पठारों से गुजरती है, जहां भारत को मध्यम व लघु बांध बनाना आसान है। ये सभी बांध भविष्य में अस्तित्व में आ जाते हैं और पानी का प्रवाह बना रहता है तो पूर्वोत्तर के सातों राज्यों की बिजली, सिंचाई और पेयजल जैसे बुनियादी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। पिछले 12 साल में इन बांधों के निर्माण में तेजी आई है। चीन के साथ सुविधा यह है कि वह अपनी नदियों के जल को अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानकर चलता है। पानी को एक उपभोक्ता वस्तु मानकर वह उसका अपने हितों के लिये अधिकतम दोहन में लगा है। बौद्ध धर्मावलम्बी चीन परम्परा और आधुनिकता के बीच मध्यमार्गी सामंजस्य बनाकर चल रहा है। जो नीतियां एक बार मंजूर हो जाती हैं, उनके अमल में चीन कड़ा रुख और भौतिकवादी दृष्टिकोण अपनाता है।

देश दुनिया से

रिश्तों की बढ़ती टीस और दोस्ती की फीस

अंग्रेजी की कहावत है—'ए फ्रेंड इन नीड इज़ ए फ्रेंड इनडीड।' यानी कि जो दोस्त ज़रूरत के समय काम आए, वही असली दोस्त होता है। आप लोगों ने दशकों पहले आई फ़िल्म शोले भी देखी होगी, जिसमें एक गाना था—'ये दोस्ती हम नहीं छोड़ेंगे।' इसे अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र पर फ़िल्माया गया था। ऐसी दोस्तियां होते भी देखी हैं, जो बचपन से लेकर जीवन के आखिरी पड़ाव तक बनी रहती हैं। स्त्रियों में भी यह सहेलीपन, बहनापा या भायलीपन खूब चलता रहा है। सावन के महीने में जब लड़कियां अपने ससुराल से मायके आती थीं, तो सबसे पहले वे अपनी बचपन की सहेली को ही खोजती थीं। इन दोस्तियों के कारण परिवार भी आपस में मित्र बन जाते थे। लेकिन इन दिनों फ्रेंडशिप या दोस्ती की परिभाषा कुछ बदली हुई है। इसे फेसबुक से आसानी से समझा जा सकता है। इसमें पांच हज़ार दोस्तों की सीमा है। यानी कि पांच हज़ार के बाद फ्रेंडशिप रिक्वेस्ट स्वीकार नहीं की जा सकती। किसी के पांच हज़ार मित्र हों, तो उसकी ताकत के कहने ही क्या! क्योंकि कहा जाता है कि दोस्तों से दुनिया चलती है। लेकिन यह भी तो है कि हो सकता है कि इन पांच हज़ार में से किसी एक को भी आप निजी तौर पर न जानते हों। फिर मनुष्य के मनुष्य से मिलने पर जो भाईचारा उत्पन्न होता है, आत्मीयता बढ़ती है, इन बातों की जगह इन दोस्तों में कहां? आपके सुख-दुःख में भी इनका शायद ही कोई सहारा हो। सिवाय ऑनलाइन लिखने के—'ओह, बहुत अफ़सोस है', 'रेस्ट इन पीस' या 'बहुत-बहुत बधाई। शुभकामनाएं।' तकनीक की दुनिया में बनाए गए दोस्त ऐसे ही हो सकते हैं। फिर आजकल ऐसा भी तो है कि जिससे बरसों से दोस्ती है, किसी मामूली बात पर झगड़ा हुआ, तो दोस्ती टूट गई। यहां तक कि जान भी चली गई। कभी किसी लड़की से संबंध को लेकर, कभी खान-पान की किसी चीज़ को लेकर, तो कभी पैसे के लेन-देन को लेकर। पिछले दिनों चिकन के एक पीस को लेकर दो दोस्तों के बीच विवाद इतना बढ़ा कि एक ने दूसरे की हत्या कर दी। इसी तरह एक बीड़ी को लेकर और पांच सौ रुपये के लेन-देन को लेकर भी दोस्तों ने अपने ही दोस्तों को मार डाला। यही नहीं, कई बार तो ऐसा भी हुआ है कि कोई व्यक्ति अपने दोस्त को बताकर गया कि वह इतने दिनों के लिए बाहर जा रहा है और उसके माता-पिता घर में अकेले होंगे, इसलिए उनका ध्यान रखे। इसका फ़ायदा उठाकर दोस्त उसके घर पहुंच गए। माता-पिता को शक भी नहीं हुआ। फिर दोस्तों ने ही घर में लूटपाट कर ली, बुज़ुर्गों को घायल कर दिया या उनकी जान ही ले ली। लड़कियों के मामलों में भी ऐसी बातें दिखाई देती हैं। कई बार दो लड़कियों की एक ही लड़के से मित्रता होती है। दोनों आपस में सहेलियां भी होती हैं। फिर लड़के पर किसका आधिपत्य हो, इसे लेकर एक लड़की ही सुपारी देकर दूसरी लड़की की हत्या करा देती है। दो लड़कियां घूमने जाती हैं और एक सहेली अपनी सहेली को ही खाई में धक्का दे देती है। यह समझना भी मुश्किल है कि आखिर आपसी विश्वास का इतना लोप कैसे हो गया है। लोग इतने नाराज़ भी क्यों हैं कि ज़रा-ज़रा सी बात पर एक-दूसरे की जान ले रहे हैं? नए वक्त को देखते हुए अब दोस्ती करवाने के लिए ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म भी सक्रिय हो गए हैं। यहां से आप पूरे दिन या कुछ घंटों के लिए दोस्त बुक कर सकते हैं। घंटे के हिसाब से भुगतान करना होता है। भुगतान की रकम कहीं तीन सौ, तो कहीं पांच सौ रुपये प्रति घंटा भी हो सकती है। जो लोग ऐसे दोस्तों को बुक करते हैं, उन्हें पहले ही बता दिया जाता है कि इस दोस्ती में भावुकता से भरे रिश्तों की कोई जगह नहीं है। कई युवा कहते हैं कि अब उनके पुराने दोस्तों के पास समय नहीं है। यहां तक कि फोन पर बात भी नहीं हो पाती। इसलिए वे ऑनलाइन दोस्त बुक करते हैं। कई कहते हैं कि वे अपने घर-परिवार से दूर नौकरी करते हैं। किसी सहयोगी के पास इतना समय नहीं होता कि वह उनके साथ समय बिता सके। इसलिए किराए पर दोस्त लेने का विचार उन्हें ज़्यादा अच्छा लगता है। ये दोस्त आपके साथ घूम-फिर सकते हैं, खाना खा सकते हैं और कॉफ़ी पी सकते हैं। भारत में इस तरह की किराए की दोस्तियां बढ़ती ही जा रही हैं। कई युवा नौकरी करते हैं, लेकिन अतिरिक्त कमाई के लिए छुट्टी के दिन किराए के दोस्त बनकर जाते हैं। इस तरह उनका समय भी कट जाता है और अतिरिक्त कमाई भी हो जाती है। कई युवा इस तरह तनख्वाह के अलावा तीस-चालीस हज़ार रुपये तक कमा रहे हैं। बहुत से स्त्री-पुरुष दोस्त इसलिए किराए पर ले रहे हैं, ताकि वे उनसे अपनी परेशानियां साझा कर सकें, क्योंकि उनकी बात सुनने वाला और कोई नहीं है। एक महिला ने अपने किराए के दोस्त को बताया कि उसका पति उसे कितना तंग करता है। वह नशे का आदी है, मारता-पीटता है और बच्चे न होने के लिए उसे ताने देता है। बहुत से लड़के-लड़कियां अपनी पसंद से विवाह करते हैं। इस अवसर पर यह दिखाने के लिए कि उनके नाते-रिश्तेदार भी इस विवाह में मौजूद थे, वे लड़के-लड़कियों को किराए पर लेकर पति-पत्नी के रूप में आने के लिए भी कहते हैं। ऐसे दोस्तों को बुज़ुर्ग भी बड़ी संख्या में बुला रहे हैं, ताकि कोई तो हो, जो न केवल उनके साथ समय बिताए, बल्कि उनकी बातें भी सुने। उनके साथ फ़िल्म देखे, बातचीत करे, हंसी-मज़ाक करे, उनके जन्मदिन पर उपस्थित हो और 'हैप्पी बर्थडे' गा सके। इन बुज़ुर्गों में अनेक ऐसे हैं, जिनके बच्चे बाहर रहते हैं। किसी की दो लड़कियां ही हैं, जो विवाह के बाद चली गई हैं और वे अकेले हैं, तो किसी का लड़का अलग रहता है। दिलचस्प बात यह है कि बुज़ुर्ग स्त्रियां पुरुषों का साथ चाहती हैं, इसलिए उन्हें किराए पर बुला रही हैं।



आप का नज़रिया

दवा के दर्द

खाड़ी में अमेरिका-इस्राइल व ईरान के बीच जारी संघर्ष का प्रभाव केवल पेट्रोलियम पदार्थों पर ही नहीं, कृषि से लेकर दवा उद्योग पर भी असर दिखाने लगा है। इस संघर्ष ने अब हिमाचल और हरियाणा के दवा उद्योग को भी अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। सर्वविदित है, ये क्षेत्र देश के दवा उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, खासकर लघु एवं मध्यम उद्यमों के माध्यम से। लेकिन पश्चिमी एशिया में जारी अशांति के चलते, प्रमुख कच्चे माल की आपूर्ति में अचानक गंभीर व्यवधान पैदा हो गया है। दरअसल, इस संकट के मूल में जरूरी फार्मास्यूटिकल अवयवों यानी एपीआई, सॉल्वैंट्स और पेट्रोकेमिकल डेरिवेटिव्स की कीमतों में भारी वृद्धि होना है। दरअसल, इनमें से कई कच्चे मालों की आपूर्ति पश्चिमी एशिया से होती है या इन देशों से लगते समुद्री मार्गों से होकर भारत पहुंचती है। एक तो इस इलाके में संघर्ष के चलते शिपिंग मार्गों पर भारी दबाव पड़ा है। वहीं ऊर्जा साधनों की कीमतों में अस्थिरता के चलते, कुछ क्षेत्रों में कच्चे माल की कीमतों में तीस प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। खासकर पैकेजिंग सामग्री, जो अधिकांशतः पेट्रोलियम पदार्थों पर आधारित होती है, वह भी खासी महंगी हो गई है। जिसके चलते प्रतिस्पर्धा के कारण पहले कम लाभ के मार्जिन पर काम कर रहे दवा उद्योग पर अतिरेक दबाव पड़ गया है। लेकिन इस संकट का दूसरा पहलू यह है कि इस व्यवधान का असर उद्योग पर वित्तीय कारणों से ही नहीं है, बल्कि श्रमिकों से जुड़े कारणों से भी है। दरअसल, इस संकट के बीच प्रवासी श्रमिक भी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ईंधन संकट और छोटे एलपीजी सिलेंडरों की आवश्यक आपूर्ति में बाधा का असर श्रमिकों के दैनिक जीवन और कार्य स्थिरता को लेकर पड़ना शुरू हो गया है। ऐसे में प्रवासी श्रमिकों पर अत्यधिक निर्भर फार्मा इकाइयों के लिये यह व्यवधान उत्पादकता में गतिरोध पैदा कर सकता है। वास्तव में देखा जाए तो उद्योग की मजबूती केवल आपूर्ति शृंखला से ही नहीं जुड़ी है बल्कि उनके श्रमिकों के हितों और उनके आत्मविश्वास से भी जुड़ी है। हिमाचल प्रदेश के बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ क्षेत्र और हरियाणा के फार्मा क्लस्टर्स पर इसकी दोहरी मार पड़ रही है। जहां एक ओर उत्पादन लागत में भारी वृद्धि हुई है, वहीं दूसरी ओर छोटे निर्माताओं को उत्पादन में कटौती करने अथवा नुकसान उठाने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। दूसरी ओर बढ़ती लागत व वैश्विक परिवहन लागत में वृद्धि के कारण निर्यात प्रतिस्पर्धा में ये उद्योग पिछड़ रहा है। बहरहाल, इस संकट ने आयातित कच्चे माल और वैश्विक आपूर्ति शृंखला पर भारत की निर्भरता की कमजोरी को भी उजागर कर दिया है। हालांकि, केंद्र सरकार की पहल से आयातित कच्चे सामान पर शुल्क में छूट से भले ही कुछ राहत मिली हो, लेकिन कच्चे माल के वैकल्पिक स्रोत तलाशने, घरेलू एपीआई उत्पादन क्षमता बढ़ाने और प्रवासी श्रमिकों के लिये सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर व्यापक सुधार करने की आवश्यकता है। सही मायनों में एक दूर का युद्ध भारत की दवा आपूर्ति और उसके उत्पादकों के धैर्य की परीक्षा ले रहा है।

कच्चे मालों की आपूर्ति पश्चिमी एशिया से होती है या इन देशों से लगते समुद्री मार्गों से होकर भारत पहुंचती है। एक तो इस इलाके में संघर्ष के चलते शिपिंग मार्गों पर भारी दबाव पड़ा है। वहीं ऊर्जा साधनों की कीमतों में अस्थिरता के चलते, कुछ क्षेत्रों में कच्चे माल की कीमतों में तीस प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। खासकर पैकेजिंग सामग्री, जो अधिकांशतः पेट्रोलियम पदार्थों पर आधारित होती है, वह भी खासी महंगी हो गई है। जिसके चलते प्रतिस्पर्धा के कारण पहले कम लाभ के मार्जिन पर काम कर रहे दवा उद्योग पर अतिरेक दबाव पड़ गया है। लेकिन इस संकट का दूसरा पहलू यह है कि इस व्यवधान का असर उद्योग पर वित्तीय कारणों से ही नहीं है, बल्कि श्रमिकों से जुड़े कारणों से भी है। दरअसल, इस संकट के बीच प्रवासी श्रमिक भी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ईंधन संकट और छोटे एलपीजी सिलेंडरों की आवश्यक आपूर्ति में बाधा का असर श्रमिकों के दैनिक जीवन और कार्य स्थिरता को लेकर पड़ना शुरू हो गया है। ऐसे में प्रवासी श्रमिकों पर अत्यधिक निर्भर फार्मा इकाइयों के लिये यह व्यवधान उत्पादकता में गतिरोध पैदा कर सकता है। वास्तव में देखा जाए तो उद्योग की मजबूती केवल आपूर्ति शृंखला से ही नहीं जुड़ी है बल्कि उनके श्रमिकों के हितों और उनके आत्मविश्वास से भी जुड़ी है। हिमाचल प्रदेश के बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ क्षेत्र और हरियाणा के फार्मा क्लस्टर्स पर इसकी दोहरी मार पड़ रही है। जहां एक ओर उत्पादन लागत में भारी वृद्धि हुई है, वहीं दूसरी ओर छोटे निर्माताओं को उत्पादन में कटौती करने अथवा नुकसान उठाने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। दूसरी ओर बढ़ती लागत व वैश्विक परिवहन लागत में वृद्धि के कारण निर्यात प्रतिस्पर्धा में ये उद्योग पिछड़ रहा है। बहरहाल, इस संकट ने आयातित कच्चे माल और वैश्विक आपूर्ति शृंखला पर भारत की निर्भरता की कमजोरी को भी उजागर कर दिया है।

दृष्टि कोण

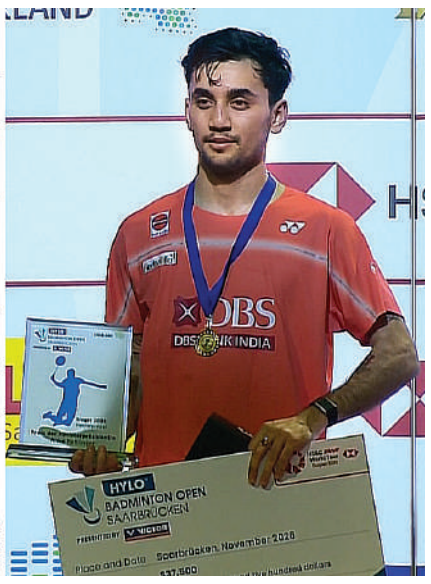
एआई के दौर में साइबर सुरक्षा की चुनौती

साइबर हमलों में भारी वृद्धि ने कई देशों में ऑनलाइन सेवाओं को पिछले दिनों पंगु कर डाला। बैंक, बीमा कंपनियां, सरकारी सेवाएं, शिक्षा और यूटिलिटी सेवाएं कई मामलों में प्रभावित हुई हैं। जापान की एक ऑनलाइन वित्तीय सेवा कंपनी ने अपने विदेशी मुद्रा व्यापार प्लेटफॉर्म पर हुए साइबर हमले के कारण ग्राहकों को हुए नुकसान की भरपाई करने का फैसला किया है। अमेरिका में, कई सरकारी और निजी वेबसाइटों को अपने सिस्टम में बचाव के उपाय करने के लिए कुछ समय के लिए ऑफलाइन करना पड़ा। टेक्सास की एक यूटिलिटी कंपनी ने डेटा लीक होने की सूचना दी, जिससे दस लाख से अधिक निवासी प्रभावित हुए और उनकी निजी जानकारी उजागर हो गई। भारतीय स्टेट बैंक के लगभग 4,000 ग्राहकों का डेटा लीक हो गया, जबकि तेलंगाना सरकार की औद्योगिक मंजूरी से जुड़ी एक वेबसाइट को हैक कर लिया गया। इन हमलों के व्यापक दायरे को देखते हुए, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने इसे 'ब्लैक अक्तूबर' का नाम दिया है, जबकि कुछ इसे 'वल्नपोकैलिप्स' यानी वल्नरेबिलिटी की प्रलय कह रहे हैं। साइबर हमला तब होता है, जब किसी वेबसाइट को चलाने वाले सॉफ्टवेयर में सेंध लगाने की गुंजाइश होती है। सुरक्षा विशेषज्ञों का काम ऐसी कमियों का पता लगाना और उन्हें ठीक करना होता है। हालांकि, यह पूरी प्रक्रिया उतनी आसान नहीं है, जितनी सुनने में लगती है। इसमें कई तरह के सॉफ्टवेयर प्रोग्राम शामिल होते हैं – जैसे कि ऑपरेटिंग सिस्टम, एप्लिकेशन, फर्मवेयर, क्लाउड, डेटाबेस मैनेजमेंट, नेटवर्किंग, एंटरप्राइज प्लानिंग, सप्लाई चेन आदि – और इनकी खरीद अलग-अलग आपूर्तिकर्ताओं या वेंडरों से हो सकती है। ये कमियां मसलन, मेमोरी सुरक्षा से जुड़ी समस्याएं, इंजेक्शन फ्लॉ, ऑथेंटिकेशन में गड़बड़ी, क्रिप्टोग्राफिक विफलताएं और डिपेंडेंसी कन्फ्यूजन हो सकती हैं। एक हैकर सिस्टम की किसी भी कमी का फायदा उठा सकता है। एआई इंजन और टूल्स के आने से इस 'कमियों और हैकिंग' वाले इकोसिस्टम में बहुत बड़ा बदलाव आया है।



अब तक, किसी कमी का पता लगाना एक जटिल, समय लेने वाला और मेहनत भरा काम था। केव





सिंधु और लक्ष्य सेन ने जीते हाइलो ओपन के खिताब

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन के लिए रविवार का दिन दोहरी खुशी लेकर आया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने हाइलो ओपन सुपर-500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में सीधे गेम में जीत दर्ज कर क्रमशः महिला और पुरुष एकल के खिताब अपने नाम किए। दोनों खिलाड़ियों की शानदार जीत से भारत को इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में दोहरी सफलता मिली।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु ने डेनमार्क की विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर काबिज लाइन होजमार्क केयर्सफेल्ड को हराकर मौजूदा सत्र का अपना दूसरा खिताब जीता। पांच लाख डॉलर की इनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट के 39 मिनट तक चले महिला एकल फाइनल में आठवीं वरीयता प्राप्त सिंधु ने केयर्सफेल्ड को 21-12, 21-14 से शिकस्त दी।

जुलाई में जापान ओपन का खिताब जीतने वाली और पिछले सप्ताह फ्रेंच ओपन में उपविजेता रही सिंधु ने पूरे मुकाबले में शानदार नियंत्रण और दमदार खेल का प्रदर्शन किया।

जीत के बाद सिंधु ने कहा, मेरे लिए यह महत्वपूर्ण था कि प्रतिद्वंद्वी कोई भी हो, मैं अपना शत-प्रतिशत प्रदर्शन करूं। हम कई बार एक-दूसरे के खिलाफ खेल चुके हैं और मेरे लिए हर अंक पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी था। मेरे लिए हर अंक महत्वपूर्ण था।

उन्होंने कहा, मैंने शुरुआत से ही बढ़त बना ली थी और उसे वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

इसके बाद पुरुष एकल फाइनल में लक्ष्य सेन ने जोनाथन क्रिस्टी को 21-17, 21-10 से हराकर भारत की दोहरी खिताबी सफलता सुनिश्चित की। लक्ष्य ने शानदार खेल दिखाते हुए मुकाबले पर अपना दबदबा बनाए रखा और सीधे गेम में जीत हासिल की।

विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज सिंधु ने इस जीत के साथ 9,200 रैंकिंग अंक हासिल किए और सत्र के अंत में होने वाले विश्व टूर फाइनल्स में जगह बनाने की अपनी दावेदारी मजबूत कर ली।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौट आई हैं, सिंधु ने कहा, बिल्कुल।

इसका पूरा श्रेय मेरी टीम को जाता है। हम इसी के अनुसार योजना बना रहे हैं। जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते हैं, यह जरूरी हो जाता है कि आप अपने खेल को बेहतर बनाएं और फैसले लेने में अधिक समझदारी दिखाएं।

न्यूज ब्रीफ

तेंदुलकर के लिए अनलकी रहा है लार्ड्स मैदान

मुम्बई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने अपने दो दशक के करियर में सबसे अधिक शतक और रनों के



साथ ही अनगिनत रिकार्ड अपने नाम किये हैं और हर दुनिया के हर कोने में अपनी बल्लेबाजी से इतिहास रचा है पर वह एक बार भी लंदन के ऐतिहासिक लार्ड्स क्रिकेट मैदान में शतक नहीं लगा पाये जबकि इस मैदान पर खेलना और शतक लगाना हर क्रिकेटर का सबसे बड़ा सपना होता है। हैरान की बात है कि दुनिया के लगभग हर बड़े मैदान पर शतक लगाने वाले तेंदुलकर का यह सपना लार्ड्स पर कभी पूरा नहीं हो पाया। इस प्रकार सचिन के लिए लार्ड्स का मैदान एक तरह से अनलकी साबित हुआ, जहां वह एक बार भी तीन अंकों तो नहीं पहुंचे। अपने पूरे अंतरराष्ट्रीय करियर में, चाहे वह टेस्ट क्रिकेट हो या एकदिवसीय, सचिन लार्ड्स में एक भी शतक दर्ज नहीं कर सके। उन्होंने इस ऐतिहासिक मैदान पर कुल 8 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, जिनमें 5 टेस्ट और 3 एकदिवसीय मुकाबले शामिल हैं। टेस्ट मैचों में, पांच पारियों में उन्होंने केवल 195 रन बनाए, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर मात्र 37 रन रहा। वहीं, तीन एकदिवसीय मैचों में उनके नाम सिर्फ 45 रन दर्ज हैं, जिसमें उनका सर्वाधिक स्कोर 26 रन था। यह आंकड़ा सचिन जैसे दिग्गज बल्लेबाज के लिए बेहद असामान्य और अप्रत्याशित माना जाता है, जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से अनगिनत बार विपक्षी गेंदबाजों को ढ़ेर किया। यह उल्लेखनीय है कि सचिन तेंदुलकर दुनिया के एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतकों (टेस्ट में 51 और वनडे में 49) का अद्वितीय कीर्तिमान स्थापित किया है।

मुरादाबाद निवासी अनुभव चौधरी ने जापान में हुए पैरा एशियन गेम्स में जीता ब्राउन्स मेडल



मुरादाबाद। मुरादाबाद निवासी अनुभव चौधरी को जापान में हुए पैरा एशियन गेम्स में 100 मीटर में ब्राउन्स मेडल हासिल करने पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम रामगंगा विहार मुरादाबाद में सम्मानित किया गया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश ब्लाइंड स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव डा अजय पाठक ने बताया कि अनुभव चौधरी ने जापान में आयोजित पैरा एशियन गेम्स में ब्राउन मेडिकल हासिल करके पीतलनगरी मुरादाबाद के साथ उत्तर प्रदेश का नाम भी देश भर में चमका दिया है। अनुभव चौधरी के स्वागत अभिनंदन कार्यक्रम में डा अजय पाठक के अलावा क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी चंचल मिश्रा, क्रीड़ा अधिकारी सुनील कुमार, पूर्व क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी प्रेम कुमार एवं सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम के समस्त कोच एवं स्टाफ उपस्थित रहा।

पैरालंपिक चैंपियन नितेश की नजरें अब विश्व चैम्पियनशिप मे स्वर्ण जीतने पर लगीं



नई दिल्ली। पैरा-बैडमिंटन खिलाड़ी नितेश कुमार के नाम कई रिकार्ड हैं। पैरालंपिक चैंपियन रहे नितेश ने हाल ही में उन्होंने एशियन पैरा गेम्स के एकल एसएल3 वर्ग में स्वर्ण पदक जीत था। वहीं थुलसिमथी मुरुगेसन के साथ मिलकर मिश्रित युगल एसएल3-एसयू5 इवेंट में रजत पदक जीता था। किया। वहीं अब उनका लक्ष्य विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण जीतना और लांस एंजिल्स पैरालंपिक में अपने स्वर्ण पदक को बरकरार रखना है। जिसके लिए वह अपनी योजनाएं बना रहे हैं। नितेश ने कहा कि मेरा लक्ष्य केवल पदक जीतना नहीं बल्कि लगातार आगे बढ़ना और बेहतर होना है। इसी कारण मैं हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं। अगर मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता हूं, तो मुझमें स्वर्ण पदक जीतने की पूरी क्षमता है। साथ ही कहा कि हार पर भी वह निराश नहीं होते क्योंकि हार से भी सीखने को मिलता है। इससे हम सबक लेते हुंए अपनी गलतियों को ठीक करते हैं। नितेश के पदक तालिका में अब बस विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण की ही कमी है। जो उन्हें हमेशा खलती है। उन्होंने कहा कि विश्व चैंपियनशिप में उनके पास दो रजत और दो कांस्य पदक हैं पर कोई स्वर्ण पदक नहीं है। हालांकि, उनका मानना है कि अगर वे सिर्फ परिणामों पर ध्यान न दें, तो पिछले कुछ वर्षों में उनका विकास शानदार रहा है।

न्यूजीलैंड ने भारत को 7 विकेट से हराया

साइफर्ट के 93 और फिलिप्स के नाबाद 65 रन से कीवी टीम की जीत, भारत ने 3-2 से जीती सीरीज



हैमिल्टन। भारतीय क्रिकेट टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी-20 मुकाबले में 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, टीम इंडिया ने पांच मैचों की सीरीज 3-2 से अपने नाम कर ली। हैमिल्टन में खेले गए मुकाबले में न्यूजीलैंड ने 192 रन का लक्ष्य मात्र 18 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

न्यूजीलैंड की जीत में टिम साइफर्ट ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 50 गेंदों पर 93 रन बनाए। वहीं, ग्लेन फिलिप्स ने 38 गेंदों पर नाबाद 65 रन की पारी खेली। फिलिप्स ने 18वें ओवर में लगातार दो चौके लगाकर टीम को जीत दिलाई। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती और नीतीश रेड्डी ने एक-एक विकेट हासिल किया।

श्रेयस और ईशान की शानदार पारियां

इससे पहले शुक्रवार को टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 191 रन बनाए। ईशान किशन ने 32 गेंदों पर 61 रन की शानदार पारी खेली, जबकि कप्तान श्रेयस अय्यर ने 23 गेंदों पर 50 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों के अर्धशतकों के बावजूद भारतीय टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में सफल नहीं हो सकी। न्यूजीलैंड की ओर से तेज गेंदबाज एडम मिल्ने ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट हासिल किए।

फिलिप्स बने सीरीज के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। उन्होंने पांच मैचों की इस सीरीज में कुल 341 रन बनाए। वहीं, न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज एडम मिल्ने को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। उन्होंने 4 ओवर में मात्र 19 रन देकर 4 विकेट चटकाए। मिल्ने ने अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, नीतीश कुमार रेड्डी और भुवनेश्वर कुमार को अपना शिकार बनाया।

भारत ने रचा छक्कों का नया इतिहास

भारतीय टीम ने इस सीरीज के दौरान छक्कों की जमकर बरसात की। टीम इंडिया ने वर्ष 2026 में 400 छक्के पूरे कर एक नया विश्व रिकॉर्ड कायम किया। भारत एक कैलेंडर वर्ष में 400 छक्के लगाने वाली दुनिया की पहली टीम बन गई है। इससे कुछ महीने पहले ही भारतीय टीम 300 छक्के लगाने वाली पहली टीम बनी थी। भारत ने इस वर्ष अब तक 40 टी-20 मुकाबले खेलकर 400 से अधिक छक्के लगाए हैं। इस मामले में दुनिया की कोई दूसरी टीम भारत के आसपास भी नहीं है।

एक सीरीज में लगे 116 छक्के

भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली गई इस पांच मैचों की सीरीज में कुल 116 छक्के लगे। किसी एक टी-20 सीरीज में लगे छक्कों के मामले में यह चौथा सबसे बड़ा आंकड़ा है। इस सूची में जर्मनी और ऑस्ट्रिया के बीच इसी वर्ष खेली गई सीरीज पहले स्थान पर है, जिसमें कुल 132 छक्के लगे थे।

दूसरे स्थान पर वर्ष 2023 में इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच खेली गई सीरीज है, जिसमें 120 छक्के लगे थे। वहीं, वर्ष 2025 में ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच हुई सीरीज में 117 छक्के लगे थे। विशेष बात यह है कि इसी वर्ष जब न्यूजीलैंड की टीम भारत दौरे पर आई थी, तब भी दोनों टीमों के बीच खेली गई सीरीज में 116 छक्के लगे थे। अब एक बार फिर भारत-न्यूजीलैंड की इस सीरीज में 116 छक्कों का आंकड़ा दोहराया गया।

भारतीय महिला आने वाले समय में विश्व क्रिकेट में शीर्ष पर रहेगी: कोच मजूमदार



मुम्बई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा है कि जिस प्रकार खिलाड़ी लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं उससे आने वाले समय में टीम सभी प्रारुपों में नंबर एक पर पहुंच जाएगी। अमोल ने कहा कि देश मे लगातार नई प्रतिभाएं उछार रही हैं। मजूमदार ने कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि दो साल बाद भारतीय टीम विश्व क्रिकेट पर छायी रहेगी। उन्होंने बताया, दो साल बाद अगर भारतीय टीम विश्व क्रिकेट पर अपना प्रभाव बनाने लगे तो मुझे बहुत खुशी होगी। साथ ही कहा कि टीम को हमेशा उन्होंने हावी होने की सीख दी है। जिसके तहत मैदान पर पूरी आक्रामकता और दृढ़ता के साथ खेलना भी हमारी प्राथमिकता रही है। साथ ही कहा कि मुंबई क्रिकेट मे रहते हुंए जो बातें सीखी ओर अनुभव हासिल किया उसे वह खिलाड़ियों के साथ साझा करने प्रयास करते है।

गौतलब है कि पिछले साल नवंबर में घरेलू मैदान पर 50 ओवर का विश्व कप जीतने के बावजूद, भारतीय टीम अब तक कोई बड़ा टी20 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट नहीं जीत पाई है। हालांकि, मजूमदार और नई कप्तान स्मृति मंधाना को मुंबई और वडोदरा में आयोजित होने वाली आईसीसी टी20 चैंपियंस ट्रावृद्धि फी में इस कमी को दूर करने और टीम को टी20 प्रारूप में भी मजबूत बनाने का मौका मिलेगा। मजूमदार ने भरोसा जताया कि भारत टी20 प्रारूप में भी ऐसी टीम बनेगा जिसे हराना आसान नहीं होगा।

मुख्य कोच ने कहा कि आयु वर्ग के क्रिकेटरों को टी20 क्रिकेट की जरूरतों और चुनौतियों की बेहतर समझ है, जो टीम के लिए एक बड़ा फायदा है। उन्होंने बीसीसीआई के वृद्धि सेंटर आवृद्धि फ एक्सीलेंस (सीओई) में चल रहे काम की जमकर सराहना की, जहां अंडर-15, अंडर-19 और भारत ए के शिविर आयोजित होते हैं। मजूमदार ने बताया, सीओई में जिस तरह का काम हो रहा है, वह शानदार है। ये शिविर इस बात का अच्छा उदाहरण हैं कि वर्तमान में भारतीय महिला क्रिकेट किस दिशा में आगे बढ़ रही है।उन्होंने कहा कि कई बेहतरीन खिलाड़ी उभरकर सामने आ रही हैं और उनकी अनुकूलन क्षमता अद्भुत है।

रोहित ने शीर्ष वरीय को हराकर किया उलटफेर, क्वार्टर फाइनल में पहुंचे



इंदौर। इंदौर टेनिस क्लब में खेली जा रही आईटीएफ एमटी 700 मास्टर्स टेनिस स्पर्धा में दूसरे दिन भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। स्थानीय खिलाड़ी रोहित रावत ने 55 वर्ष आयु वर्ग में बड़ा उलटफेर करते हुए शीर्ष वरीयता प्राप्त बालकिशन भाटिया को तीन सेट के संघर्षपूर्ण मुकाबले में हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं 50 वर्ष आयु वर्ग में जगदीश तंवर और 60 वर्ष आयु वर्ग में चंद्रभूषण व रामकुमार प्रसाद ने भी अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में जगह बनाई। रोहित रावत ने बालकिशन भाटिया को 6-7 (5), 7-6 (11), 6-2 से पराजित किया। पहले सेट में बालकिशन ने टाईब्रेक में जीत दर्ज की, लेकिन रोहित ने दूसरे सेट में वापसी करते हुए टाईब्रेक अपने नाम किया। निर्णायक सेट में रोहित ने शानदार सर्विस और फोरहैंड शाट्स के दम पर 6-2 से जीत दर्ज की। इसी आयु वर्ग में छठी वरीयता प्राप्त आशीष मालपानी ने मोहित गर्ग को 6-4, 6-4 से और सातवीं वरीयता प्राप्त अवनीश चंद्र रस्तोगी ने रूची बंसल को 7-5, 6-4 से हराया।

टखने की चोट से उबरे नीरज चोपड़ा, जल्द शुरू करेंगे अभ्यास

नई दिल्ली

ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने कहा है कि वह अपनी टखने की चोट से काफी कुछ उबर गये हैं और जल्द ही अभ्यास शुरु कर सकते हैं। नीरज के अनुसार वह अगले कुछ सप्ताह में रिहैबिलिटेशन (पुनर्वास) प्रक्रिकया शुरू कर सकते हैं। नीरज चोपड़ा इस साल अगस्त में अभ्यास के दौरान चोटिल हो गए थे, जिसके कारण वह प्रतिष्ठित डायमंड लीग फाइनल्स के अलावा एशियाई खेलों से भी बाहर रहे थे। अब इस स्टार खिलाड़ी का कहना है कि व पहले से काफी बेहतर हैं।



भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) में चोपड़ा ने कहा, मेरी चोट अब काफी बेहतर है। पहले डेढ़ महीने में मुझे कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा था, लेकिन अब इसमें काफी सुधार हुआ है। उन्होंने आगे कहा, मैंने विषेषज्ञ डाक्टर दिनशा परदीवाला से परामर्श लिया और उन्होंने सलाह दी है कि मैं अब अभ्यास और रिहैबिलिटेशन शुरू कर सकता हूं। मैं अगले कुछ सप्ताह में इन दोनों को शुरू करने की योजना बना रहा हूं। चोपड़ा ने यह भी बताया कि उन्होंने अपनी चिकित्सा टीम की सलाह के अनुसार पूरा आराम किया। उन्होंने चिकित्सकों की सलाह का पालन करते हुए अपनी रिकवरी पर ध्यान केंद्रित किया।

नीरज ने टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टाप्स) और साइ के सहयोग की भी सराहना की, जिन्होंने वर्षों से उन्हें प्रतियोगिताओं के संबंध में हरसंभव सहायता प्रदान की है। उन्होंने कहा कि वह कई वर्षों से टाप्स के कोर ग्रुप का हिस्सा रहे हैं और जरूरत पड़ने पर उन्हें हमेशा मदद मिली है। इस साल चोपड़ा ने आखिरी बार 21 अगस्त को लुसाने में डायमंड लीग में भाग लिया था, जहां वह दूसरे स्थान पर रहे थे। जुलाई में उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में भी रजत पदक जीता था। नीरज ने खेलो इंडिया स्पोर्ट्स गुड्स मैन्युफैक्चरिंग स्कीम को मंजूरी दिए जाने पर भी खुशी जतायी है। उन्होंने इसे भारतीय खेल के लिए एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम बताया।

कामनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप 2026: महिलाओं के बाद पुरुष टीम ने भी जीता खिताब, फाइनल में श्रीलंका को दी मात

अहमदाबाद

कामनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप 2026 में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दोहरी खिताबी जीत दर्ज की है। पहले भारतीय महिला टीम ने फाइनल में युगांडा को 35-15 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इसके बाद पुरुष टीम ने भी अपना दम दिखाते हुए श्रीलंका को 54-20 से करारी शिकस्त दी। इस तरह भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों में चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। अहमदाबाद में खेले गए पुरुष वर्ग के फाइनल में भारतीय खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही श्रीलंका पर दबाव बनाए रखा। भारतीय रेडर्स और डिफेंडर्स के शानदार तालमेल के सामने श्रीलंकाई टीम पूरे मुकाबले में संघर्ष करती नजर आई।

आदित्य शिंदे ने लगाए सबसे ज्यादा अंक

फाइनल मुकाबले में भारत की ओर से आदित्य शिंदे सबसे सफल रेडर रहे। उन्होंने 14 रेड में 10 रेड पाइंट हासिल किए, जिनमें चार बोनस पाइंट भी शामिल थे। भरत हुड्डा ने आठ रेड पाइंट का योगदान दिया। उन्होंने दूसरे हाफ में सात रेड कीं और इस दौरान एक बार भी टैकल नहीं हुए। पंकज मोहिते ने छह, जबकि टीम के उपकप्तान नवीन कुमार ने पांच अंक जुटाए। वहीं, डिफेंस में योगेश दहिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हाई-फाइव लगाया। उन्होंने पहले हाफ में ही पांच सफल टैकल किए। इसके अलावा शुभम शिंदे, कप्तान सुरजीत सिंह, प्रवेश मलिक और दीपक शंकर ने दो-दो टैकल पाइंट हासिल किए।

भारत ने श्रीलंका को चार बार किया आलआउट

भारतीय टीम ने पूरे मुकाबले में अपना दबदबा बनाए रखा। भारत ने कुल 30 रेड पाइंट और 14 टैकल पाइंट हासिल किए। इस दौरान श्रीलंका को चार बार आलआउट किया, जबकि भारतीय टीम एक बार भी आलआउट नहीं हुई। श्रीलंका की ओर से मदुवंथा छह टैकल पाइंट के साथ सबसे सफल खिलाड़ी रहे। अनसाफ और विदुरंगा ने



तीन-तीन अंक जुटाए। हालांकि, श्रीलंकाई रेडर्स भारतीय डिफेंस को भेदने में नाकाम रहे। सेमीफाइनल में केन्या के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाले सबिहान, मिलिंदा चतुरंगा और विदुरंगा फाइनल में अपनी लय बरकरार नहीं रख सके। तीनों ने मिलकर 31 रेड में सिर्फ पांच रेड पाइंट हासिल किए। श्रीलंका की टीम अपनी नौ डू-आर-डाई रेड में से सात में असफल रही। पहले हाफ में ही भारत ने बना ली थी 20 अंकों की बढ़त मुकाबले की शुरुआत से ही भारतीय खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल दिखाया। पहले हाफ में 10 मिनट का खेल बाकी रहने तक भारत 15-8 से आगे था। इस दौरान भारतीय टीम श्रीलंका को एक बार आलआउट भी कर चुकी थी। इसके बाद भारत ने लगातार अंक जुटाते हुए 15-2 के अंतर से स्कोर किया और हाफ टाइम तक 30-10 की बड़ी बढ़त बना ली। पहले हाफ के आखिरी पांच मिनट में भारत ने श्रीलंका को दूसरी बार आलआउट किया। श्रीलंका की हालत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उसने पहले हाफ की 21 रेड में केवल दो सफल रेड कीं। वहीं, भारतीय डिफेंडर्स ने 10 प्रयासों में नौ सफल टैकल किए। दूसरे हाफ में भी भारत का दबदबा जारी रहा। टीम ने इस हाफ में 24-10 से जीत दर्ज की और दो बार श्रीलंका को आलआउट किया। आखिरी आलआउट मुकाबले के अंतिम पांच मिनट में हुआ। पूरे मैच में भारत ने 40 रेड में 24 सफल रेड कीं, जबकि श्रीलंका 41 रेड में सिर्फ सात बार ही अंक हासिल करने में सफल रहा।

पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही भारतीय पुरुष टीम

भारतीय पुरुष टीम ने चैंपियनशिप में अपना दबदबा कायम रखते हुए सभी आठ मुकाबलों में जीत दर्ज की। ग्रुप-ए में भारत ने इंग्लैंड को 46-26, युगांडा को 44-30, मलेशिया को 37-23, नाइजीरिया को 50-23, तंजानिया को 48-20 और श्रीलंका को 45-24 से हराया। इसके बाद सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 56-27 से मात देकर फाइनल में जगह बनाई। खिताबी मुकाबले में श्रीलंका को 54-20 से हराकर भारत ने चैंपियनशिप अपने नाम कर ली।

महिला टीम ने भी युगांडा को हराकर जीता खिताब

पुरुष टीम से पहले भारतीय महिला कबड्डी टीम ने भी फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय महिलाओं ने युगांडा को 35-15 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। महिला टीम भी पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही। इस तरह कामनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप 2026 में भारतीय पुरुष और महिला दोनों टीमों ने चैंपियन बनकर देश को दोहरी खुशी दी।



त्योहारी सीजन में यूपीआई का धमाका : अक्तूबर में 31.53 लाख करोड़ रुपये पहुंचा लेनदेन, कितनी हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली

देश में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए होने वाले लेनदेन में त्योहारी सीजन के दौरान अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। नेशनल पेमेंट्स कारपोरेशन आफ इंडिया की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, अक्तूबर में यूपीआई ट्रांजेक्शन की संख्या सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 25.47 अरब हो गई। वहीं, इस दौरान लेनदेन की कुल रकम 16 प्रतिशत बढ़कर 31.53 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई।

अक्तूबर में हर दिन औसतन करोड़ लेनदेन हुए – अक्तूबर में यूपीआई के जरिए हर दिन औसतन करीब 82.2 करोड़ ट्रांजेक्शन हुए। इस दौरान रोजाना लेनदेन की औसत रकम करीब 1,01,707 करोड़ रुपये रही। इससे पहले सितंबर में यूपीआई ट्रांजेक्शन की संख्या सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 24.07 अरब रही थी, जबकि लेनदेन की कुल रकम 18 प्रतिशत बढ़कर 29.37 लाख करोड़ रुपये हो गई थी।

इसके अलावा, अक्तूबर में तत्काल फंड ट्रांसफर की सुविधा देने वाली आईएमपीएस के जरिए लेनदेन की रकम सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 7.63 लाख करोड़ रुपये हो गई।

एनपीसीआई के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने आईएमपीएस के जरिए रोजाना औसतन 1.21 करोड़ ट्रांजेक्शन हुए। वहीं, हर दिन लेनदेन की औसत रकम 24,601 करोड़ रुपये रही।

एमडीआर लागू करने का फैसला दिवाली तक टाला गया – एनपीसीआई ने पिछले महीने चुनिंदा यूपीआई मर्चेंट ट्रांजेक्शन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू करने का फैसला दिवाली के बाद तक टाल दिया था।

इससे त्योहारी सीजन के दौरान कारोबारियों और ग्राहकों को अस्थायी राहत मिली। एनपीसीआई ने कहा था कि यूपीआई और सर्विसेज स्टीयरिंग कमेटी ने त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए इसे लागू करने की तारीख आगे बढ़ाने का फैसला किया है।

एमडीआर का नया नियम पहले 15 अक्तूबर से लागू होना था। एनपीसीआई ने यह भी कहा कि इसे लागू करने की नई तारीख की जानकारी अलग से दी जाएगी। प्रस्तावित एमडीआर व्यवस्था के तहत रेलवे, टेलीकाम सेवाओं, बीमा और ईंधन की खरीदारी जैसी चुनिंदा मर्चेंट कैटेगरी में 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई लेनदेन पर 5 रुपये का तय शुल्क लगेगा। वहीं, इसी सीमा से अधिक के भुगतान बड़े कारोबारियों को करने पर 0.4 प्रतिशत शुल्क लिया जाएगा। हालांकि, यह शुल्क प्रति ट्रांजेक्शन अधिकतम 300 रुपये तक सीमित रहेगा।

एनपीसीआई का कहना है कि एमडीआर की नई व्यवस्था का यूपीआई के व्यापक नेटवर्क पर सीमित असर पड़ेगा। अनुमानों के मुताबिक, मर्चेंट ट्रांजेक्शन में से केवल करीब 4 प्रतिशत ही नई व्यवस्था के दायरे में आएंगे। वहीं, कारोबारियों को किए जाने वाले 95 प्रतिशत से अधिक यूपीआई भुगतान पर एमडीआर शुल्क नहीं लगेगा।

न्यूज ब्रीफ

अलास्का एयर ग्रुप में 200 कर्मचारियों की छंटनी:इस साल 700 मिलियन डालर का नुकसान संभव, फ्यूल की बढ़ती कीमतों से बिगड़ी कंपनी की हालत



नई दिल्ली। अलास्का एयर ग्रुप ने घटते मुनाफे और बढ़ते खर्चों के बीच नान-कान्ट्रैक्ट स्तर के लगभग 200 कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान किया है। कंपनी के चीफ एग्जीक्यूटिव आफिसर बेन मिनिकुची ने कहा कि अगर यही परिस्थितियां बनी रहीं, तो एयरलाइन को इस साल 700 मिलियन डालर तक का नुकसान हो सकता है। CEO बेन मिनिकुची ने कर्मचारियों को भेजे एक मेमो में बताया कि मौजूदा वित्तीय संकट यदि जारी रहता है, तो महामारी के दौर को छोड़कर वर्ष 2003 के बाद यह कंपनी का पहला एडजस्टेड प्री-टैक्स घाटा होगा। एविऐशन सेक्टर में फ्यूल की बढ़ती कीमतें और दुनियाभर में तनाव के बीच चुनौतियां कंपनी के फाइनेंशियल बैलेंस को सीधे प्रभावित कर रही है।

वर्कफोर्स के 1% से भी कम पर असर

कंपनी के स्पोक्सपर्सन के अनुसार, इस छंटनी से कुल 32,500 वर्कफोर्स के 1% से भी कम कर्मचारी प्रभावित होंगे। हटाए जाने वाले पदों में वाशिंगटन राज्य से 125 और हवाई से 48 पद शामिल हैं। एयरलाइन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी फ्रंटलाइन या नान-मैनेजमेंट कर्मचारी की नौकरी नहीं जाएगी।

वेस्ट एशिया संकट के बीच रिलायंस का बड़ा दांव, यूरोप और अफ्रीका में ईंधन निर्यात 50% बढ़ा, रेकार्ड मुनाफे की ओर कदम



नई दिल्ली। वेस्ट एशिया में संघर्ष के कारण दुनिया के कई देशों में ईंधन की सप्लाई प्रभावित हुई है। इसका फायदा उठाते हुए मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अफ्रीका और यूरोप के बाजारों में पेट्रोल, डीजल और विमान ईंधन का निर्यात बढ़ाया है। कंपनी ने अपने ईंधन निर्यात का रुख पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका, भूमध्यसागरीय देशों और यूरोप के दूसरे बाजारों की ओर किया है। इससे इन बाजारों में कंपनी की हिस्सेदारी करीब 50% बढ़ गई है। रिलायंस की सितंबर तिमाही की वित्तीय रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी ने आस्ट्रेलिया, केन्या और तंजानिया में प्रीमियम पेट्रोल की सप्लाई के नए मौके तलाशे। वहीं, भूमध्यसागरीय देशों में डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) की सप्लाई बढ़ाई। कंपनी ने पहली बार दक्षिण अफ्रीका को कम सल्फर वाला विमान ईंधन भी भेजा है। इससे वहां भविष्य में निर्यात की नई संभावनाएं खुली हैं। ईंधन की सप्लाई घटने से बढ़े दाम और मुनाफा वेस्ट एशिया में संघर्ष के कारण तेल और ईंधन की सप्लाई चेन प्रभावित हुई है। रूस और वेस्ट एशिया की कुछ रिफाइनरियों की क्षमता भी संघर्ष के कारण प्रभावित हुई है।

90s में छा गई थी रफ एंड टफ, अक्षय कुमार का चला जादू, गली-मोहल्लों के टेलर्स ने घर-घर पहुंचा दिया



नई दिल्ली। 90 का दशक। भारतीय फैशन के लिए यह दौर बेहद खास था। देश में उदारीकरण की बहार थी। सैटेलाइट टेलीविजन के रास्ते पश्चिमी संस्कृति तेजी से पैर पसार रही थी। तब जींस पहनना सिर्फ बड़े शहरों के संभ्रांत वर्ग तक सीमित था। उसी समय रफ एंड टफ नाम के एक स्वदेशी ब्रांड ने आम भारतीय युवाओं के बीच डेनिम को नया क्रेज बना दिया। अभिनेता अक्षय कुमार के दमदार विज्ञापनों ने इसे प्रमोट किया। गली-मोहल्ले के टेलर्स से सिलवाने वाले अनोखे रेडी-टू-स्टिच किट कान्सेप्ट ने इस ब्रांड को हर घर की पसंद बना दिया। इसकी नींव रखने वाले थे दिग्गज उद्योगपति कस्तूरभाई लालभाई। उनका और अरविंद मिल्स का इतिहास महात्मा गांधी के स्वदेशी आंदोलन से जुड़ा हुआ है। इसने भारत के कपड़ा उद्योग को ग्लोबल स्तर पर नई पहचान दी। स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा है इतिहास रफ एंड टफ जींस और देश के सबसे बड़े टेक्सटाइल समूह अरविंद लिमिटेड का इतिहास भारत के स्वतंत्रता संग्राम और स्वदेशी आंदोलन से जुड़ा हुआ है। महात्मा गांधी के स्वदेशी आह्वान से प्रेरित होकर लालभाई परिवार ने साल 1931 में अरविंद मिल्स की स्थापना की थी।

हो रहे बड़े बदलाव : सिलिंडर हुआ महंगा, टोल प्लाजा से लेकर म्यूचुअल फंड तक के बदल जाएंगे ये नियम

नई दिल्ली।

नवंबर महीने से कई जरूरी बदलाव लागू हो गए हैं। महीने के पहले दिन ही एलपीजी सिलिंडर की कीमतों में इजाफा कर दिया गया है। वहीं बैंकिंग, टोल से लेकर रोजमर्रा के कई कामों में बदलाव होने वाला है, जो आपको सीधे तौर पर प्रभावित करेगा।

एलपीजी की कीमतें बढ़ीं – दिवाली और छठ पूजा से पहले देश के कारोबारियों को महंगाई का एक और झटका लगा है। सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने एक नवंबर से 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। अलग-अलग शहरों में सिलिंडर के दाम 10 से 12 रुपये तक बढ़े हैं। हालांकि, घरेलू रसोई गैस उपभोक्ताओं को फिलहाल राहत मिली है। 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलिंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कमर्शियल सिलिंडर की कीमतों में यह बढ़ोतरी ऐसे समय हुई है, जब बाजारों में त्योहारों की खरीदारी तेज होने वाली है। होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों और कैटरिंग कारोबार में इस्तेमाल होने वाले इन सिलिंडरों के महंगे होने से कारोबारियों की परिचालन लागत बढ़ सकती है।

पेंशन : डिजिटल प्रमाणपत्र अभियान – देशभर में डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र अभियान शुरू हो गया है। पेंशनर घर बैठे ही स्मार्टफोन से चेहरा स्कैन कर जीवन प्रमाणपत्र जमा कर सकेंगे। वहीं, पेंशन न रुके, इसके लिए 80 वर्ष से कम उम्र के पेंशनर 30 नवंबर तक जीवन प्रमाणपत्र जमा कर सकते हैं।

म्यूचुअल फंड : अब डायरेक्ट प्लान डिफाल्ट – एसेट मैनेजमेंट कंपनियों के डिजिटल मंच पर म्यूचुअल फंड का डायरेक्ट प्लान डिफाल्ट होगा। अगर निवेशक रेगुलर प्लान चुनता है, तो उसे पहले इसके ज्यादा एक्सपेंस रेश्यो के बारे में बताया जाएगा। यानी निवेशक को रेगुलर व डायरेक्ट प्लान के खर्च का 7 फर्क समझने का मौका मिलेगा।

टोल प्लाजा : 1,500 रुपये का रियायती पास – रुपये में रियायती पास केंद्र सरकार ने टोल प्लाजा से 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले पात्र निजी वाहन मलिकों के लिए रियायती स्थानीय पास की व्यवस्था शुरू की है। अब सालाना 1500 से 3000 रुपये खर्च कर पूरे वर्ष संबंधित टोल प्लाजा से आवागमन किया जा सकेगा।



जीएसटी : व्यापारियों के लिए कई राहत – जीएसटी व्यवस्था में व्यापारियों को राहत देने के लिए कई बदलाव लागू किए गए हैं। इससे कारोबारियों को बिक्री के बाद छूट देने, क्रेडिट नोट जारी करने, आईटीसी रिफंड प्रक्रिया में तेजी लाने और ई-कामर्स कारोबार के लिए दूसरे राज्यों में पंजीकरण में सहूलियत मिलेगी।

कालर मोबाइल पर दिखेगा असली नाम – एक नवंबर से कालिंग नेम प्रेजेंटेशन नियम लागू हो गया है। अब अनजान नंबर से काल आने पर स्क्रीन पर सिर्फ नंबर नहीं, बल्कि कालर का असली नाम भी दिखाई देगा। इसके लिए मोबाइल फोन में सेटिंग बदलने या कोई एप डाउनलोड करने की जरूरत नहीं होगी।

एटीएफ की कीमत में इजाफा – एटीएफ (विमानों में इस्तेमाल होने वाले ईंधन) की कीमत 137.12 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 138.50 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। जेट ईंधन की कीमतों में लगातार चौथे महीने बढ़ोतरी हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और ईंधन की कीमतों में तेजी के चलते यह फैसला लिया गया है। इससे पहले 1 अक्टूबर को एटीएफ की कीमत में 16 रुपये प्रति लीटर की बड़ी बढ़ोतरी की गई थी। वहीं, 1 सितंबर को 6.28 रुपये और 1 अगस्त को 5 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई थी। एयरलाइंस के कुल परिचालन खर्च में जेट ईंधन की हिस्सेदारी करीब 40 फीसदी तक होती है। ऐसे में इसकी कीमत बढ़ने से विमानन कंपनियों का खर्च और बढ़ जाएगा।

चांदी इस हफ्ते 13 हजार रुपए सस्ती, 1.81 लाख आई:सोना 1576 गिरकर 1.40 लाख पर आया



नई दिल्ली

सोने-चांदी के दाम में इस हफ्ते गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, चांदी की कीमत में 13,071 रुपए की बड़ी गिरावट आई है, जिससे 1 किलो चांदी 1.94 लाख रुपए से घटकर 1.81 लाख रुपए पर आ गई है।

वहीं, सोना भी 1,576 रुपए सस्ता हुआ है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 1.41 लाख रुपए से गिरकर 1.40 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

डालर मजबूत होने से चांदी इस महीने 39,485 गिरी – चांदी इस महीने 39,485 रुपए और सोना 8,084 रुपए सस्ता हुआ है। इससे पहले 1 अक्टूबर 2026 को एक किलो चांदी के दाम 2.20 लाख रुपए और 10 ग्राम सोना 1.48 लाख रुपए पर थे। सोना-चांदी की कीमत में गिरावट अंतरराष्ट्रीय बाजार में डालर मजबूत होने और बड़े निवेशकों के ऊंचे दामों पर बिकवाली करने से हो रही है।

सोना सस्ता होने की वजहें

ऊंचे भाव पर बिक्री: त्योहारों से पहले सोना काफी महंगा हो गया था, इसलिए बड़े निवेशकों ने मुनाफा कमाने के लिए अपना सोना बेचना शुरू कर दिया।

मजबूत डालर का असर: अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डालर और बान्ड मजबूत हुए, जिससे ग्लोबल मार्केट में सोने की कीमतें नीचे आ गईं।

खरीदारों का हाथ खींचना: रिकार्ड महंगे दाम देखकर आम खरीदारों ने दुकानों से फिलहाल सोने की खरीदारी कम की है।

चांदी सस्ती होने की वजहें

फैक्टरियों से कम मांग: चांदी का बड़ा इस्तेमाल सोलर और इलेक्ट्रानिक्स फैक्टरियों में होता है। वैश्विक मंदी के कारण उद्योगों में इसकी मांग घटी है।

बाजार में बिकवाली का दबाव: शेयर और वायदा बाजार के उतार-चढ़ाव में बड़े ट्रेडर्स ने अचानक अपनी चांदी बेच दी, जिससे भाव तेजी से गिरे।

सोने की देखा-देखी: सर्राफा बाजार में सोना और चांदी एक-दूसरे के पीछे चलते हैं। सोने के भाव गिरते ही चांदी में भी बिकवाली शुरू हो गई।

क्या यह गिरावट लंबी चलेगी

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया मानते हैं कि सोने-चांदी की खरीदारी किश्तों में करें। कुछ अभी खरीद लें और कुछ-कुछ 15-20 दिन के अंतराल पर। निवेश के लिए एक-दो महीने के बजाय 6 महीने से लेकर एक साल तक का सोच कर खरीदारी करें।

वैश्विक सोच : अनिल राज की जापान में बिजनेस सफलता की कहानी



हैदराबाद।

जापान में बसे हैदराबाद-मूल के सीरियल उद्यमी अनिल राज आज भारत और जापान के बीच व्यापारिक संबंधों के एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में उभरे हैं।

राजग्रुप ऑफ कंपनीज के संस्थापक के रूप में उन्होंने होस्पिटैलिटी, सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षा, कौशल विकास और विज्ञापन क्षेत्रों में विविध व्यावसायिक साम्राज्य खड़ा किया है।

ऑस्ट्रेलिया से सूचना प्रौद्योगिकी में मास्टर डिग्री पूरी करने और इंडोनेशिया में अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने के बाद अनिल 1998 में जापान चले गए।

उन्होंने क्रेडिट सुइस, ड्रेस्डनर, सिटीबैंक और शिन्सेई बैंक जैसी प्रमुख वित्तीय संस्थाओं में अपना करियर शुरू किया। जापानी संस्कृति, भाषा और व्यापारिक रीति-रिवाजों की गहरी समझ ने उन्हें अवसरों को सफल उद्यमों में बदलने में मदद की। उनकी सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है निर्वाणम, जिसकी स्थापना उन्होंने 2005 में प्रामाणिक दक्षिण भारतीय व्यंजनों को जापान में पेश करने के उद्देश्य से की थी।

अनिल राज की यह यात्रा हैदराबाद की मिट्टी से निकलकर जापान के बिजनेस जगत में अपनी पहचान बनाने की प्रेरणादायी कहानी है, जो भारत-जापान आर्थिक सहयोग को और मजबूत बना रही है।

मस्क बोले- रिटायरमेंट फंड की जरूरत नहीं होगी :पैसे बेमानी होंगे एक्सपर्ट्स बोले- दावा गलत निकला तो लोग सड़क पर आ जाएंगे

नई दिल्ली

दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इलान मस्क का एक बार फिर दावा है कि भविष्य में रिटायरमेंट के लिए पैसे बचाना बेमानी हो जाएगा। उनके मुताबिक जरूरत की हर चीज और सुविधा इतनी ज्यादा मात्रा में बन जाएगी कि जमा पूंजी का कोई महत्व नहीं रह जाएगा।

मस्क पिछले कुछ सालों से लगातार कह रहे हैं कि AI और रोबोटिक्स से चीजें बहुत तेजी से सस्ती बनेंगी। इसके बाद काम करने, सैलरी पाने और पैसे बचाने का पारंपरिक तरीका खत्म हो जाएगा। मस्क ने AI पर एक यूजर के पोस्ट का जवाब देते हुए यह बात कही।

विव ने लिखा था कि अपने हर उल्टे-सीधे खर्चे को मैं बस यही कहकर सही मान लेता हूं कि आगे चलकर तो सब भरपूर होने वाला है। अब ऐसा भी नहीं कि पूरी तरह से लापरवाह हो जाओ, पर हां कुछ सालों में इनमें से ज्यादातर चीजों से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला।

रोबोटिक्स और स्पेस ट्रैवल से बनेगी मल्टी-प्लेनेटरी इकोनामी – मस्क ने हाल ही में अपने विजन को विस्तार से समझाते हुए कहा था कि रोबोटिक्स और स्पेस ट्रैवल में होने वाले बड़े सुधार एक मल्टी-प्लेनेटरी इकोनामी को जन्म देंगे।

उन्होंने कहा कि इस मुकाम पर पहुंचने के बाद



पारंपरिक करेंसी का कोई महत्व नहीं रहेगा। जब उत्पादन की कोई सीमा नहीं होगी, तो आर्थिक लेनदेन का तरीका पूरी तरह बदल जाएगा। जो चाहो वो मिलेगा, कोई चीज दुर्लभ नहीं होगी मस्क का मानना है कि AI एनर्जी सेक्टर और रोबोटिक्स मिलकर प्रोडक्शन कैपेसिटी को कई गुना बढ़ा देंगे। इसका नतीजा यह होगा कि दुनिया में संसाधनों की कोई कमी नहीं होगी।

मान लीजिए आज आपको नई कार खरीदनी है, घर बनाना है या अस्पताल में इलाज कराना है। इन सब कामों में इंसानों की मेहनत लगती है। इंजीनियरों और डाक्टरों की फीस होती है और सामान बनाने की लागत भी ज्यादा आती है। यही वजह है कि ये चीजें महंगी हैं।

अब सोचिए कि भविष्य में कार बनाने से लेकर खेती करने और इलाज तक का सारा काम AI और रोबोट्स कर रहे हैं। रोबोट्स न कभी थकते हैं और न ही सैलरी मांगते हैं। जब किसी भी सामान को बनाने का खर्चा लगभग शून्य हो जाएगा तो सब बहुत सस्ता मिलने लगेगा। बिल गेट्स बोले- अगले 20 साल उथल-पुथल भरे रहेंगे बिल गेट्स के मुताबिक AI से भविष्य में सब आसान होगा, लेकिन अगले 20 सालों का बदलाव इंसानी इतिहास का सबसे तनावपूर्ण समय साबित होगा। दफ्तरों से लेकर फैक्ट्रियों तक नौकरियां जाएंगी: टेलीकालिंग, एकाउंटिंग और सपोर्ट का काम AI छीनेगा, जबकि खेती, मकान निर्माण और सर्जरी का काम रोबोट्स संभाल लेंगे। सामान बनाने में इंसानी श्रम की जरूरत खत्म: अगर AI की रफ्तार पर ब्रेक नहीं लगा, तो अर्थव्यवस्था में सामान बनाने के लिए इंसानों की मेहनत की कोई जरूरत ही नहीं बचेगी। इंसान के जीवन का मकसद प्रभावित होगा: काम सिर्फ पैसे कमाने का जरिया नहीं, बल्कि इंसान को एक मकसद देता है। AI के आने से इंसानी जीवन का यह संतुलन बिगड़ जाएगा।

बच्चों की देखभाल इंसानों के पास रहेगी: AI खाना बनाने, खेल और बच्चों की देखभाल करे, फिर भी ये काम इंसानों के लिए रिजर्व रखे जा सकते हैं ताकि जिंदगी का मजा बचा रहे।

त्योहारों के बीच जीएसटी से सरकार की बंपर कमाई: 2.31 लाख करोड़ के पार पहुंचा आंकड़ा, सालाना कितनी हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली

अक्तूबर में भारत का सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कलेक्शन सालाना आधार पर 22.9 प्रतिशत बढ़कर 2.31 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 1.88 लाख करोड़ रुपये था। यह जानकारी वित्त मंत्रालय की ओर से जारी शुरुआती आंकड़ों के अनुसार है।

एक साल पहले क्या थे आकड़े

रिफंड को घटाने के बाद, जीएसटी राजस्व इस महीने में 25.6 प्रतिशत बढ़कर 2.03 लाख करोड़ रुपये हो गया। वहीं, अक्तूबर 2025 में यह 1.61



लाख करोड़ रुपये था। सकल कलेक्शन में इस वृद्धि को आयात से प्राप्त राजस्व में 42.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी का समर्थन मिला। आयात से प्राप्त राजस्व 72,246 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले 50,796 करोड़ रुपये था। घरेलू जीएसटी राजस्व में भी 15.8 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि दर्ज की गई और यह 1.37 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 1.59 लाख करोड़ रुपये हो गया।

घरेलू कलेक्शन के अंतर्गत, केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) 42,935 करोड़ रुपये रहा, जबकि राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) कलेक्शन 51,340 करोड़ रुपये रहा। घरेलू लेन-देन से प्राप्त एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) कलेक्शन 64,769 करोड़ रुपये रहा।

अक्तूबर के दौरान कुल रिफंड सालाना आधार पर 6.5 प्रतिशत बढ़कर 27,934 करोड़ रुपये हो गए। घरेलू रिफंड 9.8 प्रतिशत बढ़कर 14,007 करोड़ रुपये हो गए, जबकि आयात पर रिफंड 3.4 प्रतिशत बढ़कर 13,927 करोड़ रुपये हो गए।

शुद्ध आधार पर, घरेलू जीएसटी राजस्व 16.4 प्रतिशत बढ़कर 1.45 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि सीमा शुल्क (कस्टम्स) से जुड़े जीएसटी संग्रह से प्राप्त शुद्ध राजस्व 56.2 प्रतिशत बढ़कर 58,319 करोड़ रुपये हो गया।

सालाना आधार पर कितनी प्रतिशत की वृद्धि हुई

प्रमुख राज्यों में, महाराष्ट्र ने 35,150 करोड़ रुपये का घरेलू जीएसटी राजस्व दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 13 प्रतिशत की वृद्धि है। गुजरात का संग्रह 16 प्रतिशत बढ़कर 13,516 करोड़ रुपये हो गया, जबकि कर्नाटक में 18 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 15,922 करोड़ रुपये का संग्रह दर्ज किया गया। हरियाणा का संग्रह 17 प्रतिशत बढ़कर 11,529 करोड़ रुपये हो गया।

असम ने राज्यों के बीच सबसे बड़ी वृद्धि दर्ज की, जहां संग्रह 47 प्रतिशत बढ़कर 1,934 करोड़ रुपये हो गया। उत्तर प्रदेश और बिहार दोनों में 24 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। कुल मिलाकर, अप्रैल-अक्तूबर 2026-27 के दौरान सकल जीएसटी संग्रह 13.2 प्रतिशत बढ़कर 14.77 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि में यह 13.05 लाख करोड़ रुपये था। सात महीने की इस अवधि के दौरान शुद्ध जीएसटी राजस्व 12.6 प्रतिशत बढ़कर 12.69 लाख करोड़ रुपये हो गया।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 02 नवंबर, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

मुनिश्री दीप कुमार के सान्निध्य में तेरापंथी परिवार सम्मेलन आयोजित

रिश्ते बचेंगे तो पीढ़ियां बचेंगी, पीढ़ियां बचेंगी तो संस्कृति बचेगी



हैदराबाद, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद के डी.वी. कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन में युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनिश्री दीप कुमारजी ठाणा-2 के पावन सानिध्य में तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद द्वारा मतेरापंथी परिवार सम्मेलनफ का आयोजन किया गया।

राजेंद्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, सम्मेलन में मुनिश्री दीप कुमारजी ने अपने प्रेरणादायी प्रवचन में परिवार के रिश्तों, आपसी प्रेम और संस्कारों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज हमारे पास बड़े-बड़े मकान और आधुनिक सुविधाएं तो हैं, लेकिन परिवार के सदस्यों के बीच संवाद और अपनापन धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। एक ही घर में रहने वाले लोग मोबाइल और अपनी-अपनी व्यस्तताओं में इतने उलझ गए हैं कि अपनों के लिए समय निकालना कठिन हो गया है।

मुनिश्री ने कहा कि परिवार एक दिन में नहीं टूटता, बल्कि छोटी-छोटी उपेक्षाओं, अपेक्षाओं और अहंकार के कारण रिश्तों में दूरियां बढ़ती हैं। घर में कितने कमरे हैं, यह महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि कितने दिल एक-दूसरे से जुड़े हैं, यह अधिक महत्वपूर्ण है।

एक प्रेरक प्रसंग के माध्यम से उन्होंने समझाया कि मकान और संपत्ति बनाना आसान है, लेकिन परिवार को प्रेम और विश्वास के साथ बनाए रखना कठिन है। परिवार की सबसे बड़ी संपत्ति धन-दौलत नहीं, बल्कि एक-दूसरे के प्रति विश्वास, सम्मान और अपनत्व है।

उन्होंने माता-पिता से आह्वान किया कि वे बच्चों को केवल सफल ही नहीं, बल्कि संस्कारी और संवेदनशील इंसान भी बनाएं। युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि स्वतंत्रता के साथ परिवार के प्रति जिम्मेदारी और बुजुर्गों के प्रति सम्मान बनाए रखना भी आवश्यक है।

मुनिश्री ने कहा कि हर घर संस्कार केंद्र बने, माता-पिता संस्कारों के शिक्षक बनें, युवा संगठन के सहभागी बनें और बच्चे अपनी संस्कृति एवं परंपरा पर गर्व करना सीखें। परिवार में प्रतिदिन कुछ समय साथ बैठना, एक-दूसरे की बात सुनना, बुजुर्गों को सम्मान देना और धर्म-संस्कारों से जुड़ना आवश्यक है।

मुनिश्री दीप कुमारजी ने कहा कि तेरापंथ केवल एक नाम या पहचान नहीं है, बल्कि अनुशासन, मर्यादा, समर्पण और संस्कारों से जुड़ी एक गौरवशाली परंपरा है। हमें एक आचार्य के नेतृत्व में चलने का सौभाग्य मिला है। आचार्यश्री की आज्ञा, मर्यादा और मार्गदर्शन हमें जीवन को सही दिशा देने की प्रेरणा देते हैं।

तेरापंथ ने हमें साधना, स्वाध्याय, संयम, अहिंसा और आत्मानुशासन का मार्ग दिखाया है। लेकिन तेरापंथ का वास्तविक गौरव तभी बढ़ेगा, जब ये मूल्य हमारे घरों और व्यवहार में दिखाई देंगे। हमारी नई पीढ़ी केवल तेरापंथ का इतिहास ही न जाने, बल्कि तेरापंथ के संस्कारों को अपने जीवन में भी उतारे। उन्होंने कहा कि हम तेरापंथ के हैं, यह हमारा सौभाग्य है, लेकिन हमारे व्यवहार से तेरापंथ की गरिमा बढ़े, यह हमारी जिम्मेदारी है।

मुनिश्री काव्य कुमारजी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आचार्य भिक्षु से लेकर वर्तमान आचार्य परंपरा तक इस धर्मसंघ ने अनेक परिस्थितियों का सामना किया है। कितनी कठिनाइयां आई होंगी, कितनी चुनौतियां सामने आई होंगी और कितने उतार-चढ़ाव आए होंगे, लेकिन मर्यादा और अनुशासन की शक्ति ने इस संघ को एक विशिष्ट पहचान दी है।

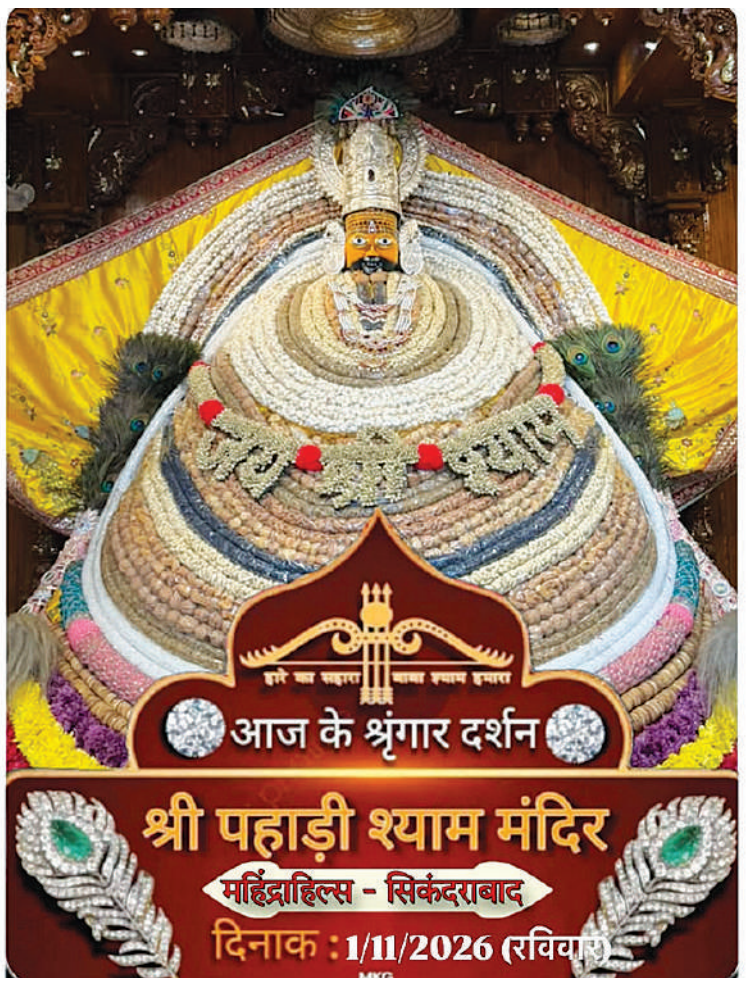
उन्होंने प्रश्न किया कि हम इस विरासत के केवल वारिस हैं या इसके जिम्मेदार संरक्षक भी हैं? वारिस वह होता है, जो विरासत प्राप्त करता है, जबकि संरक्षक वह होता है, जो विरासत को संभालता है। सच्चा तेरापंथी वह है, जो इस विरासत को केवल अपने तक सीमित नहीं रखता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए इसे और अधिक समृद्ध बनाकर छोड़ता है।

उन्होंने कहा कि पूर्वजों ने हमें तेरापंथ दिया है और अब हमारी पीढ़ी का दायित्व है कि हम आने वाली पीढ़ी को गौरवशाली तेरापंथ सौंपें।

कार्यक्रम का शुभारंभ तेरापंथ महिला मंडल, हैदराबाद की बहनों द्वारा मंगलाचरण से हुआ। तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के अध्यक्ष सुशीलजी संचेती ने स्वागत भाषण दिया। ज्ञानशाला के बच्चों ने मजैन जीवन शैलीफ विषय पर आकर्षक प्रस्तुति दी। तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के पदाधिकारियों एवं अन्य सदस्यों ने सभा गीत प्रस्तुत किया। अक्षत नाहर ने परिवार के महत्व पर वीडियो प्रस्तुति दी। तेरापंथी महासभा के क्षेत्रीय प्रभारी लक्ष्मीपतजी बैद ने भी विषय पर अपने विचार रखे।

इस अवसर पर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद द्वारा श्रीमान महेंद्रजी भंडारी, मुकेशजी सुराणा एवं सुरेशजी सुराणा का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम का कुशल संचालन मुनिश्री काव्य कुमारजी ने किया।



अग्रवाल समाज मैरिज डेटा कमेटी की बैठक संपन्न



हैदराबाद, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरिज डेटा कमेटी की बैठक समाज कार्यालय, राघव रत्ना टावर्स, आबिड्स में कमेटी के चेयरमैन महेंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में उपस्थित अभिभावकों ने अपने विवाह योग्य बच्चों के बायोडाटा एक-दूसरे के साथ साझा किए तथा उनके लिए योग्य एवं उपयुक्त जीवनसाथी तलाशने के संबंध में विस्तार से विचार-विमर्श किया। बैठक का मुख्य उद्देश्य समाज के परिवारों को अपने बच्चों के लिए अच्छे और उपयुक्त रिश्ते तलाशने का अवसर प्रदान करना रहा। इस प्रकार की बैठकों से समाज के परिवारों को विवाह योग्य बच्चों के लिए अच्छे रिश्ते तलाशने में सहायता मिलती है। साथ ही, परिवारों के बीच आपसी परिचय बढ़ता है और सामाजिक संपर्क एवं संबंधों को मजबूती मिलती है।

इस अवसर पर समाज के भूतपूर्व अध्यक्ष सुरेश सिंगल, महेंद्र अग्रवाल, पंकज कुमार संघी, अजय तुलसियान, उमाशंकर गोयनका, गोपाल अग्रवाल, जितेंद्र अग्रवाल, शीतल रूंगटा, राजेंद्र, देवकीनंदन, प्रमोद अग्रवाल सहित अनेक समाज बंधु उपस्थित थे।

सेवा ही सच्चा धर्म है, जरूरतमंदों की सेवा से मिलता है आत्मिक सुखः महेश अग्रवाल



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को नामपल्ली स्थित जिला पब्लिक गार्डन के पिलर नंबर 1265-ए के पास नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए महेश अग्रवाल ने कहा कि सेवा ही सच्चा धर्म है। जरूरतमंदों की सेवा करना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवता के प्रति हमारी सच्ची भावना और ईश्वर के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जीवन में धन-दौलत और पद-प्रतिष्ठा से बढ़कर किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाना है। निस्वार्थ भाव से की गई सेवा का पुण्य हमेशा मिलता है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद समाज में सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना को आगे बढ़ाते हुए निरंतर अन्नसेवा कर रहा है। इस पुनीत कार्य का उद्देश्य केवल जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि समाज में मानवता, समानता और परोपकार के संस्कारों को मजबूत करना भी है। सेवा कार्य में प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता समाज को एक नई दिशा प्रदान करती है।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, महेश अग्रवाल, भगत राम गोयल, नंदकिशोर अग्रवाल, भाकराम कुमावत, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल एवं प्रीतिका अग्रवाल सहित अन्य सेवाभावी सदस्य उपस्थित थे। सभी ने सेवा कार्य में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए मानव सेवा के इस संकल्प को निरंतर आगे बढ़ाने का प्रण लिया।

धर्म रक्षा के लिए तैयार हों दुर्गा वाहिनी की कार्यकर्ता : प्रज्ञा दीदी

अशोक सिंघल जन्मशताब्दी पर शक्ति वंदन एवं शक्ति संचलन का भव्य आयोजन, करीब एक हजार कार्यकर्ताओं ने लिया भाग



हैदराबाद, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हिंदू धर्म और भारतीय संस्कृति की रक्षा में महिला शक्ति को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। दुर्गा वाहिनी की कार्यकर्ताओं को धर्म रक्षा के लिए सदैव तैयार रहना चाहिए। यह आह्वान विश्व हिंदू परिषद की युवा महिला इकाई दुर्गा वाहिनी की अखिल भारतीय संयोजिका प्रज्ञा दीदी ने किया। उन्होंने कहा कि माता जीजाबाई के मातृत्व संस्कार और झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के अदम्य शौर्य को आदर्श मानकर प्रत्येक युवती को देश और धर्म की सेवा में कर्तव्यनिष्ठा के साथ आगे आना चाहिए।

हैदराबाद के पुराने शहर स्थित गौलीपुरा के मित्र क्लब में रविवार को आयोजित हिंदू युवा महिला सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रज्ञा दीदी ने ये विचार व्यक्त किए। सम्मेलन में लगभग एक हजार दुर्गा वाहिनी की कार्यकर्ताओं ने गणवेश में भाग लेकर संगठित नारी शक्ति का परिचय दिया।

शक्ति संचलन एवं शक्ति वंदन कार्यक्रम के अंतर्गत पुराने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जय श्रीराम के नारों से हैदराबाद का पुराना शहर गूंज उठा। जगह-जगह स्थानीय लोगों ने दुर्गा वाहिनी की कार्यकर्ताओं पर पुष्पवर्षा कर उनका आत्मीय स्वागत किया। विभिन्न मार्गों पर भगवा ध्वजों के कारण पूरा क्षेत्र भगवामय नजर आया।

लाल दरवाजा स्थित सिंहवाहिनी माता मंदिर के आसपास के क्षेत्रों सहित विभिन्न मंदिरों के समीप दुर्गा वाहिनी की कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन एवं कार्यक्रम आयोजित किए। इसके बाद सार्वजनिक सभा का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता दुर्गा वाहिनी तेलंगाना की राज्य संयोजिका श्रीमती वाणी सक्कुबाई ने की। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

प्रज्ञा दीदी ने कहा कि माता जीजाबाई ने अपने मातृत्व संस्कारों से छत्रपति शिवाजी महाराज जैसे महान धर्मरक्षक का निर्माण किया, वहीं झांसी की रानी लक्ष्मीबाई ने अपने अदम्य साहस और वीरतापूर्ण संघर्ष से भारतीय नारी शक्ति को विश्वभर में पहचान दिलाई। इन महान विभूतियों का जीवन प्रत्येक युवती के लिए प्रेरणास्रोत होना चाहिए। उन्होंने युवतियों से साहस, आत्मविश्वास और कर्तव्यनिष्ठा के साथ समाज में अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म केवल पूजा-पाठ और रीति-रिवाजों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रेम, करुणा, सेवा, त्याग, मानवता और पारिवारिक मूल्यों का समन्वय है। हम जिन दुर्गा देवी, लक्ष्मी देवी और सरस्वती देवी की आराधना करते हैं, वे नारी शक्ति की प्रतीक हैं। महिलाएं यदि संकल्प कर लें तो उनके लिए कुछ भी असंभव नहीं है। दुष्ट शक्तियों पर धर्म की विजय के प्रतीक विजयादशमी और दीपावली जैसे पर्व हमारी संस्कृति एवं परंपराओं की महानता को दर्शाते हैं।

प्रज्ञा दीदी ने कहा कि भारतीय परिवार व्यवस्था अत्यंत पवित्र और सशक्त है। मां द्वारा बच्चों को दिए जाने वाले संस्कार ही देश के भविष्य की मजबूत नींव हैं। महिलाओं को प्रेम, करुणा और आत्मीयता बांटने के साथ-साथ अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने का साहस भी दिखाना चाहिए।

उन्होंने महिलाओं के विरुद्ध उत्पीड़न, हिंसा, प्रेम के नाम पर धोखाधड़ी, लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण जैसी घटनाओं के प्रति युवतियों को सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि महिलाओं की स्वतंत्रता, आत्मसम्मान और सुरक्षा को प्रभावित करने वाली प्रत्येक गतिविधि का कानूनी एवं संगठित तरीके से विरोध करना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि हम जिन देवी-देवताओं की आराधना करते हैं, उनमें नारी शक्ति का विशेष स्थान है। राक्षसी शक्तियों का संहार करने और बुराई पर विजय प्राप्त करने का सामर्थ्य नारी शक्ति में ही निहित है। इसलिए महिलाओं को अपनी शक्ति और सामर्थ्य पहचानने की आवश्यकता है।

प्रज्ञा दीदी ने कहा कि धर्मांतरण के विषय में महिलाओं को जागरूक करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दुर्गा वाहिनी की कार्यकर्ताओं पर है। लव जिहाद जैसी घटनाओं के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। भारतीय महिलाओं को संघर्ष के मार्ग में कभी पीछे नहीं हटना चाहिए। हिंदू धर्म में महिलाओं को अत्यंत सम्मानजनक स्थान प्राप्त है। इस गौरवशाली परंपरा का सम्मान विश्वभर में स्थापित करने के लिए दुर्गा वाहिनी की कार्यकर्ताओं को और अधिक सक्रियता से कार्य करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हाल ही में दुर्गा नवरात्रि उत्सव अत्यंत भव्यता के साथ मनाए गए। ऐसे समय में तेलंगाना राज्य में दुर्गा वाहिनी के तत्वावधान में इस प्रकार का विशाल महिला सम्मेलन आयोजित होना अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है।

प्रज्ञा दीदी ने रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के भारत में प्रवेश तथा हिंदुओं पर हो रहे कथित हमलों को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने भारतीय संस्कृति और परंपराओं के अपमान के विरुद्ध संगठित होकर आवाज उठाने की आवश्यकता पर बल दिया।उन्होंने गौमाता के सम्मान एवं संरक्षण की अपील करते हुए कहा कि भारतीय महाकाव्यों, मंदिरों और धार्मिक परंपराओं की रक्षा में महिलाओं को सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। दुर्गा वाहिनी की कार्यकर्ताओं को केवल संगठित शक्ति के रूप में ही नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार, साहस और समाज कल्याण की प्रतीक के रूप में भी विकसित होना चाहिए।उन्होंने संदेश दिया कि देश, धर्म, महिला आत्मसम्मान और भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए प्रत्येक दुर्गा वाहिनी कार्यकर्ता को मां दुर्गा की प्रेरणा से आगे बढ़ना चाहिए।

विश्व हिंदू परिषद के दिवंगत वरिष्ठ नेता अशोक सिंघलजी की जन्मशताब्दी के उपलक्ष्य में इस कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। सार्वजनिक सभा में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहे। भक्ति एवं आध्यात्मिक विषयों पर आधारित नाटकों के साथ कुचिपुड़ी नृत्य की प्रस्तुति दी गई।

दुर्गा वाहिनी की कार्यकर्ताओं ने लाठी युद्ध, मुष्टि युद्ध, तलवारबाजी सहित विभिन्न शारीरिक एवं युद्धकौशल का शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा और प्रशिक्षण का परिचय दिया।

कार्यक्रम में क्षेत्र संगठन मंत्री श्री गुम्मल्ला सत्यम, राज्य सहकार्यदर्शी श्री चिंतला वेंकन्ना, राज्य उपाध्यक्ष श्रीमती सुनीता रेड्डी, धर्माचार्य संपर्क प्रमुख श्री पगडाकुला बालस्वामी, सरस्वती शिशु मंदिर क्षेत्रीय प्रबंधन समिति की सदस्य श्रीमती अलिवेलु मंगम्मा, प्रोफेसर डॉ. स्वप्ना रेड्डी, बालाजी स्कैन एंटरप्राइजेज की प्रबंध निदेशक श्रीमती ललिता, श्री के. राजेंद्र रेड्डी, विशाल एवं माधवी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मार्कंडेय स्वामी मंदिर में नवग्रह, जुड़वां नाग व कल्याण लक्ष्मी की मूर्तियों की स्थापना पूजा



जगद्गिरिगुट्टा, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जगद्गिरिगुट्टा स्थित श्री मार्कंडेय स्वामी मंदिर में नवग्रह, जुड़वां नाग एवं कल्याण लक्ष्मी की मूर्तियों की स्थापना के उपलक्ष्य में रविवार को महा कलश स्थापना पूजा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मार्कंडेय मैनेजमेंट कमेटी एवं पद्मशाली संगम अद्वयम् के तत्वावधान में वैदिक विद्वान श्री वंशी भट्टाचार्य ब्रह्मा गारू के मार्गदर्शन में कलश स्थापना एवं अंतराल अभिषेकम विधि-विधान के साथ भव्य रूप से संपन्न हुआ। पूजा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर दर्शन एवं पूजा-अर्चना की।

इस धार्मिक आयोजन के अवसर पर पांच जोड़ों ने मंडल दीक्षा ग्रहण की। समिति के अनुसार, 41 दिनों के बाद कलश पूजा को पवित्र मानते हुए नवग्रहों की स्थापना की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके तहत कलश स्थापना के लिए निर्धारित कलशों एवं संबंधित सामग्री का अभिषेक किया गया।



लव फॉर काऊ फाउंडेशन द्वारा पिछले 13 वर्षों से निरंतर चलाए जा रहे ङ्कसंडे टू संडे चलो गौशाला अभियानफके अंतर्गत दिलसुखनगर स्थित नारायणी गौशाला में प्रमुख समाजसेवी राजेश गोयल, जस्मत पटेल, अमृत सोनी, रिद्धिश जागीरदार, मोहन बाबू, केशव, शंकरलाल एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति सहभागिता करते हुए।

पंजाब के दो विधायकों ने दिया इस्तीफा

आप में बगावत

केजरीवाल और विश्व कुमार को ठहराया मौजूदा हालात के लिए जिम्मेदार; नशा, भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था और किसानों के मुद्दे उठाए



चंडीगढ़, 1 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब में आम आदमी पार्टी के विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा और चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफे के बाद दोनों नेताओं ने पार्टी नेतृत्व और भगवंत मान सरकार पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने अरविंद केजरीवाल और विश्व कुमार की भूमिका को लेकर निशाना साधा तथा पंजाब के मौजूदा हालात के लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को जिम्मेदार ठहराया।

चंडीगढ़ प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान सबसे प्रमुख मुद्दा पंजाब को नशामुक्त और भ्रष्टाचारमुक्त बनाने की चुनावी गारंटी का रहा। विधायकों ने सवाल उठाया कि सत्ता में आए साढ़े चार साल से अधिक समय बीतने के बावजूद नशे और भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण क्यों नहीं हो पाया।

उनका आरोप था कि पंजाब में चिट्टे की बिक्री, नशे की घर तक आपूर्ति और नशे के कारण परिवारों के उजड़ने की घटनाएं लगातार चिंता का विषय बनी हुई हैं। उन्होंने नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं की सुरक्षा का मुद्दा भी उठाया।

सरकार को घेरा

पठानमाजरा और जौड़ामाजरा ने मानसा में 13-14 अक्टूबर को नशा विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की हत्या का हवाला देते हुए सरकार से कानून-व्यवस्था पर जवाब मांगा।

विधायकों ने कहा कि पंजाब में चेन स्नैचिंग, फिरौती के फोन, गिरोहबाजी और हत्याओं की घटनाओं ने आम नागरिकों तथा कारोबारियों में चिंता पैदा कर दी है। उनका आरोप था कि अपराधियों में कानून का भय कम होता दिखाई दे रहा है। उन्होंने पुलिस थानों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कार्यालयों के आसपास हुई आपराधिक घटनाओं का भी जिक्र किया।

दोहरे मापदंड का आरोप

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए उन्होंने तहसीलों, पुलिस थानों और सरकारी कार्यालयों में रिश्वतखोरी के आरोप लगाए। मंत्री विजय सिंगला, संजीव अरोड़ा और दूसरे मामलों का हवाला देते हुए उन्होंने सवाल किया कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई में एक समान मापदंड क्यों नहीं अपनाया जा रहा है।

किसानों के मुद्दे पर सभी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी, मक्का और मूंग की खरीद, यूरिया की उपलब्धता तथा किसान सम्मान निधि से जुड़े मुद्दे उठाए गए। विधायकों ने आरोप लगाया कि किसानों से किए गए कई चुनावी वादे अब तक पूरे नहीं हुए हैं।

उन्होंने सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लंबित महंगाई भत्ते तथा महंगाई राहत का मुद्दा उठाते हुए करीब 14,191 करोड़ रुपये के बकाये का जिक्र किया।

हरमीत सिंह पठानमाजरा और चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने छठे और सातवें वेतन आयोग के बकाये तथा अस्थायी कर्मचारियों को स्थायी करने के वादे पर भी सरकार से जवाब मांगा।

शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल

विधायकों ने दावा किया कि पंजाब के करीब 2,400 स्कूल केवल एक शिक्षक के सहारे चल रहे हैं, जिनमें लगभग 77 हजार विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। कॉलेजों में 1,531 प्रोफेसर पद और स्वास्थ्य विभाग में 1,098 पद खाली होने का मुद्दा भी उठाया गया।

स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में औषधालयों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति, डॉक्टरों की कमी, आयुष्मान योजना तथा 16 मेडिकल कॉलेज बनाने के चुनावी वादे पर सवाल खड़े किए।

दोनों नेताओं ने दलित समुदाय से जुड़े मुद्दों में छात्रवृत्ति, राजनीतिक प्रतिनिधित्व, दलित उपमुख्यमंत्री बनाने के चुनावी वादे और दलितों पर अत्याचार के मामलों को भी उठाया। इसके अलावा बेअदबी के मामलों में दोषियों को सजा दिलाने के वादे को लेकर भी सरकार को घेरा।

दोनों विधायकों ने पार्टी नेतृत्व की जवाबदेही पर सवाल उठाते हुए कहा कि पंजाब की जनता को चुनाव के दौरान दी गई गारंटियों का हिसाब मिलना चाहिए।

जीएसटी में उछाल

अक्टूबर में 2.31 लाख करोड़ रुपये का संग्रह, पिछले साल के मुकाबले 22.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी; सात महीने में कुल सकल संग्रह 14.77 लाख करोड़ रुपये पहुंचा





नई दिल्ली, 1 नवंबर (एजेंसियां)। भारत का वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह लगातार बढ़ता जा रहा है। अक्टूबर महीने के आंकड़ों के अनुसार, सालाना आधार पर इसमें 22.9 प्रतिशत की जोरदार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बीते महीने इसके जरिए केंद्र सरकार के खजाने में 2,31,290 करोड़ रुपये आए। सरकार की ओर से आंकड़े जारी करने के साथ ही संग्रह में आई तेजी के कारणों की जानकारी भी दी गई है।

पिछले साल से 43,165 करोड़ अधिक

गौरतलब है कि पिछले साल की समान अवधि यानी अक्टूबर 2025 में सकल जीएसटी संग्रह 1,88,125 करोड़ रुपये दर्ज किया गया था। यानी इस साल अक्टूबर में यह 43,165 करोड़ रुपये अधिक रहा।

अक्टूबर के दौरान सकल घरेलू राजस्व पिछले साल की समान अवधि के 1,37,328 करोड़ रुपये से 15.8 प्रतिशत बढ़कर 1,59,044 करोड़ रुपये रहा।

इस बीच, आयात से प्राप्त राजस्व 42.2 प्रतिशत बढ़कर 72,246 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले साल इसी महीने यह 50,796 करोड़ रुपये था।

बता दें कि एकीकृत जीएसटी में घरेलू लेन-देन से 64,769 करोड़ रुपये और आयात से 72,246 करोड़ रुपये का संग्रह शामिल है। इसके अलावा अप्रैल-अक्टूबर 2026 की अवधि में कुल केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) 2,85,858 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) 3,42,491 करोड़ रुपये और एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) कुल 8,49,220 करोड़ रुपये रहा।

रिफंड के बाद शुद्ध राजस्व में वृद्धि

अक्टूबर 2026 के दौरान वितरित कुल जीएसटी रिफंड सालाना आधार पर 6.5 प्रतिशत बढ़कर 27,934 करोड़ रुपये हो गए, जबकि अक्टूबर 2025 में यह 26,225 करोड़ रुपये थे। इसमें 14,007 करोड़ रुपये के घरेलू रिफंड और 13,927 करोड़ रुपये के आयात तथा भारतीय सीमा शुल्क इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्यिक द्वार (आईसीईगेट) निर्यात रिफंड शामिल थे।

कुल जीएसटी रिफंड को समायोजित करने के बाद अक्टूबर 2026 का शुद्ध जीएसटी राजस्व 25.6 प्रतिशत बढ़कर 2,03,356 करोड़ रुपये हो गया, जो अक्टूबर 2025 में 1,61,900 करोड़ रुपये था।

अप्रैल-अक्टूबर 2026 की अवधि में कुल शुद्ध जीएसटी राजस्व 12,69,486 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष के इसी सात महीने की अवधि में जुटाए गए 11,27,355 करोड़ रुपये से 12.6 प्रतिशत अधिक है।

सात महीने में 14.77 लाख करोड़ का संग्रह

चालू वित्त वर्ष (अप्रैल-अक्टूबर 2026) के पहले सात महीनों में कुल सकल जीएसटी संग्रह 14,77,569 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में दर्ज 13,05,213 करोड़ रुपये से 13.2 प्रतिशत अधिक है।

वित्त मंत्रालय की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, जीएसटी संग्रह में यह जोरदार बढ़ोतरी घरेलू राजस्व और आयात से होने वाले संग्रह, दोनों में मजबूत तेजी के कारण हुई है।

पुलिस का नोटिस

प्रधानमंत्री और उनकी मां से जुड़े कृत्रिम बुद्धिमत्ता वीडियो मामले में दिल्ली पुलिस की कार्रवाई

नई दिल्ली, 1 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां से जुड़े कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) वीडियो मामले में दिल्ली पुलिस की कार्रवाई तेज हो गई है। दिल्ली पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस स्पेशल सेल ने इस मामले में नोटिस जारी किया है। यह वीडियो कांग्रेस पार्टी के बिहार के आधिकारिक सोशल मीडिया खाते खछउइळहरअॅ से पोस्ट किया गया था। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की टीम पटना पहुंची और बिहार कांग्रेस मुख्यालय मसदाकत आश्रमफ के बाहर नोटिस चस्पा किया। पुलिस इस मामले से जुड़े एक मोबाइल नंबर की जांच कर रही है, जो बिहार कांग्रेस से जुड़ा बताया जा रहा है।

दिल्ली पुलिस की ओर से जारी नोटिस में अमित कुमार मंडल को विशेष रूप से तलब किया गया है। जांच के सिलसिले में उन्हें 5 नवंबर 2026 को सुबह 11 बजे नई दिल्ली के भरत नगर, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित काउंटर इंटेलिजेंस स्पेशल सेल के कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है।

सिम कार्ड और मोबाइल फोन मांगे

नोटिस के मुताबिक, अमित कुमार मंडल को पूछताछ के लिए अपने साथ कुछ जरूरी दस्तावेज और वस्तुएं लाने को कहा गया है। इनमें संबंधित मोबाइल नंबर का सिम कार्ड और 1 जुलाई 2025 से अब तक इस्तेमाल किए गए वे सभी मोबाइल फोन शामिल हैं, जिनमें इस नंबर का उपयोग किया गया हो।

इसके अलावा खछउइळहरअॅ एक्स खाते का आधिकारिक इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति का नाम तथा 1 जुलाई 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक इस खाते को चलाने के लिए अधिकृत लोगों की सूची भी मांगी गई है।

अलग झंडे की मांग

मुख्यमंत्री विजय से दो विशेष अवसरों पर फहराने की अपील, भाजपा ने बताया अलगाववादी सोच

चेन्नई, 1 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के लिए अलग झंडे की मांग को लेकर तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के नेता आधव अर्जुन ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु को प्राथमिकता देने वाला अलग झंडा बनाया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री विजय 18 जुलाई और 1 नवंबर (तमिलनाडु दिवस) को पहली बार इस झंडे को फहराएं और इसे हर घर में भी फहराया जाना चाहिए। वहीं, भारतीय जनता पार्टी ने इस मांग को लेकर अलगाववादी मानसिकता के खिलाफ चेतावनी दी है।



आधव अर्जुन ने कहा कि तमिल भाषा की रक्षा करने की जरूरत किसी को नहीं है और दुनिया में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है, जिसके पास तमिल की रक्षा करने की ताकत हो। उन्होंने कहा कि तमिल ही लोगों की रक्षा कर रही है और लोग तमिल से ही लाभ उठा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह सोच केवल मंच से भाषण देने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि हर जगह दिखाई देनी चाहिए। इसके लिए जो भी कानून जरूरी हो, उसे लाया जाना चाहिए।

हर घर में झंडा फहराने की मांग

आधव अर्जुन ने कहा कि तमिलनाडु को अपना झंडा बनाना चाहिए। कई राज्यों के अपने झंडे हैं। ऐसे में तमिलनाडु के लिए भी ऐसा झंडा बनाया जाना चाहिए, जिसमें राज्य को प्राथमिकता दी जाए।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विजय को 18 जुलाई और 1 नवंबर को पहली बार इस झंडे को फहराना चाहिए। साथ ही इसे हर घर में फहराया जाना चाहिए। बता दें कि तमिलनाडु दिवस साल में दो बार, 1 नवंबर और 18 जुलाई को मनाया जाता है।

भाजपा ने किया विरोध

आधव अर्जुन ने कहा कि तमिलनाडु ऐसी स्थिति में है, जहां राष्ट्रीय ध्वज के बराबर दर्जे वाला झंडा बनाने की जरूरत है। उन्होंने अलग झंडे की मांग को तमिलनाडु की प्राथमिकता से जोड़कर देखा।

वहीं, भाजपा नेता विनोज सेल्वम ने इस मांग पर सवाल उठाया और अलगाववादी मानसिकता के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने सवाल किया कि आखिर विभाजन की सोच को क्यों बढ़ावा दिया जा रहा है। भाजपा ने आधव अर्जुन की अलग झंडे की मांग को इसी मुद्दे से जोड़कर सवाल उठाए हैं।

कार्टून कॉर्नर



मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31°
न्यूनतम : 22°

प्रथम पृष्ठ का शेष

वोट चोरी...

इसे कानून की भाषा में जघन्यतम अपराध और देशद्रोह माना जाना चाहिए। ज्ञानेश कुमार के बिना न तो नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बन पाते और न अमित शाह गृह मंत्री। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने देश की तमाम संवैधानिक और प्रशासनिक संस्थाओं- शिक्षा, स्वास्थ्य, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), न्यायपालिका, नौकरशाही और पुलिस को अपने नियंत्रण में ले लिया है। इसका खामियाजा देश के युवाओं, किसानों और छोटे व्यापारियों को भुगतना पड़ रहा है।

उद्योगपतियों के हाथों में संपत्ति सौंपने का आरोप

आर्थिक असमानता का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि देश की पूरी संपत्ति और संसाधन अडानी और अंबानी जैसे दो-तीन उद्योगपतियों के हाथों में सौंप दिए गए हैं। उनके लाखों करोड़ रुपये के कर्ज एक सेकंड में माफ कर दिए जाते हैं, लेकिन किसान, मजदूर या छोटा कारोबारी बैंक का कर्ज नहीं चुका पाता तो उसे जेल भेज दिया जाता है।

उन्होंने कहा, आपने शिव की बारात के बारे में सुना होगा, जिसमें हर किसी को शामिल होने और नाचने की अनुमति होती है। हमें ऐसा ही भारत चाहिए, जहां किसान मेहनत करे तो उसे अपनी उपज का फल मिले और छात्र 18 घंटे पढ़ाई करे तो उसे शिक्षा और रोजगार मिले। हमें ऐसा देश नहीं चाहिए जहां हर हवाई अड्डा, रेलवे, बिजली और मोबाइल नेटवर्क अडानी का हो।

कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

सत्ताधारी दल को चेतावनी देते हुए राहुल गांधी ने कहा, अमित शाह कहते हैं कि नरेंद्र मोदी कहीं नहीं जा रहे। मैं आपको बताता हूं कि वे कहीं जा भी नहीं सकते और अगर जाना भी चाहेंगे तो हम उन्हें जाने नहीं देंगे। ज्ञानेश कुमार के बाद हम आपके सामने खड़े होने जा रहे हैं। आपने जो वोट चोरी की है और देश को बेचा है, उसके लिए देश आपसे न्याय मांगेगा। आप भाग नहीं सकते, आपके और अमित शाह के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी।

उन्होंने कहा कि हमारे लिए कोई दुश्मन नहीं है। न नरेंद्र मोदी, न अमित शाह और न ज्ञानेश कुमार। हम हिंसा या नफरत फैलाने वाले लोग नहीं हैं, बल्कि महात्मा गांधी के रास्ते पर चलने वाले लोग हैं। हमारा धर्म सिखाता है कि किसी से नफरत नहीं करनी है और कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति की आवाज की रक्षा करनी है, चाहे वह हिंदू हो, मुसलमान हो, सिख हो, दलित हो, आदिवासी हो या महिला।

राहुल गांधी ने कहा कि सरकार की नीतियों और नफरत से देश की आत्मा चिल्ला रही है। देश का हर युवा और नागरिक शांति और मोहब्बत चाहता है। यह विरोध प्रदर्शन किसी एक दल का नहीं, बल्कि हिंदुस्तान के संविधान और लोकतंत्र को बचाने का साझा आंदोलन है।

अखिलेश ने भी भाजपा को घेरा

रैली को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिस समय यह रैली हो रही है, उसी समय उत्तर प्रदेश से भाजपा की ओर से एक बड़ी बात सामने आई है। वहां हमारे हिंदू भाइयों के एक करोड़ 27 लाख वोट काट दिए गए हैं।

अखिलेश यादव ने कहा, सोचिए, रामलीला मैदान की यह ताकत और इंडिया गठबंधन की आवाज! क्या भाजपा के लोगों को भी अब यह याद आ रहा है कि उनके भी वोट कट गए हैं? अगर एक करोड़ 27 लाख वोट कटे हैं और इसका गणित उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों के हिसाब से लगाएं तो हर विधानसभा में उनके 31 हजार वोट कम हुए हैं। सच्चाई तो यह है कि वे अपनी आसन्न हार का ठीकरा किसी और के सिर फोड़ना चाहते हैं।

उत्तर प्रदेश की राजनीति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग यह दावा करके आए थे कि यह मअंगद का पैरफ है, वे आज अच्छी तरह जानते हैं कि अब जमीन ही नहीं बची है तो अंगद का पैर कहां रखेंगे? जो लोग दोहरी इंजन वाली सरकार का दावा करते थे, उन्हें काशी की जनता ने मदोहरा शून्यफ दे दिया है।

ममता का अनोखा तंज

महारैली में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने मजॉनी-जॉनी यस पापाफ की तर्ज पर कविता सुनाते हुए चुनाव आयोग और भाजपा पर निशाना साधा।

मंच से संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, ज्ञानेश-ज्ञानेश, यस पापा। वोट चोरी किया? यस पापा। लूट किया, भाजपा पापा। डाके के पीछे कौन है? भाजपा पापा। इज्जत लूटी? भाजपा पापा। किसान की इज्जत चोरी की? भाजपा पापा। मजदूर का घर तोड़ा? भाजपा पापा।

हम हारे नहीं, हमें हराया गया

ममता बनर्जी ने कहा कि ज्ञानेश कुमार ने पूरी मतगणना को प्रबंधित किया। केंद्रीय स्तर पर कब्जा करके बंगाल में एक करोड़ से ज्यादा वोट निकाल दिए गए। वोट से पहले हम हारे नहीं, हमें हराया गया। इसका बदला हम राजनीति और लोकतंत्र के जरिए लेंगे। आपने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, लोकतंत्र, संविधान और अधिकार, नौकरी तथा मां-बहनों का सम्मान लूटा है।

भाजपा का साथ, सबका सत्यानाश

भाजपा के चुनावी नारों पर तंज कसते हुए ममता बनर्जी ने कहा, ङ्कङ्कआप कहते थे सबका साथ, सबका विकास। लेकिन अब लोग कहते हैं- भाजपा का साथ, सबका सत्यानाश। क्या नहीं लूटा इन्होंने? राम जन्मभूमि का रुपया लूटा, बंगाल में मंदिरों का पैसा लूटा, गुरुद्वारा और मस्जिद की वक्फ संपत्ति लूटी। इन्होंने पुलिस को अपनी पार्टी का साथी बना दिया है। भाजपा का अपना कोई संगठन नहीं बचा है।

सौरभ का ...

सीबीआई की जांच में यह भी सामने आया कि अवैध सट्टेबाजी से प्राप्त रकम को बड़ी संख्या में बैंक खातों के जरिए घुमाया जाता था। कई लेन-देन के बाद इस रकम को हवाला के जरिए विदेश भेजा जाता था। जांच में यह भी पता चला कि इस रकम का एक हिस्सा सरकारी कर्मचारियों को कथित तौर पर संरक्षण राशि के रूप में दिया जाता था, ताकि सट्टेबाजी का नेटवर्क बिना रुकावट चलता रहे।सीबीआई ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के साथ भारतीय दंड संहिता की आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और जालसाजी से जुड़ी धाराओं तथा छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम के तहत आरोपपत्र दाखिल किए हैं। इन आरोपपत्रों में सौरभ चंद्राकर को प्रमुख आरोपियों में शामिल किया गया है। ईडी ने भारत और विदेशों में उसकी कई संपत्तियां भी कुर्क की हैं।

रेड कॉर्नर नोटिस के बाद गिरफ्तारी

सौरभ चंद्राकर के खिलाफ जारी रेड कॉर्नर नोटिस के आधार पर ओमान पुलिस ने उसे ढूंढकर हिरासत में लिया था। इसके बाद सीबीआई और ईडी ने ओमान को औपचारिक प्रत्यर्पण प्रस्ताव भेजे। इनमें आरोपी के खिलाफ जुटाए गए सबूत भी शामिल किए गए थे।

प्रत्यर्पण की प्रक्रिया में भारत सरकार की संबंधित एजेंसियों और इंटरपोल के राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो के साथ समन्वय किया गया। ओमान के संबंधित अधिकारियों के सहयोग से प्रक्रिया आगे बढ़ी। प्रत्यर्पण मंजूर होने के बाद सीबीआई की टीम मस्कट पहुंची और सौरभ चंद्राकर को भारत लेकर आई। सीबीआई ने ओमान सरकार और रॉयल ओमान पुलिस के सहयोग के लिए आभार जताया है।

हमारे वाले ....

धीरेंद्र शास्त्री यहीं नहीं रुके। उन्होंने माइक पर गाते हुए कहा, ङ्कङ्कबंसी बजाना तो खेल भी है। लेकिन धनुष चलाना कोई खेल नहीं। तुम्हारे ठाकुर जी जो बंसी बजाते हैं, वह कोई बड़ा काम नहीं है। बंसी तो यहां मंच पर मौजूद एक व्यक्ति भी बजा रहा है।

उन्होंने मंच पर मौजूद बांसुरी बजाने वाले कलाकार की ओर इशारा करते हुए यह बात कही। इसके बाद धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, ङ्कङ्कजितने भी ठाकुर जी वाले यहां बैठे हैं, आज तो तुम्हारे ठाकुर जी की भी जय-जयकार हो रही है। राम जी के साधक यहां जितने भी लोग बैठे हैं, वे आज फूले नहीं समा रहे होंगे।

धीरेंद्र शास्त्री का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा है। कई उपयोगकर्ता उनके बयान की आलोचना कर रहे हैं। एक उपयोगकर्ता ने लिखा, ङ्कङ्कयह हमारे देश का दुर्भाग्य है कि हमारे देश में ऐसे मूर्ख लोगों को सम्मान दिया जाता है।ङ्कङ्क वहीं, एक अन्य उपयोगकर्ता ने लिखा, ङ्कङ्कछोटा किया हुआ वीडियो डालकर विवाद को बढ़ावा देना चाहते हो। ये भगवान राम और कृष्ण की प्रशंसा ही हो रही है।

मोदी रूपी रावण को हराएगी कांग्रेस की वानर सेना : रेवंत रेड्डी

रामलीला मैदान में मुख्यमंत्री ने भाजपा और चुनाव आयोग पर लगाए गंभीर आरोप

हैदराबाद, 2 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि देश के 15 से 20 प्रतिशत मतदाताओं को मतदान के अधिकार से वंचित करने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हथियार बनाकर नागरिकों के मताधिकार छीनने का प्रयास करने का आरोप लगाया। मोदी की तुलना रावण से करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के रूप में मौजूद वानर सेना आधुनिक रावण को पराजित करेगी।



दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी गठबंधन इंडिया की विशाल जनसभा से पहले तेलंगाना के पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए रेवंत रेड्डी ने दावा किया कि देश में अब तक 13.5 करोड़ वोट हटाए जा चुके हैं और पूरे भारत में अन्य 20 करोड़ वोट हटाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने बिहार, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में सत्ता हासिल करने के लिए इस तरीके का इस्तेमाल किया और अब दिल्ली में सत्ता बनाए रखने के लिए भी इसी तरह की साजिश रची जा रही है।

मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताते हुए कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) की देखरेख में तेलंगाना से 15 हजार लोगों को कार्यक्रम में ले जाने के लिए रेलगाड़ियों की व्यवस्था की गई थी, लेकिन अधिकारियों ने उन्हें रद्द कर दिया। इससे पार्टी कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम में शामिल होने से रोकने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि रेलगाड़ियां रद्द होने के बावजूद हजारों कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचे। इससे साबित हो गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार भी उनके संकल्प को नहीं रोक सके।

अंततः तेलंगाना की ताकत और आवाज के सामने इन तीनों को झुकना पड़ा।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि जिस प्रकार भगवान श्रीराम ने रावण का वध करने के लिए वानर सेना की सहायता ली थी, उसी प्रकार कांग्रेस की वानर सेना नरेंद्र मोदी को पराजित करने के लिए संघर्ष कर रही है और जीत हासिल होने तक चैन से नहीं बैठेगी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन के नेताओं द्वारा दिए गए संदेश को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाएं।

तेलंगाना भवन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के बाद मुख्यमंत्री एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पहुंचे।

वहां से खड़गे, वरिष्ठ नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ-साथ इंडिया गठबंधन के नेताओं फारूक अब्दुल्ला, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, तेजस्वी यादव, महबूबा मुफ्ती और संजय राउत के साथ खुली जीप में सवार होकर रामलीला मैदान पहुंचे।

कर्नाटक राज्योत्सव पर जय क्रांति युवा सेना ने किया बेजुबान प्राणियों की सेवा



बेंगलूरु, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कर्नाटक राज्योत्सव के पावन अवसर पर जय क्रांति युवा सेना, बेंगलूरु के तत्वावधान में श्री कृपा लिविंग आश्रम, केंगेरी में बेजुबान एवं बेसहारा प्राणियों की सेवा का सराहनीय आयोजन किया गया। इस अवसर पर भामाशाह किरण जैन के सहयोग से बेसहारा पशुओं, स्वानों एवं गौमाता के लिए खाने-पीने की सामग्री, बिस्किट, सूखा भूसा, हरा चारा तथा पशुओं के सोने के लिए बारदाने की व्यवस्था की गई। इस पुनीत सेवा कार्य के माध्यम से जरूरतमंद बेजुबान प्राणियों को भोजन एवं आश्रय उपलब्ध करवाकर मानवता, करुणा और जीवदया का प्रेरणादायक संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में जय क्रांति युवा सेना के पदाधिकारी एवं सदस्य विनोद चौहान, अश्विन सेमलानी, देवी सिंह, मदन मालवीय, कमल सैन एवं हेमाराम प्रजापत सहित अन्य सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा सेवा कार्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने कहा कि बेजुबान प्राणियों की सेवा करना ही सच्ची मानवता है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आगे आकर ऐसे सेवा कार्यों में सहयोग करना चाहिए, ताकि असहाय जीवों को भोजन, सुरक्षा एवं सहारा मिल सके।

अंत में जय क्रांति युवा सेना, बेंगलूरु की ओर से भामाशाह किरण जैन एवं सभी सहयोगकर्ताओं का हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया गया।

बिहार समाज सेवा संघ के राष्ट्रीय महासचिव बने राकेश त्रिपाठी

छठ महापर्व की तैयारियों को लेकर संघ की महत्वपूर्ण बैठक में घाटों की व्यवस्थाओं पर हुई चर्चा



हैदराबाद, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बिहार समाज सेवा संघ, हैदराबाद के राष्ट्रीय महासचिव पद पर श्री राकेश त्रिपाठीजी की नियुक्ति किए जाने पर संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया।

इस अवसर पर 1 नवंबर 2026 को संघ के राष्ट्रीय चेयरमैन आदरणीय श्री राजू ओझाजी ने छठ घाट पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान श्री राकेश त्रिपाठीजी को सम्मानित किया तथा उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष श्री मनीष तिवारी, उपाध्यक्ष श्री नवरत्न पासवान, कोषाध्यक्ष श्री दीपक तिवारी, श्री राकेश सिंह, श्री गौरव प्रताप सिंह, श्री मुकेश सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

सभी सदस्यों ने विश्वास व्यक्त किया कि श्री राकेश त्रिपाठीजी अपने अनुभव, समर्पण एवं संगठनात्मक क्षमता के बल पर बिहार समाज सेवा संघ को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। संघ के सभी सदस्यों ने उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

छठ पूजा की तैयारियों पर मंथन

इसी क्रम में 1 नवंबर 2026 को छठ महापर्व की तैयारियों को लेकर संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संघ के अध्यक्ष श्री मनीष तिवारी, उपाध्यक्ष श्री नवरत्न पासवान, कोषाध्यक्ष श्री दीपक तिवारी, श्री राकेश सिंह, श्री गौरव प्रताप सिंह, श्री मुकेश सिंह, राष्ट्रीय महासचिव श्री राकेश त्रिपाठी सहित संघ के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

पांच छठ पूजा स्थलों की व्यवस्थाओं पर चर्चा

बैठक में हैदराबाद के विभिन्न छठ पूजा स्थलों, जैसे बेबी पॉन्ड-1, हर्बल गार्डन के सामने, संजीवैया पार्क, नेकलेस रोड तथा बतकम्मा घाट, नल्लाकुंटा एवं अंबरपेट में छठ महापर्व के आयोजन को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में विशेष रूप से इस बात पर चर्चा की गई कि छठ घाटों पर तैयारियों को किस प्रकार व्यवस्थित किया जाए, आगामी दिनों में कौन-कौन से कार्य किए जाने हैं तथा उन कार्यों को किस प्रकार और किसकी जिम्मेदारी में पूरा किया जाए।

सुविधाओं एवं सुरक्षा पर विशेष जोर

घाटों की साफ-सफाई, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, सुरक्षा, श्रद्धालुओं की सुविधाओं एवं प्रशासनिक समन्वय जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव एवं विचार रखे।

सभी सदस्यों ने एकमत होकर इस वर्ष छठ महापर्व को पिछले वर्षों की तुलना में और अधिक बेहतर, सुव्यवस्थित एवं भव्य तरीके से आयोजित करने का संकल्प लिया।

इसके लिए सभी सदस्यों ने आपसी सहयोग, समर्पण एवं जिम्मेदारी के साथ मिलकर कार्य करने पर जोर दिया।

अंत में संघ के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने आगामी छठ महापर्व को सफल बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने तथा सभी तैयारियों को निर्धारित समय पर पूरा करने का संकल्प लिया।

निस्वार्थ सेवा से मिलता है आत्मसंतोष, जरूरतमंदों की मदद ही सच्ची मानव सेवा

हैदराबाद, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने रविवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने सेवा और समर्पण की भावना के साथ जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया।



इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा करना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवता के प्रति हमारी सच्ची जिम्मेदारी है। किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराकर उसके चेहरे पर मुस्कान लाना ही सेवा का सबसे बड़ा सुख है। समाज में ऐसे सेवा कार्यों से आपसी सहयोग, प्रेम और संवेदनशीलता की भावना मजबूत होती है।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, अनिल अग्रवाल धरसुवाले सहित राधे राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

बेंगलूरु-मुंबई वंदे भारत स्लीपर ट्रेन से आईटी सिटी और आर्थिक राजधानी के बीच कनेक्टिविटी का नया युग

ट्रेड एक्टिविस्ट सज्जन राज मेहता ने प्रधानमंत्री, रेल मंत्री सहित सभी संबंधित जनप्रतिनिधियों का जताया आभार

बेंगलूरु, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत की प्रौद्योगिकी राजधानी बेंगलूरु और देश की वित्तीय राजधानी मुंबई के बीच बहुप्रतीक्षित नई मवंदे भारत स्लीपरफ ट्रेन की शुरुआत देश के रेल बुनियादी ढांचे में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित हो रही है। एक नवंबर को उद्घाटन और 3 नवंबर से नियमित सेवा शुरू होने के साथ दोनों प्रमुख आर्थिक केंद्रों के बीच यात्रा का समय घटकर लगभग 16 घंटे रह जाएगा।



कर्नाटक राज्योत्सव के शुभ अवसर पर नागरिकों को मिली इस सौगात पर अपने विचार साझा करते हुए जाने-माने ट्रेड एक्टिविस्ट सज्जन राज मेहता ने कहा कि यह सेमी हाई-स्पीड रात्रिकालीन ट्रेन यात्रियों के लिए किसी शानदार उपहार से कम नहीं है। इसमें विश्वस्तरीय आराम, मकवचफ जैसी अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणालियां और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

मेहता ने इस बदलाव का श्रेय दूरदर्शी नेतृत्व और मजबूत प्रशासनिक इच्छाशक्ति को दिया।

उन्होंने भारतीय रेलवे के कायाकल्प और इस महत्वाकांक्षी परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना तथा स्थानीय सांसद तेजस्वी सूर्या और सांसद पी.सी. मोहन का हृदय से आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि देश के दो विशाल आर्थिक क्षेत्रों को तेज, सुरक्षित और भरोसेमंद परिवहन सुविधा से जोड़ने का यह प्रयास जन-केंद्रित शासन की एक उत्कृष्ट मिसाल है। साथ ही, उन्होंने यात्रियों की अपेक्षाओं को प्राथमिकता से उठाने और विकास के हर कदम पर जनता की आवाज बुलंद करने के लिए मीडिया का भी धन्यवाद किया।

इस नए रेल मार्ग से दक्षिण और पश्चिम भारत के बीच व्यापार, पर्यटन एवं व्यावसायिक गतिविधियों को जबरदस्त गति मिलने की उम्मीद है।

मुनिश्री तीर्थहंसविजयजी एवं साध्वीश्री प्रशमरनिधिजी म.सा. के वर्ष 2027 के चातुर्मास की जयकार

चेन्नई, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री वासुपूज्य मुनिसुव्रत जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ, माधवनगर-कुमारापार्क की टीम चेन्नई पहुंची। उल्लेखनीय है कि चेन्नई की पावन धरा पर परम पूज्य आचार्य भगवंत श्री तीर्थभद्र सूरीश्वरजी महाराज साहेब आदि ठाणा की पावन निश्रा में एक अत्यंत हर्षोल्लासपूर्ण एवं ऐतिहासिक मंगल प्रसंग संपन्न हुआ।

पूज्य आचार्य भगवंत की पावन निश्रा में वर्ष 2027 के चातुर्मास के लिए मुनिश्री तीर्थहंसविजयजी महाराज आदि ठाणा एवं साध्वीश्री प्रशमरनिधिजी म.सा. के चातुर्मास की जय बुलाई गई। इस शुभ अवसर पर संघ की ओर से सम्पतराज कोठारी, प्रकाश पिरगल, जयेश कोठारी, राजेंद्र कोठारी, विजयभाई शाह एवं रमेश कटारिया विशेष रूप से चेन्नई में उपस्थित रहे और इस पुण्यमय प्रसंग के साक्षी बने।



पूज्य गुरुदेव के पावन चरणों में कोटि-कोटि वंदन करते हुए आगामी चातुर्मास की जय बुलाए जाने के इस मंगल अवसर पर समस्त संघ परिवार में खुशी की लहर दौड़ रही है। प्रकाश पिरगल ने बताया कि प्रभु से मंगल कामना है कि वर्ष 2027 का यह पावन चातुर्मास जिनशासन की प्रभावना, धर्म-आराधना, तप-जप, ज्ञान एवं गुरु भक्ति का एक भव्य और ऐतिहासिक अध्याय बने।

राजस्थानी समाज के रामदेव नागला का 78वां जन्मोत्सव भव्यता से सम्पन्न



हैदराबाद, 01 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल ब्राह्मण समाज, राजस्थानी ब्राह्मण समाज एवं अन्य राजस्थानी समाजों में सदैव अग्रणी भूमिका निभाने वाले श्री रामदेव नागला का 78वां जन्मोत्सव ऋषि श्रृंग भवन में हर्षोल्लास एवं भव्यता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सिखवाल प्रगति समाज, सिखवाल युवा प्रकोष्ठ तेलंगाना, राजस्थानी ब्राह्मण सभा, श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज सिकंदराबाद, सिखवाल समाज नागौर पट्टी क्षेत्रीय एवं श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर के पदाधिकारियों ने शॉल एवं माला पहनाकर उनका सम्मान किया। भारत के विभिन्न क्षेत्रों से शुभचिंतकों ने भी उन्हें जन्मदिन की बधाई देते हुए उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की।कार्यक्रम में सुरेश कुमार व्यास (जानम), चंद्रभान व्यास, अनिल जायलवाल, चम्पालाल ओझा, नटवरलाल व्यास, नरेश पांडिया, रूपचंद व्यास, संदीप जायलवाल, श्रीनिवास तिवाड़ी, मुरलीधर तिवाड़ी, भागीरथ पांडिया, गोपाल कृष्ण तिवाड़ी, श्याम ओझा सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित थे।



तेलंगाना में साइबर ठगी से नुकसान 20.2 प्रतिशत घटा

हैदराबाद, 2 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में साइबर अपराधों के कारण होने वाले वित्तीय नुकसान में इस वर्ष के पहले नौ महीनों के दौरान पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 20.2 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। अक्टूबर महीने में साइबर सुरक्षा जागरूकता माह के समापन के अवसर पर राज्यभर में रात्रिकालीन फ्लैश वॉक और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

हरीश राव के खिलाफ फोन टैपिंग मामला सिद्दिपेट स्थानांतरित

दूसिद्धिपेट, 2 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस नेता टी. हरीश राव के खिलाफ कांग्रेस टिकट पर सिद्धिपेट विधानसभा चुनाव लड़ने वाले गडागोनी चक्रधर गौड़ द्वारा दर्ज कराए गए फोन टैपिंग मामले को हैदराबाद के पंजागुट्टा पुलिस थाने से सिद्धिपेट वन टाउन पुलिस थाने में स्थानांतरित कर दिया गया है।

क्षेत्राधिकार के आधार पर मामला स्थानांतरित होने के बाद शनिवार को सिद्धिपेट वन टाउन पुलिस ने नई प्राथमिकी (क्राइम नंबर 496/2026) दर्ज की।



इसमें हरीश राव को मुख्य आरोपी बनाया गया है। इसके अलावा पूर्व डीसीपी राधाकिशन राव सहित अन्य लोगों के नाम भी शामिल किए गए हैं।

फार्मर्स फर्स्ट फाउंडेशन के संस्थापक गौड़ ने 1 दिसंबर 2024 को शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान उनके और उनकी पत्नी के मोबाइल फोन टैप किए गए थे। उनकी शिकायत के आधार पर पंजागुट्टा पुलिस ने क्राइम नंबर 1205/2024 के तहत मामला दर्ज किया था नई प्राथमिकी में मूल मामले की तुलना में छह अतिरिक्त धाराएं शामिल की गई हैं। इनमें कथित धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक विश्वासघात से संबंधित भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराएं 419, 420, 467 और 406 शामिल हैं।

इसके अलावा पहचान की चोरी तथा कंप्यूटर संसाधनों के माध्यम से प्रतिरूपण कर धोखाधड़ी करने से संबंधित सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धाराएं 66सी और 66डी भी लगाई गई हैं।



SAVE DEMOCRACY
REMOVE ANARCHY
MAHA PADYATRA

Today 2nd Nov. 2026 from 3:00 pm

JAGJIVAN RAM STATUE, LB Stadium
to Moujamjahi Market

KINDLY REACH BEFORE 2:30 PM



SRI AMIT SHAHJI
Hon'ble Union Minister of Home Affairs and
Minister of Cooperation for the Govt. of India.

लोकतंत्र बचाओ
अराजकता मिटाओ
महा पदयात्रा

आइए, एकजुट हों, लोकतंत्र की रक्षा करें और राष्ट्र की एकता
एवं अखंडता का संदेश जन-जन तक पहुँचाएँ...

आपकी सहभागिता
राष्ट्र की एकता का संकल्प!



SUBHASH AGARWAL
State Convenor, Pravasi Cell
BJP Telangana

हैदराबाद में निवासरत देश के विभिन्न राज्यों एवं क्षेत्रों से आए समस्त प्रवासी बंधुओं से सादर आह्वान है कि
वे इस महा पदयात्रा में अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बनें।
भारत की एकता, अखंडता, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं सामाजिक सौहार्द की रक्षा के संकल्प के साथ आइए,
हम सब एकजुट होकर देश में अशांति एवं अराजकता फैलाने वाली ताकतों को
लोकतांत्रिक तरीके से अपना सशक्त एवं शांतिपूर्ण जवाब दें।



Sanjay Singh (Co-Convenor) · R.N. Gupta · Dr Ajai Kumar Agarwal · Narendra Kumar Sharma · Ramesh Kumar Bung · Uma Shankar Goenka · Dharmendra Kumar Goel · Dr Seema Jain · Sohanlal Dahima · Jasmat Patel · Sourabh Kulkarni · Pankaja Srinivasan Thattai · RR Mahapatra

Dr. Ashok Kedia · Subrata Ganguly · Geetesh Kate · Prabin Kumar Bardhan · Parasmal Ranka · Niranjan Chavda · Bablu Singh · Surendra Katgeri · Govind Das Shah · Mahesh Patel · DP Tiwari · Suresh Chand Sharma · Aloke Kumar Jha

Ghanshyam Patel · Uday Gupta · Mukesh Kataria · Sanjay Mohan Dolwani · K Dharampal Arya · Ridesh Jagirdar · Sunil Kulkarni · Naveen Patel · Sandeep Jayalwal · Luxy Manikandan · Budharam Choudhary · Dr Ashok Kumar Nedumudy · Keval Bhai Dewasi

Vinita Singh · Harikishan Ojha · B. Krishnam Raju · Manoj Mittal · Vinay Jain · Rajib Saikia · Jitender Tiwari · Umesh Sharma · Ajay Kumar · Debender Das · Laxmikant Sharma · C R Rajeev Acharya · Parag Vadavkar

R.P. Singh · Raj Bahadur · Shweta · Sumit Pal · Sushant Gogoi · T Vijay · V.R. Vijaya Rama Raju · Vijay Kumar Unnikrishnan · Vinod Yadav · Vijay Kushwaha · Samir Das · Nandu Mondal · Naval Jaju

आइए, एकजुट हों, लोकतंत्र की रक्षा करें और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता का संदेश जन-जन तक पहुँचाएँ...

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.